THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 315 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.9, 2082 मंगलवार, 10 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'सरकार के नजरिए में खामियां हैं'

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते और रूस से तेल खरीद रोकने पर केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर और पीयूष गोयल के बयान सामने आए हैं, जिन पर कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि इस पूरे मामले में सरकार के नजरिए में ही खामियां हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री जिसे पूरी सरकार का दृष्टिकोण बताते हैं, उसके बारे में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, उसमें ही खामियां हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में जयशंकर, पीयूष गोयल और हरदीप पुरी पर निशाना साधते हुए लिखा, 'रूसी तेल मुद्दे और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वाणिज्य मंत्री कहते हैं।

शरद पवार की बारामती में बिगड़ी तबीयत, सांस लेने में तकलीफ

पुणे के अस्पताल में कराए गए भर्ती

मुंबई, 9 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख व वयोवृद्ध नेता शरद पवार की सेहत अचानक खराब होने के बाद उन्हें बारामती से पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। शरद पवार को खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतें हैं। यह जानकारी उनके कार्यालय की ओर से दी गई है। हालांकि अभी उनकी सेहत की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक विवरण नहीं आया है। डॉक्टर उनकी स्थिति का पूरा निरीक्षण कर रहे हैं और जरूरी मेडिकल जांचें की जा रही हैं।

भारत-सेशेल्स के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

हम साथ मिलकर भविष्य को आकार देंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी की मौजूदगी में हैदराबाद हाउस में भारत और सेशेल्स के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। पीएम मोदी ने 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'सेशेल्स के राष्ट्रपति चुने जाने पर मैं राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी को 140 करोड़ भारतीयों की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं।'

उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है, उनकी यह यात्रा ऐसे शुभ वर्ष में हो रही है जब सेशेल्स का 50वां स्वतंत्रता दिवस और हमारे राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। मुझे विश्वास है कि यह हमें निरंतर नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।'पीएम मोदी ने आगे कहा, 'एक मैरिटाइम पड़ोसी और विश्वसनीय साझेदार के रूप में सेशेल्स भारत के महासागर विजन का अभिन्न अंग है। हमारा सहयोग जल, थल और नभ को समाहित करता है। आज की चर्चाओं में हमने इस साझेदारी को और सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। अपने आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के लिए नए अवसरों की तलाश जारी रखने पर हम सहमत है।

लोकल करेंसी में व्यापार बढ़ाने के साथ-साथ हम फिनटेक और डिजिटल सॉल्यूशन में भी आगे बढ़ेंगे।' पीएम मोदी ने कहा, 'हमारे सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए हम 175 मिलियन डॉलर के स्पेशल पैकेज की घोषणा करने जा रहे हैं। यह पैकेज सोशल हाउसिंग, ई-मोबिलिटी, वोकेशनल ट्रेनिंग, स्वास्थ्य, रक्षा और मैरिटाइम सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ठोस परियोजनाओं का समर्थन देंगे, मुझे खुशी है कि सेशेल्स के सिविल सेवकों की भारत में ट्रेनिंग के लिए आज एमओयू किया जा रहा है, तकनीकी क्षेत्र में करीबी सहयोग से हम अपने सहयोग को एक भविष्यवादी दिशा दे रहे हैं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'समुद्री पड़ोसी के रूप में ब्लू इकोनॉमी हमारे लिए एक स्वाभाविक सहयोग का क्षेत्र है। समुद्री अनुसंधान, क्षमता निर्माण, डेटा साझाकरण जैसे क्षेत्रों में हम भारत की विशेज्ञता सेशेल्स के साथ साझा करेंगे।' पीएम मोदी ने कहा, 'साथ मिलकर हम न सिर्फ द्विपक्षीय सहयोग को, बल्कि हिंद महासागर के लिए एक साझा भविष्य को भी आकार देंगे।

परीक्षा पे चर्चा-टेक्नोलॉजी का गुलाम न बनें : पीएम

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन के दूसरे एपिसोड में देशभर से आए छात्रों से मुलाकात की। पीएम मोदी कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ पहुंचे और बच्चों से बात की। इसके बाद पीएम गुवाहाटी के अष्टलक्ष्मी पहुंचे। पीएम ने कहा कि कभी भी टेक्नोलॉजी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्षमता बढ़ाने में करें। दूसरे एपिसोड में पीएम मोदी ने बच्चों को पढ़ने के साथ, लिखकर प्रैक्टिस करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से कहा कि पहले निडर बनो फिर लीडर बन जाओगे।

पीएम ने छात्रों को पढ़ाई में कमजोर क्लासमेट्स की मदद करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को उनसे दोस्ती करनी चाहिए और उन्हें टॉपिक समझाने चाहिए। दूसरों को पढ़ाने से खुद भी बेहतर सीखने में मदद मिलती है। आप पुरानी परीक्षा के दिनों को याद कीजिए। जब आप पुरानी परीक्षाओं को याद करेंगे, तो आपको लगेगा उस समय भी तनाव था, लेकिन जब वह परीक्षा देकर आ गया, तो कुछ नहीं था। ऐसा होता है ना। परीक्षा के लिए सबसे अच्छी चीज होती है कि आप पेपर सॉल्व करने की आदत डालें। लिखने की आदत डालें। अगर खुद आप इस तरह से प्रैक्टिस करते रहेंगे तो आपको कभी तनाव नहीं होगा। आप वेकेशन पर जा रहे हैं, तो पहले अपनी तहसील में देखें कहां जा सकते हैं, फिर जिला, फिर राज्य। कहने का मतलब ये है कि आप जहां भी घूमें एक स्टूडेंट की नजर से घूमें ताकि आप लगातार कुछ सीख सकें। पहले निडर बनो, जो काम है, मन में तय करो कि कोई ओर करे या ना करे मैं करुंगा। जब आप ऐसा सोचना शुरू कर देंगे, तो आप देखेंगे कि अपने आप लीडरशिप क्वालिटी डेवलप हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर की डेडलाइन एक सप्ताह बढ़ाई

बंगाल सरकार और डीजीपी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करा रहा है। मतदाता सूची से जुड़ा यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इस मामले में अहम दिशा-निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने का भी निर्देश दिया।

सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की डेडलाइन एक सप्ताह और बढ़ाई जा रही है। तारीख बढ़ाने का आदेश पारित करने से पहले चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) को रिपोर्ट करेंगे। कोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एनवी अंजरिया भी शामिल हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-यह सरासर डकैती है, पूरे देश में लागू हो एसओपी

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। देश में तेजी से बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए इसे डकैती या लूट करार दिया है। अदालत ने कहा कि अब तक 54,000 करोड़ से अधिक की राशि साइबर ठगी के जरिए निकाली जा चुकी है, जो बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को पूरे देश में औपचारिक रूप से लागू किया जाए, ताकि डिजिटल फ्रॉड पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल : कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की लापरवाही या अधिकारियों की मिलीभगत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई और बैंकों से कहा कि वे ऐसे मामलों में समय पर और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। सुनवाई के दौरान अदालत ने बताया कि आरबीआई ने पहले ही एक एसओपी तैयार किया है, जिसके तहत साइबर फ्रॉड की आशंका होने पर अस्थायी रूप से डेबिट कार्ड को होल्ड पर डालने जैसी त्वरित कार्रवाई का प्रावधान है। इसका उद्देश्य धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान को तुरंत रोकना है।

आप सरकार के दबाव में काम कर रहे, आपको निष्पक्ष होना चाहिए

> कांग्रेस की महिला सांसदों का बिरला को पत्र

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की महिला सांसदों ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर उन पर सरकार के निरंतर दबाव में काम करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें सदन के निष्पक्ष संरक्षक के रूप में कार्य करना चाहिए।

उन्होंने यह पत्र उस वक्त लिखा है जब बिरला ने बीते गुरुवार को कहा था कि इससे एक दिन पहले कांग्रेस के कई सदस्य सदन के नेता (प्रधानमंत्री) की सीट के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में नहीं आए। इस पत्र पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, सांसद वर्षा गायकवाड़, ज्योति मणि और कुछ अन्य महिला सांसदों के हस्ताक्षर हैं। कांग्रेस की महिला सांसदों ने पत्र में लिखा, 'हम यह पत्र गहरे दुःख और संवैधानिक दायित्व की भावना के साथ लिख रहे हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपको, लोकसभा के माननीय अध्यक्ष और इस सदन के संवैधानिक संरक्षक के रूप में सत्तारूढ़ दल द्वारा विपक्ष की महिला सांसदों विशेषकर कांग्रेस की सांसदों के विरुद्ध झूठे, निराधार और मानहानिकारक आरोप लगाने के लिए मजबूर किया गया।' महिला सांसदों ने कहा, 'हमें केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि हमने लगातार प्रधानमंत्री मोदी की जनविरोधी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है और उनसे जवाबदेही की मांग की है।

'हथियार डाल दो, विकास की मुख्यधारा में शामिल हो जाओ'

> बस्तर में माओवादियों से अमित शाह की अपील

रायपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को माओवादियों से हथियार डालने और विकास की मुख्यधारा में शामिल होने की अपनी अपील दोहराई। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि आदिवासी गांवों की सुरक्षा और भविष्य सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर पंडुम उत्सव के समापन समारोह के दौरान गृह मंत्री शाह ने आदिवासियों की एक सभा को संबोधित किया।

उन्होंने हथियार रखने वालों से सरेंडर करने की अपील की और उन्हें राज्य के आकर्षक पैकेज के तहत सम्मानजनक पुनर्वास का आश्वासन दिया, जिससे पहले ही 2,500 से ज्यादा लोग हिंसा छोड़ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाते हैं, गांवों पर हमला करते हैं, या स्कूलों को नष्ट करते हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंसा का कड़ा विरोध किया जाएगा और माओवाद ने सिर्फ़ विनाश ही किया है। बस्तर में हुए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह क्षेत्र अब देश के सामने एक चमकते उदाहरण के रूप में उभर रहा है। दशकों से बंद स्कूल फिर से खुल गए हैं। उन्होंने वादा किया कि पांच साल के भीतर, बस्तर छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित डिवीजन बन जाएगा। गृह मंत्री शाह ने बस्तर के आदिवासी लोगों की एक बड़ी सभा को बताया कि 27 दिसंबर तक हर गांव में बिजली, मोबाइल कनेक्टिविटी

और अस्पतालों, कॉलेजों, डाकघरों और अन्य ज़रूरी सुविधाओं तक पूरी पहुंच होगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार सभी आदिवासी किसानों का धान खरीदेगी और मुफ्त चावल, गैस सिलेंडर और पाइप से पानी देगी, जबकि नक्सलवाद खत्म होने के बाद एडवेंचर टूरिज्म, होमस्टे, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसे नए अवसरों को बढ़ावा देगी। इस दौरान गृह मंत्री शाह ने कई बड़ी विकास परियोजनाओं की घोषणा की: एक नया 118 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र, इंद्रावती नदी पर एक सिंचाई और 120-मेगावाट बिजली परियोजना, पहले से चल रही 3,500 करोड़ रुपये की रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन, नदी जोड़ने की पहल और 90 हजार युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण।

उन्होंने कर्फ्यू जैसे माहौल से लेकर रात में मुस्कुराते चेहरों और जीवंत सांस्कृतिक नृत्यों से भरे माहौल में आए बड़े बदलाव पर ध्यान दिया, जो बस्तर के सामाजिक ताने-बाने में एक गहरे बदलाव का संकेत है।

राहुल बोले-स्पीकर ने कमिट किया, क्या आप बोलने देंगे

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। बजट सत्र के 9 वें दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल पाई। विपक्ष सदन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि 1 घंटा पहले स्पीकर के पास हम गए, स्पीकर ने हमें कमिट किया कि मुझे बजट डिस्कशन से पहले बोलने दिए जाएगा, आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप मुझे बोलने देंगी या नहीं।

3 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो आसंदी (स्पीकर की चेयर) पर संध्या राय (भाजपा सांसद) बैठी थीं। राहुल की बात के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं भी स्पीकर के केबिन में मौजूद था। ऐसा कोई कमिटनमेंट नहीं किया गया। संध्या ने राहुल से कहा कि आपकी तरफ से किसी और मुद्दे के लिए कोई नोटिस नहीं आया है, बजट पर चर्चा करनी हो तो बताएं।

कोर्ट रूम में जज के सामने वकील की पिटाई !

सीजेआई सूर्यकांत बोले- 'गुंडा राज नहीं चलेगा'

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की बेंच में सोमवार सुबह एक वकील यह शिकायत लेकर पहुंचा कि उसे दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में कोर्ट रूम के अंदर जज के सामने पीटा गया है। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि 'गुंडा राज स्वीकार्य' नहीं है। उन्होंने पहले पीड़ित वकील को दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के पास जाने को कहा और शिकायत की एक कॉपी उन्हें भी देने के निर्देश दिए। वकील का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने से दिल्ली पुलिस भी डर रही है।

जज के सामने वकील की पिटाई का मामला : सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन वी अंजारिया की बेंच के सामने उस वकील ने पिछले शनिवार (7 फरवरी, 2026) की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वह तीस हजारी कोर्ट में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज हरजीत सिंह पाल की अदालत में एक आरोपी की ओर से पेश हो रहे थे। तभी शिकायतकर्ता के वकील कई गुंडों के साथ कोर्ट रूम में घुसे और जज के सामने ही उन्हें और अन्य आरोपियों को पीट दिया।

कोर्ट रूम का दरवाजा बंद करके गुंडों ने पीटा : पीड़ित वकील ने देश की सर्वोच्च अदालत में बताया कि हमलावरों ने कोर्ट रूम का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया था और जज की मौजूदगी में इस हिंसा को अंजाम दिया। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने उस वकील से पूछा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने लिखित शिकायत के बजाए, उनके पास जुबानी शिकायत लेकर क्यों आए हैं। उन्होंने कहा, 'क्या आपने इसे दिल्ली हाई कोर्ट के माननीय चीफ जस्टिस के संज्ञान में लाया है? दिल्ली जुडिशरी के हेड के सामने यह मामला दर्ज क्यों नहीं किया?'

इसरो ने चंद्रयान-4 के लिए लैंडिंग साइट तलाशी

चंद्रमा के साउथ पोल पर मॉन्स माउटन पहाड़ पर उतरेगा

मिट्टी और चट्टान के टुकड़े लाए जाएंगे

बेंगलुरु, 9 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने 14 जुलाई, 2023 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-3 लॉन्च किया था। यह 23 अगस्त 2023 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था।

इसरो ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए चंद्रमा के साउथ पोल के पास एक लैंडिंग साइट तलाश ली है। चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिली तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिकों ने मॉन्स माउटन (एमएम-4) क्षेत्र को लैंडिंग के लिए सबसे सही बताया है।

मॉन्स माउटन, चंद्रमा के साउथ पोल के पास स्थित करीब 6,000 मीटर ऊंचा पहाड़ है। इसकी चोटी काफी हद तक सपाट है, जो लैंडिंग के लिए अनुकूल है। हालांकि, लैंडिंग साइट को लेकर अंतिम फैसला लॉन्च के करीब लिया जाएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह इलाका इसलिए भी अहम है, क्योंकि यहां लंबे समय तक सूर्य की रोशनी मिलती है। इसके अलावा इस क्षेत्र में वॉटर आइस मौजूद होने की संभावना भी जताई जाती है।

मॉन्स माउटन, चंद्रमा के साउथ पोल पर है। इसे सामान्य रूप से लीबनिट्ज बीटा के नाम से जाना जाता था। बाद में नासा की गणितज्ञ और कंप्यूटर प्रोग्रामर मेल्बा रॉय माउटन पर मॉन्स माउटन नाम रखा गया।

मॉन्स माउटन, चंद्रमा के साउथ पोल पर है। इसे सामान्य रूप से लीबनिट्ज बीटा के नाम से जाना जाता था। बाद में नासा की गणितज्ञ और कंप्यूटर प्रोग्रामर मेल्बा रॉय माउटन पर मॉन्स माउटन नाम रखा गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वैज्ञानिकों ने इस स्टडी को लूनर एंड प्लैनेटरी साइंस कॉन्फ्रेंस (एलपीएससी 2026) में पेश किया गया।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

> जांच में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई प्रमुख स्कूलों को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया, जिसके बाद संबंधित स्कूल परिसरों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया।

हालांकि, अब तक की जांच में कहीं से भी कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, जिन स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले हैं, उनमें पूर्वी दिल्ली का एलकॉन स्कूल, रोहिणी का बाल भारती स्कूल, वैंकटेश्वर स्कूल, सीएम स्कूल, अशोक विहार का माता जय कौर स्कूल और जसपाल कौर स्कूल समेत कई अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान शामिल हैं। इसके अलावा, दिल्ली कैंट स्थित लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल, श्रीनिवासपुरी स्थित कैम्ब्रिज स्कूल, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी (एनएफसी) स्थित कैम्ब्रिज स्कूल, सादिक नगर स्थित द इंडियन स्कूल, आईएनए स्थित डीटीए स्कूल, लोधी रोड स्थित एयर फोर्स स्कूल समेत कई अन्य स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल प्रबंधन को यह धमकी भरा ईमेल सुबह के समय मिला। एहतियात के तौर पर कई स्कूलों में बच्चों को बाहर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, जबकि कुछ स्थानों पर अभिभावकों को तुरंत बच्चों को वापस ले जाने के लिए कहा गया।

सूचना पाकर दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली। जानकारी के अनुसार, अब तक किसी भी स्कूल से कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। गौरतलब है कि इससे पहले भी दिल्ली के कई स्कूलों को इस तरह के धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं, जो बाद में अफवाह साबित हुए थे।

बीते कुछ महीनों से दिल्ली के स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी दफ्तरों को पहले भी इस तरह के फर्जी मेल और कॉल मिलते रहे हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि धमकी भरे ईमेल का स्रोत क्या था। साइबर यूनिट की टीमें तकनीकी जांच के जरिए आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क रहें।

गुजरात पुलिस ने शराब तस्करी रैकेट का किया भंडाफोड़

ट्रक में हेलमेट के नीचे छिपी 10 हजार बोतलें जब्त

अहमदाबाद, 9 फरवरी (एजेंसियां)। अहमदाबाद पुलिस ने शहर के नारोल इलाके में एक ऑपरेशन के दौरान हेलमेट के नीचे छिपाई गई विदेशी शराब की एक बड़ी खेप जब्त की और एक ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूचना के आधार पर, पीसीबी टीम ने एसपी रिंग रोड पर, असलाली सर्कल के पास, साईंनाथ पार्किंग के पास निगरानी रखी और रविवार देर रात एक ट्रक को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान, अधिकारियों को गाड़ी के ऊपरी हिस्से में लोड किए गए 1,053 हेलमेट के नीचे बड़ी मात्रा में विदेशी शराब मिली। अधिकारियों ने बताया कि यह छिपाने का तरीका जानबूझकर रूटीन चेकिंग के दौरान पकड़े जाने से बचने के लिए बनाया गया था। जांच करने पर, पुलिस ने 10,749 बोतल विदेशी शराब बरामद की, जिसकी कीमत लगभग 63,86,608 रुपए है।

सीएम मोहन यादव को काले झंडे दिखा रहे कांग्रेसी को कलेक्टर ने मारी लाठी

शहडोल, 9 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम मोहन यादव एक दिवसीय दौरे पर शहडोल गए थे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता उनके काफिले के सामने काले झंडे लेकर आ गए। सीएम के काफिले के सामने ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान प्रशासन के हाथ पांव फूल गए।

जवान सड़कों पर उतरकर सीएम के कारकेड को वहां से निकालने लगे। वहीं, कलेक्टर को खुद ही मोर्चा संभालना पड़ा है। कॉन्स्टेबल से लाठी लेकर उन्होंने खुद ही एक कांग्रेस कार्यकर्ता को लाठी मारी है।

खबरें जरा हटके

सहारा रेगिस्तान के बीच 'खूनी' झीलें और नीले पानी का जादू

2 लाख साल पुराना रहस्य देख वैज्ञानिक भी रह गए दंग!

दुनिया के सबसे बड़े और गर्म रेगिस्तानों में शुमार सहारा रेगिस्तान अपने भीतर कई ऐसे रहस्य समेटे हुए है, जिन्हें देख पाना हर किसी के बस की बात नहीं है. लीबिया के दक्षिण-पश्चिमी फेजान क्षेत्र में स्थित 'उबारी सैंड सी' एक ऐसा ही इलाका है, जहां रेत के आसमान छूते टीलों के बीच नीले और कभी-कभी गहरे लाल रंग की झीलें दिखाई देती हैं. ऐसा लगता है मानो वो झीलें खून से भरी हों. यह नजारा किसी काल्पनिक फिल्म जैसा लगता है, लेकिन इसकी वास्तविकता करोड़ों साल पुराने इतिहास और जलवायु परिवर्तन की दर्दनाक कहानी से जुड़ी है.

बता दें कि करीब 2,00,000 साल पहले, यह पूरा इलाका आज जैसा सूखा और बंजर नहीं था. उस समय यहां मूसलाधार बारिश होती थी और नदियां बहती थीं. इन नदियों ने मिलकर 'मेगाफेजान' नाम की एक विशाल झील का निर्माण किया था, जिसका आकार चेक गणराज्य के बराबर यानी लगभग 1,20,000 वर्ग किलोमीटर था. समय के साथ जलवायु बदली और करीब 3,000 से 5,000 साल पहले यह विशाल जल का भंडार भाप बनकर उड़ गया. आज उसी विशाल सागर के अवशेषों के रूप में यहां 20 छोटी झीलें बची हैं, जो ऊंचे टीलों के बीच पानी के धब्बों की तरह चमकती हैं. इन झीलों में सबसे प्रसिद्ध 'उम्म अल-मा' और 'गैबरून' हैं. गैबरून झील पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है, जहां पुराने गांव के खंडहरों के पास रुकने और खरीदारी की व्यवस्था भी है.

दुनिया का अनोखा गांव, जहां बिजली-पानी का नहीं है नामोनिशान

मोबाइल चार्ज करने के लिए भी मची रहती है होड़!

कभी सोचा है कि आधुनिकता की चकाचौंध और तकनीक के शोर-शराबे से दूर क्या कोई ऐसी जगह हो सकती है, जहां मोबाइल चार्ज करना भी एक संघर्ष हो? अगर नहीं जानते तो बता दें कि उरुग्वे के पूर्वी तट पर बसा एक छोटा सा गांव काबो पोलोनियो इसी सादगी और संघर्ष की जीती-जागती मिसाल है. अटलांटिक महासागर के किनारे रेत की एक पतली पट्टी पर बसे इस गांव में न तो बिजली की लाइनें हैं, न ही नलों में बहता पानी और न ही सड़कों का कोई नामोनिशान. यहां की शांति इतनी गहरी है कि यहां रहने वाले लोग रात को केवल मोमबत्तियों की रोशनी और चांद के उजाले के भरोसे अपनी जिंदगी बिताते हैं. काबो पोलोनियो मुख्य राजमार्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर है, लेकिन यहां पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं है.

पर्यटकों को यहां जाने के लिए या तो रेत के विशाल टीलों पर पैदल चलना पड़ता है या फिर विशेष 4×4 वाहनों का सहारा लेना पड़ता है. पूरे गांव में केवल एक भव्य लाइटहाउस ही ऐसी संरचना है, जो बिजली ग्रिड से जुड़ी हुई है, बाकी पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है. ऐसे में मोबाइल चार्ज के लिए भी भीड़ लगी रहती है. यहां रहने वाले कुछ सौ लोग पीने के पानी के लिए कुओं या बारिश पर निर्भर हैं. कुछ व्यवसायों ने सौर पैनल या पवन चक्कियों का इंतजाम जरूर किया है, लेकिन वे भी बहुत सीमित हैं. इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यहां की प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीव हैं. यहां दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी सी-लॉयन कॉलोनियों में से एक है. लाइटहाउस की चोटी से इन्हें पत्थरों पर आराम करते हुए आसानी से देखा जा सकता है.

छत पर गमले में 55 सालों से है बरगद का पेड़, ऊंचाई जान रह जाएंगे हैरान

देखभाल का है सारा कमाल

जिले के जाने-माने गार्डनिंग विशेषज्ञ संजय कुमार 'संजू' ने वह कर के दिखाया है, जिसे लोग अक्सर असंभव मानते हैं. आमतौर पर बरगद का पेड़ लोग जमीन पर लगे देखते है लेकिन उन्होंने अपने घर की छत पर पिछले 55 वर्षों से सिर्फ 2 फीट के कद में, गमले में सुरक्षित और हरा-भरा बरगद का पेड़ लगाए हुए है. खास बात यह है कि इस अनोखे बरगद का हर साल बाकायदा जन्मदिन भी मनाया जाता है.

बचपन से पेड़-पौधे का शौक

संजय कुमार संजू बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही पेड़-पौधों का गहरा शौक रहा है. उस दौर में आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, लेकिन प्रकृति से लगाव ने रास्ता दिखाया. उन्होंने बताया कि बचपन में अक्सर बड़े बरगद के पेड़ों के नीचे बैठते थे. चिड़ियों की बीट गिरने से घर तक बीज आ जाते थे. एक दिन ऐसा ही एक पौधा उन्हें बेहद सुंदर लगा। तब उन्होंने एक छोटे टीन के बर्तन में छेद कर, उसमें मिट्टी डालकर बरगद के छोटे से पौधे को लगा दिया। यही पौधा आगे चलकर उनकी पहचान बन गया.

गमले में ऐसे लगाया बरगद

धीरे-धीरे उन्हें जानकारी मिली कि बरगद का बोनसाई तैयार किया जा सकता है, जो देखने में बेहद आकर्षक लगता है. इसके बाद उन्होंने इस पौधे की नियमित देखभाल शुरू की. समय-समय पर खाद, पानी और खास तकनीक से इसकी कटाई-छंटाई की. संजय कुमार बताते हैं कि हर 6 से 8 महीने में पौधे को गमले से बाहर निकालकर जड़ों की छंटाई (रूट ट्रीटमेंट) की जाती है. साथ ही ऊपर के तने और शाखाओं की टिप्स काटी जाती हैं, जिससे पौधा और घना व सुंदर हो जाता है. उन्होंने बताया कि इस पौधे की खूबसूरती इतनी बढ़ गई कि हाल ही में तिरहुत प्रमंडल स्तरीय गार्डनिंग प्रदर्शनी में भी इसे प्रदर्शित किया गया. जिसमें इस पौधा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था. संजय कुमार का कहना है कि लोगों के बीच इस पौधा को लेकर आम धारणा है कि बरगद को गमले में नहीं उगाया जा सकता.

लेकिन मैंने इसको साबित कर कर दिया कि बरगद के पेड़ को भी गमला में आसानी से लंबे समय तक रखा जा सकता है.

पंजाब में लॉ छात्रा की हत्या कर सुसाइड किया

तरनतारन में छात्र ने क्लासरूम में घुसकर सिर में गोली मारी; खुद को भी शूट किया

तरनतारन, 9 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन स्थित लॉ कॉलेज में आज (9 फरवरी को) छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मारकर वहीं पर सुसाइड कर लिया। कत्ल और सुसाइड की वारदात के बाद क्लासरूम में हड़कंप मच गया। मृतक छात्रा संदीप कौर (20) है, वह लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। वहीं आरोपी छात्रा तरनतारन का अभिराज सिंह है, वह भी छात्रा के साथ पढ़ता था। पुलिस ने पूरे लॉ कॉलेज को सील कर दिया है, पुलिस मर्डर के कारणों की जांच कर रही है। वहीं लड़की की मां ने आरोप लगाया कि कॉलेज से उन्हें कहा गया कि छोटा सा झगड़ा हुआ और उनकी बेटी को चोट लगी है। वह कॉलेज पहुंचे तो बेटी मरी पड़ी थी। पुलिस के मुताबिक अभी घटना के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। शुरुआती तौर पर इसे एकतरफा प्यार से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस को शक है कि युवक ने वेलेंटाइन वीक में 8 फरवरी को छात्रा को प्रपोज किया था लेकिन उसने इनकार कर दिया। जब छात्रा राजी नहीं हुई तो छात्र ने ये कदम उठाया।

तिरुवनंतपुरम के स्पा में 'क्रॉस-मसाजिंग' पर रोक

> भाजपा के मेयर ने बताया-संस्कृति के खिलाफ

तिरुवनंतपुरम, 9 फरवरी (एजेंसियां)। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के मेयर वीवी राजेश ने सोमवार को स्पा केंद्रों में क्रॉस-मसाजिंग के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह स्थानीय संस्कृति के खिलाफ है और राजधानी में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते प्रभावी हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो शहर की संस्कृति पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है, जैसा अन्य शहरों में देखा गया है।

तिरुवल्ला में हुई हालिया घटना के बाद उठाया गया यह कदम

मेयर की यह टिप्पणी भाजपा-नेतृत्व वाले नगर निगम द्वारा राजधानी में अवैध गतिविधियों में संलिप्त स्पा केंद्रों खासतौर पर क्रॉस-मसाजिंग के खिलाफ विशेष अभियान की घोषणा के एक दिन बाद आई। यह कदम पथानामथिट्टा जिले के तिरुवल्ला में हुई हालिया घटना के बाद उठाया गया, जहां एक गैंगस्टर ने कथित तौर पर पैसे देने से इनकार करने पर एक स्पा कर्मचारी से दुष्कर्म किया था।

तिरुवनंतपुरम में क्रॉस-मसाजिंग की अनुमति नहीं है

मेयर ने कहा कि तिरुवनंतपुरम में क्रॉस-मसाजिंग की अनुमति नहीं है। महिलाओं द्वारा पुरुषों और पुरुषों द्वारा महिलाओं की मसाज से अलग तरह की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अगर कोई गतिविधि कानूनन वैध है, तो हस्तक्षेप की जरूरत नहीं लेकिन अवैधता पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि एक उभरते बंदरगाह शहर के रूप में तिरुवनंतपुरम को कारोबार और अन्य गतिविधियों के लिए विविध लोगों का स्वागत करना होता है, लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता से अवैध प्रथाओं को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, उन्होंने वैध रूप से संचालित संस्थानों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

रविवार को मेयर ने यह भी कहा था कि निगम यह जांच करेगा कि क्या शहर में कुछ स्पा आपराधिक गिरोहों द्वारा संचालित तो नहीं हो रहे, जैसा राज्य के अन्य हिस्सों से रिपोर्ट किया गया है। उसी शाम निगम अधिकारियों ने एक स्पा पर छापा मारा, जहां नौकरी के साक्षात्कार के बहाने एक महिला के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप है। निगम ने संबंधित स्पा को बंद करने और मालिक को नोटिस जारी करने का निर्णय लिया है।

शरद और सुप्रिया की आतुरता के बीच सुनेत्रा ने साधी चुप्पी

अधर में लटका एनसीपी विलय का मामला

मुंबई, 9 फरवरी (एजेंसियां)। अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन के बाद एनसीसी के विलय का मामला फिलहाल अधर में लटक गया है। नई परिस्थितियों में शरद पवार परिवार में विलय के लिए जरूरत आतुरता दिख रही है, मगर अजित परिवार में डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार समेत अन्य सदस्यों ने चुप्पी साध ली है। पहले विलय पर सहमत दिख रही भाजपा नई परिस्थितियों में जल्दबाजी में नहीं है तो एनसीपी में परिवार के इतर बिग फोर मसलन प्रफुल्ल पटेल, धनंजन मुंडे, छगन भुजबल और सुनील तटकरे विलय के विरोध में हैं। गौरतलब है कि निधन से पहले अजित ने एनसीपी विलय का रोडमैप करीब-करीब तैयार कर लिया था। इस रोडमैप के मुताबिक एनसीपी (शरद) के मुखिया को राज्यसभा का एक और कार्यकाल दिया जाना था, जबकि सुप्रिया सुले को मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना था। संयुक्त पार्टी की कमान दिवंगत अजित पवार को संभालनी थी, जबकि शरद पार्टी में मुख्य सलाहकार की भूमिका में आने वाले थे।

क्या है सुनेत्रा पवार की योजना?

विलय के संदर्भ में बिग फोर में शामिल एक वरिष्ठ नेता ने सवाल किया कि इसकी जरूरत क्या है? इससे एनसीपी को क्या मिलने वाला है? उनका कहना था कि अजित के रहते परिस्थिति दूसरी थी। उन्हें ही विलय के बाद संयुक्त पार्टी की कमान संभालनी थी। अब चूंकि अजित नहीं हैं, ऐसे में इस विलय का एनसीपी को कोई लाभ नहीं मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि बिना देरी किए डिप्टी सीएम का पद संभालने के बाद सुनेत्रा की योजना अब जल्द ही एनसीपी के संगठन की कमान भी हासिल करने की है। भले ही सुप्रिया सुले केंद्रीय मंत्री बन जाती, मगर शरद के सलाहकार की भूमिका में आने से संगठन की कमान दिवंगत अजीत के पास होती। अब नई परिस्थिति में भले ही दिवंगत अजीत की पत्नी सुनेत्रा डिप्टी सीएम बन गई हैं, मगर संगठन का झुकाव शरद और सुप्रिया की ओर हो जाने का खतरा था। फिर अजीते के न रहने से विलय के बाद सबसे अधिक समस्या बिग फोर के लिए होती। इनके लिए नई परिस्थितियों से तालमेल बैठाना आसान नहीं होता।

इंतजार करेगी भाजपा

नई परिस्थिति में भाजपा विलय के मामले में इंतजार करना चाहती है। दरअसल केंद्र में नायडू-नीतीश ने अब तक मोदी सरकार के लिए कोई अड़चन पैदा नहीं की है। यह ठीक है कि विलय के बाद केंद्र में समर्थन के लिए भाजपा को अतिरिक्त 8 सांसद मिल जाएंगे, मगर आशंका इस बात की भी है कि संगठन की कमान अगर शरद परिवार के पास गई तो उसके साथ तालमेल बैठाना मुश्किल हो सकता है।

टिकट तो राहुल गांधी का भी फाइनल नहीं

सिफारिशों को लेकर हरक सिंह रावत का दिया बयान वायरल

देहरादून, 9 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि आगामी विस चुनाव में टिकट उसी को मिलेगा जो जीत सकता है। इसके विपरीत पार्टी के कुछ लोग अभी से राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का नाम लेकर कह रहे कि हमारा टिकट फाइनल हो गया है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि टिकट तो राहुल गांधी का भी फाइनल नहीं है। टिकट को लेकर हरक सिंह रावत का उक्त बयान सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम में डॉ. रावत ने कहा कि हर कोई बोल रहा हमारा टिकट फाइनल है। कैसे फाइनल हो गया, यह पता नहीं। अरे टिकट तो राहुल गांधी का भी फाइनल नहीं है। पार्टी की ओर से मुझे प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

जिस सीट से कोई चुनाव नहीं लड़ेगा, मैं वहां से लड़ूंगा

मेरे पास टिकट के लिए सिफारिश आ रही है पर स्पष्ट है कि जीतने का दम रखने वाले नेताओं को ही टिकट दिया जाएगा। भले ही कोई हरक सिंह, गोदियाल या प्रीतम का करीबी क्यों न हो। हरक सिंह ने कहा, मैं तो पार्टी का सिपाही हूं जिस सीट से कोई चुनाव नहीं लड़ेगा, वहां से मैं लड़ूंगा।

नकली राशन कार्ड गैंग का भंडाफोड़

350 फर्जी कार्ड के साथ एक गिरफ्तार

मुंबई, 9 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दिंडोशी पुलिस ने नकली राशन कार्ड बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 350 नकली राशन कार्ड समेत बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुजल दयाल (21) के रूप में हुई है, जो विरार इलाके में रहता है। दिंडोशी पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी फर्जी दस्तावेज तैयार कर लोगों को उपलब्ध करा रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने उसके घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस ने 350 नकली राशन कार्ड बरामद किए, जो देखने में बिल्कुल असली जैसे थे। इनका इस्तेमाल पहचान पत्र और विभिन्न सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने के लिए किया जा सकता था। इसके अलावा पुलिस ने मौके से प्रिंटर, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए हैं। दिंडोशी पुलिस के मुताबिक, जब्त किए गए राशन कार्डों पर वसई, विरार, मीरा-भायंदर, नालासोपारा, दहिसर, बोरीवली, मलाड और कांदिवली जैसे इलाकों के पते दर्ज हैं। इससे अंदेशा है कि यह नेटवर्क काफी बड़े स्तर पर काम कर रहा था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसके पिता पहले नकली राशन कार्ड बनाने का काम करते थे।

पिता की मृत्यु के बाद उसने इस धंधे को संभाल लिया और धीरे-धीरे इसका दायरा बढ़ाता गया। पुलिस को शक है कि बड़ी संख्या में विदेशी घुसपैठियों, विशेष रूप से अवैध रूप से रह रहे लोगों ने पहचान स्थापित करने के लिए आरोपी से फर्जी राशन कार्ड बनवाए हैं।

मेघालय कोयला खदान हादसा

सीएम संगमा ने न्यायिक जांच आयोग गठन की घोषणा की, 27 लोगों की गई थी जान

शिलांग, 9 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में अवैध कोयला खदान में गुरुवार को हुए विस्फोट मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस विस्फोट में 27 लोगों की जान चली गई। ऐसे में अब मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने सोमवार को पूर्व जैंतिया हिल्स जिले में अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग बनाने की घोषणा की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में मुख्यमंत्री संगमा ने लिखा कि सरकार ने कमीशन ऑफ इनक्वायरी एक्ट के तहत यह आयोग गठित करने का फैसला किया है, ताकि इस दुखद खनन हादसे की पूरी जांच की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच में यह पता लगाया जाएगा कि विस्फोट कैसे हुआ, किन सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया गया और कौन जिम्मेदार हैं। साथ ही मृतकों के परिजनों के लिए उचित मुआवजा और राहत उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने की थी अनुग्रह राशि की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों के लिए दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। पीएम मोदी ने कहा था कि मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स में हुई दुर्घटना से व्यथित हूं। अपनो को खोने वालों के प्रति गहरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएम मोदी ने घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

दिसंबर 2025 में भी हुआ था ऐसा ही विस्फोट

गौरतलब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब जिले में अवैध कोयला खनन को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इसी थांग्स्को इलाके में पिछले साल 23 दिसंबर को भी ऐसा ही डायनामाइट विस्फोट हुआ था।

उस विस्फोट में दो खनिकों की मौत हो गई थी। तब पुलिस शुरू में विस्फोट की खबरों को बेबुनियाद बताया था। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद मेघालय हाईकोर्ट ने राज्य में अवध कोयला खनन और उसके परिवहन की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय समिति (सेवानिवृत्त जज बीपी काटेकी समिति) ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी। मेघायल के मानवाधिकार आयोग ने भी मामले का संज्ञान लिया था और राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की थी।

विचार
हार और जीत हमारी सोच पर निर्भर है, मान लिया तो हार और ठान लिया तो जीत

डिजिटल फसल सर्वे की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का निर्देश : सीएस

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्णाराव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य में डिजिटल फसल सर्वे (डीसीएस) प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। सोमवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि विभाग के सलाहकार एवं रिटायर्ड आईएएस राजीव चावला, अग्रिस्टैक के चीफ नॉलेज ऑफिसर ने की।

बैठक में राजस्व सचिव लोकेश कुमार, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, स्टाम्प्स और रजिस्ट्री विशेष सचिव राजीव गांधी हनमंतू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को मार्च 15, 2026 तक डीसीएस प्रक्रिया पूरी करने का कड़ा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टरों और एनआईसी अधिकारियों के सहयोग से सर्वे को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के 10,877 ग्राम पंचायतों में डीसीएस सर्वे शुरू किया गया है। सीएसएस ने कहा कि यह डिजिटल फसल सर्वे केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लागू विभिन्न योजनाओं में सहायक होगा और इसके साथ ही यह राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) गणना में भी उपयोगी साबित होगा।

केंद्रीय सरकार के सलाहकार राजीव चावला ने बताया कि देश के यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा जैसे अन्य राज्यों में डिजिटल फसल सर्वे की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और इसी प्रकार तेलंगाना में भी इसे जल्द पूरा करने की आवश्यकता है। बैठक में कृषि विभाग संचालक गोपी, राजस्व सचिव लोकेश कुमार, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, राजीव गांधी हनमंतू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीएस कृष्ण राव मार्च में होंगे सेवानिवृत्त

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव 1991 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। वे 31 मार्च को सेवानिवृत्त होंगे। यह उनके सात महीने के सेवा विस्तार के बाद होगा, जो केंद्र सरकार द्वारा मंजूर किया गया था। उनकी सेवानिवृत्ति राज्य के प्रशासनिक और विकासात्मक सफर के कई अहम चरणों के साथ उनके कार्यकाल का समापन करेगी। राव ने 30 अप्रैल, 2025 को मुख्य सचिव का पदभार संभाला, और उनके पास सार्वजनिक वित्त और प्रशासन में लंबे अनुभव का खजाना है। वित्तीय प्रबंधन विशेषज्ञ के रूप में माने जाने वाले राव ने पहले वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया और 14 राज्य बजट तैयार करने में अहम भूमिका निभाई, जिसमें दो वोट-ऑन-अकाउंट बजट भी शामिल हैं। इस उपलब्धि ने उन्हें एक स्थिर और तकनीकी रूप से दक्ष प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित किया। आईआईटी कानपुर और आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र राव ने निवेश में एमबीए भी किया है, जो उनके इंजीनियरिंग और वित्तीय प्रबंधन के मजबूत ज्ञान को दर्शाता है। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया, जिनमें गुड गवर्नेंस सेंटर (सीजीजी) के महा निदेशक और आदिलाबाद एवं गुंटूर में कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट शामिल हैं। डेटा-संचालित और तकनीक-सक्षम शासन पद्धति के लिए जाने जाने वाले राव ने राज्य में वित्तीय सुधार और संस्थागत प्रक्रियाओं को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाई।

साइबर अपराध मामले में खम्मम से पिता-पुत्र गिरफ्तार

खम्मम, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तमिलनाडु पुलिस ने राज्य में हुए एक साइबर अपराध मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में खम्मम जिले से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार रघुनाधपलेम मंडल के वी. वेंकटयापलेम गांव निवासी तगाराम श्रीनु और उनके बेटे सिद्धार्थ पर तिरुनेलवेली जिले में हुए साइबर अपराध में अहम भूमिका निभाने का आरोप है। जांच में सामने आया कि खम्मम के एक बैंक में दोनों के संयुक्त खाते में लगभग 15 लाख रुपये जमा किए गए थे। इसके आधार पर तमिलनाडु पुलिस ने रघुनाधपलेम पुलिस के सहयोग से गांव में छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को खम्मम में एक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जिसके बाद उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए तमिलनाडु भेज दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

बीजेपी ने साधा कांग्रेस-बीआरएस-एमआईएम पर निशाना

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सोमवार को जनता से आग्रह किया कि उन्हें 'अच्छे शासन' का अवसर दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम पार्टियां मौन राजनीतिक समझ के तहत मिलकर काम कर रही हैं। निर्मल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि एमआईएम कांग्रेस और बीआरएस के बीच राजनीतिक लाभ के लिए मध्यस्थ का काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां आम जनता की समस्याओं या विकास की ओर ध्यान देने के बजाय केवल वोट-बैंक राजनीति पर केंद्रित हैं। राव ने कांग्रेस और एमआईएम पर समाज में विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया और कांग्रेस तथा पूर्व बीआरएस सरकार को तेलंगाना को वित्तीय रूप से मजबूत राज्य से कर्ज़ में डूबा देने का दोषी ठहराया। इसके अलावा, उन्होंने छात्रों को फीस प्रतिपूर्ति न मिलने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लाभ न मिलने, सरकारी कर्मचारियों को वेतन में देरी, किसानों को रैतू सहायता से वंचित रहने, और ओस्मानिया जैसी विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों की कमी जैसी समस्याओं का भी जिक्र किया। राव ने दावा किया कि विकास के लिए बीजेपी ही एकमात्र सक्षम विकल्प है और उन्होंने जनता से भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और समग्र शहरी विकास सुनिश्चित करने के लिए पार्टी को समर्थन देने की अपील की। राव ने कहा कि जनता पहले ही बीआरएस और कांग्रेस को अवसर दे चुकी है और दोनों पार्टियों ने तेलंगाना को लूटा और जनता को धोखा दिया।

मुख्यमंत्री ने केंद्र पर तेलंगाना के साथ भेदभाव का आरोप लगाया

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि 2013 से तेलंगाना राज्य के प्रस्तावित परियोजनाओं और केंद्रीय निधियों के आवंटन में भेदभाव किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बीआरएस नेतृत्व पर भी हमला करते हुए कहा कि वे 'कोकीन और गांजा के नशेड़ी' की तरह आचरण कर रहे हैं और राज्य सरकार के खिलाफ झूठी अफवाहें फैला रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किसी भी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में राज्य दौरे में भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी से उम्मीद थी कि वे पालमुरू रंगारेड्डी जिले को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देंगे, लेकिन उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडनवीस ने भी आदिलाबाद में प्राणहिता-चेवेला परियोजना के संबंध में कोई सकारात्मक घोषणा नहीं की, जो आदिलाबाद जिले को दो लाख एकड़ सिंचाई और पीने के पानी की सुविधा देती है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों बंड़ी संजय और जी. किशन रेड्डी को तेलंगाना की स्वाभिमान को गिराने का दोषी ठहराया।

उन्होंने कहा कि बाढ़ के समय बंड़ी संजय ने क्षतिग्रस्त वाहनों के लिए मुआवजे का वादा किया था, लेकिन चुनाव के बाद भाजपा ने लोगों को धोखा दिया। रेवंत रेड्डी ने बताया कि केंद्र को दी गई हर एक रुपये की राशि में से केवल 42 पैसे तेलंगाना को वापस मिलते हैं। वहीं, कर्नाटक को 16 पैसे, तमिलनाडु को 26 पैसे और केरल को 49 पैसे मिले। बिहार को 6 रुपये 6 पैसे, मध्य प्रदेश को 2 रुपये 9 पैसे और उत्तर प्रदेश को 2 रुपये 90 पैसे प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने तेलंगाना के लिए कोई राष्ट्रीय परियोजना नहीं दी और न ही मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के लिए, न मेट्रो रेल फेज़-2 परियोजना के लिए सकारात्मक कदम उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस के बीच गुप्त संबंध हैं, और यही कारण है कि किशन रेड्डी केआरसी, केटीआर और हरीश राव की फोन टैपिंग, कालेश्वरम और फॉर्मूला ई रेस मामलों में गिरफ्तारी रोक रहे हैं। उन्होंने कहा कि तीन-तरफा मुकाबला चल रहा है और जनता को पिछली गलत अनुभवों और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपने मत का निर्णय देना चाहिए।

होमगार्ड परिवार को 34 लाख रुपये का बीमा मुआवजा मिला

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ड्यूटी के दौरान हुए हादसे में निधन होने वाले होमगार्ड परिवार के लिए पुलिस विभाग और एक्सिस बैंक ने संयुक्त रूप से बीमा मुआवजा प्रदान किया। राचकोंडा कमिश्नरेट क्षेत्र में होमगार्ड के रूप में सेवाएँ देने वाले एम. वेंकटेश पिछले साल 27 अप्रैल को हुए दुर्घटना में अपनी जान गंवा बैठे। होमगार्ड विभाग और एक्सिस बैंक के बीच हुए समझौते के अनुसार, वेतन खाते वाले कर्मचारियों को लागू होने वाले दुर्घटना बीमा के तहत 34 लाख रुपये का मुआवजा मंजूर किया गया। सोमवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त डीजीपी (होमगार्ड्स) स्वाति लकरा ने यह चेक मृतक की पत्नी, कोडिगंटी स्वाती को सौंपा। इस अवसर पर स्वाति लकरा ने मृत होमगार्ड के परिवार के प्रति पुलिस विभाग की गहरी संवेदनाएं व्यक्त की और संकट के समय तुरंत आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए एक्सिस बैंक प्रबंधन की प्रशंसा की। कार्यक्रम में एक्सिस बैंक के वाइस प्रेसिडेंट रविंदर रेड्डी, बैंक प्रतिनिधि, होंगार्ड रीजन कमांडर वेंकटेश्वर, एओ साई कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदू धार्मिक नेताओं ने राष्ट्रीय सनातन बोर्ड बनाने की मांग की

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कई हिंदू आध्यात्मिक नेता और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय स्तर पर सनातन बोर्ड के गठन और मंदिरों की संपत्तियों को अतिक्रमण से बचाने के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता जताई है।

सोमवार को हैदराबाद में आयोजित एक बैठक में, तेलंगाना साधु परिषद के राज्य अध्यक्ष शंकर स्वामी, उपाध्यक्ष विश्वात्मानंद, रघोत्तमाचार्य, सनातन धर्म सेवा समिति के मानद अध्यक्ष डॉ. कोप्पुला राजशेखर रेड्डी, शिवा स्वामीजी और अन्य नेताओं ने राज्य अधिकारियों से मंदिर भूमि पर अतिक्रमण रोकने के लिए विशेष कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने मंदिर परिसर के आसपास गैर-हिंदू धार्मिक संरचनाओं और गतिविधियों को हटाने की भी मांग की।

नेताओं ने आंध्र प्रदेश सरकार की श्रीशैलम तीर्थ क्षेत्र के पथला गंगा में कथित अवैध संरचना के खिलाफ की गई कार्रवाई का स्वागत किया और इसे हिंदू संगठनों द्वारा दिए गए 'चलो श्रीशैलम' आह्वान का परिणाम बताया। उन्होंने 14 फरवरी को निर्धारित विरोध कार्यक्रम को स्थगित करने की घोषणा की। वक्ताओं ने मंदिरों के पास कथित अतिक्रमित भूमि को पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया और मंदिर प्रशासन में सुधार की भी मांग की, जिसमें मंदिर से संबंधित कार्यों में गैर-हिंदू कर्मचारियों और व्यवसायों को हटाना शामिल है।

उन्होंने हिंदू मंदिरों पर हमलों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। तिरुपति लड्डू मामले पर बोलते हुए नेताओं ने कहा कि विशेष जांच टीम (एसआईटी) की जांच में सामने आया कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में प्रसाद के रूप में वितरित लड्डू में गाय का घी नहीं था बल्कि केवल रासायनिक पदार्थ शामिल थे, जो बेहद खेदजनक है। उन्होंने प्रसाद की सामग्री से जुड़े दावों पर चिंता व्यक्त की और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से इस मामले की सच्चाई सार्वजनिक रूप से उजागर करने का अनुरोध किया।

उन्होंने यदि दोष साबित होता है तो पूर्व तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड सदस्यों और अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। नेताओं ने कहा कि पूरे हिंदू समाज को जागरूक होना चाहिए और एक कानून बनाया जाना चाहिए, जिसके तहत हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू श्रद्धालुओं को सनातन बोर्ड के नाम पर सौंपा जाए। बैठक में ए. नागेश्वर चारी, के. किरण, महेश, रवि किरण, साई किरण और अन्य प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

ध्यान भटकाकर ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वारिसगुड़ा पुलिस ने ध्यान भटकाकर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पांच ग्राम की एक सोने की अंगूठी बरामद की गई है। यह घटना बीते पांच फरवरी, को ललिता नगर, जामिया ओस्मानिया रेलवे स्टेशन के सामने हुई थी। इस मामले की शिकायत वेनिगल्ला रवि ने की थी। गिरफ्तार आरोपियों में भिक्षा मांगने वाले सुभाष नाथ निवासी, जलपल्ली, पहाड़ी शरीफ, हैदराबाद, करन नाथ, निवासी हिरेपुर, मध्य प्रदेश, सोहन नाथ निवासी, इंदिरा नगर कॉलोनी, मध्य प्रदेश शामिल है। जानकारी के अनुसार बीती 5 फरवरी को तीनों आरोपियों ने मिलकर शिकायतकर्ता से ठगी सोने की लेकर फरार हो गए। उन्होंने अंगूठी निगल ली और पास खड़े तीसरे आरोपी के ऑटो में शामिल होकर भाग गए। सूचना मिलते ही वारिसिगुड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर, सीसीटीवी निगरानी और सूत्रों की मदद से आरोपियों को पकड़ लिया और अंगूठी बरामद की। आरोपी मध्य प्रदेश के मूल निवासी हैं, जो हैदराबाद में रोजगार के लिए आए थे और जलपल्ली रोड, पहाड़ी शरीफ में झोपड़ियों में रह रहे थे। उन्होंने मिलकर वृद्ध व्यक्तियों को धोखा देकर पूजा-अर्चना के बहाने ठगी करने की योजना बनाई। 5 फरवरी को दो आरोपियों ने पीड़ित से पानी मांगने के बहाने संपर्क किया और अंगूठी ठगी की।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने की ट्रेन परिचालन सुरक्षा की समीक्षा

रेल परिसर में मादक पदार्थों के सेवन पर सख़्ती से रोक लगाने के निर्देश

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को ज़ोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा को लेकर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। यह बैठक रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित की गई। बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश तथा सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ समेत छहों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने ज़ोन भर में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संरचित एवं चरणबद्ध कार्ययोजना अपनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग्स की नियमित सुरक्षा जांच, सुरक्षा अभियानों के आयोजन, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद पटरियों के समीप पड़े निर्माण सामग्री को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रेनों एवं रेलवे परिसरों में धूम्रपान एवं मादक पदार्थों के सेवन पर सख़्ती से रोक लगाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा रेलवे सुरक्षा बल और ऑन-बोर्ड स्टाफ को यात्रियों की सुरक्षा एवं अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे परिसरों में किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए अग्नि सुरक्षा उपकरणों के रखरखाव एवं नियमित निरीक्षण की भी समीक्षा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्टेशनों, माल गोदामों तथा गैर-इंटरलॉक्ड समपार फाटकों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। महाप्रबंधक ने ज़ोन के विभिन्न क्षेत्रों में पशु कटाव (कैटल रन-ओवर) की घटनाओं को रोकने के लिए चल रहे ट्रैक फेंसिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित मंडलों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

केसीआर परिवार का झगड़ा राजनीति नहीं, संपत्ति को लेकर: विवेक

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार और खनिज भूविज्ञान मंत्री डॉ. गड्डम विवेक वेंकटस्वामी ने सोमवार को कहा कि केसीआर परिवार के भीतर वर्तमान स्थिति राजनीतिक संघर्ष नहीं है, बल्कि यह राज्य संसाधनों के शोषण से प्राप्त संपत्ति के वितरण को लेकर असहमति है। एक कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, 'मैं रोज सुबह की सैर के दौरान नागरिकों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझता हूँ और उन्हें तुरंत हल करने का प्रयास करता हूँ। बाल्का सुमन के विधायक रहने के दौरान उन्होंने कभी वार्डों का दौरा नहीं किया और न ही जनता की समस्याओं को समझने का कोई प्रयास किया।' उन्होंने बाल्का सुमन पर आरोप लगाया कि उन्होंने चेनूर विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा की, जबकि वह खुद को केसीआर का 'छोटा बेटा' बताते थे। उन्होंने अपना अधिकांश समय केसीआर के निवास पर बिताया। जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने के बजाय, अवैध भूमि लेनदेन और रेत माफिया को बढ़ावा देने में लगे रहे, और बड़ी संपत्ति जमा की। सड़क और नालियों जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार केवल वहां हुआ जहाँ रिश्वत ली गई।'

मंत्री ने अपने विधायक कार्यकाल के दौरान बुनियादी ढांचे के सुधार पर जोर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि चेनूर विधानसभा क्षेत्र में 3,500 इंदिरम्मा घर बनाए गए, और पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की कि उन्होंने गरीब परिवारों के लिए एक भी डबल बेडरूम घर नहीं दिया। केसीआर परिवार में चल रहे विवादों के संदर्भ में मंत्री ने कहा, यह कोई राजनीतिक संघर्ष नहीं है। यह कविता, हरीश राव और केटीआर के बीच संपत्ति वितरण को लेकर भाई-बहन का विवाद है। राज्य के संसाधनों के शोषण से अर्जित धन में उनकी हिस्सेदारी को लेकर असहमति है। महिलाओं के आरक्षण के नाम पर इस संपत्ति का दावा किया जा रहा है।' उन्होंने यह भी बताया कि भले ही वह विधायक के रूप में निर्वाचित नहीं हुए, अमरावड़ी गांव में 2.50 करोड़ की विकास परियोजनाएँ शुरू की गईं और विशाखा ट्रस्ट के माध्यम से विभिन्न सेवा-उन्मुख पहल की गईं। उन्होंने काका परिवार की लंबी सार्वजनिक सेवा की प्रतिबद्धता दोहराई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 17005161L, NK, Dhakar Singh, R/o, Dist: Churu, Rajasthan, changed my Mother's name from Kamala Devi to Kamla, vide Affidavit No. 284575 dt. 07.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 767804N, Sub, Amit Kumar Yadav, R/o, Dist: Prayagraj, Uttar Pradesh, changed my Son's name from Aakarshan Kumar Yadav to Ahan Kumar Yadav vide Affidavit No. 284577 dt. 07.02.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एमसीसी उल्लंघन के आरोप में बीआरएस ने राज्य चुनाव आयोग से की शिकायत

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आचार संहिता (एमसीसी) के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सोमवार को विकाराबाद स्थित तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

बीआरएस ने अपनी शिकायत में कहा कि नगर निगम चुनावों के दौरान आचार संहिता लागू रहने के बावजूद मुख्यमंत्री ने "प्रजा पालन-प्रगति बाटा" नामक आधिकारिक कार्यक्रम का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया। इस कार्यक्रम के तहत बैंक लिंकेज चेक वितरण और स्त्री निधि योजना के अंतर्गत 6,650 महिला स्वयं सहायता समूहों को सहायता दी गई।

पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने सरकारी कार्यक्रम को राजनीतिक मंच में बदल दिया और खुलेआम कांग्रेस पार्टी के पक्ष में वोट मांगते हुए नगर निगम चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। बीआरएस नेताओं ने कहा कि लाभार्थियों को जबरन हाथ उठाने और "जय कांग्रेस" जैसे नारे लगाने के लिए मजबूर किया गया, जो सरकारी मंच से चुनाव प्रचार के समान है। बीआरएस ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की उपस्थिति का राजनीतिक लाभ उठाया, जिनमें अधिकांश आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से थे। इससे अनुचित राजनीतिक दबाव और प्रभाव डाला गया, जो चुनाव के दौरान सरकारी पद, तंत्र और सार्वजनिक धन के उपयोग पर रोक लगाने वाले एमसीसी प्रावधानों का सीधा उल्लंघन है।

पार्टी ने आरोप लगाया कि इस तरह के कृत्य निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को बाधित करते हैं और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों में जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं। बीआरएस ने कहा कि जब कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति खुलेआम चुनावी नियमों का उल्लंघन करता है, तो यह

मंजिरा फेज-2 में रिसाव से कई इलाकों में जलापूर्ति बाधित

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंजिरा फेज-2 की जल लाइनों में बड़े पैमाने पर हुए रिसाव के कारण शहर के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। विशेष रूप से पाटनचेरु से हैदर नगर और कलबगुर से पाटनचेरु तक के क्षेत्रों में जलापूर्ति पूरी तरह ठप होने की आशंका है। प्रभावित होने वाले इलाकों में रामचन्द्रपुरम, अशोक नगर, ज्योति नगर, लिंगमपल्ली, चंदनगर, गंगाराम, मदीनागुडा, मियापुर, ऑफ-टेक पॉइंट, बल्क कनेक्शन, एर्रागड्डा, एसआर नगर, अमीरपेट, केपीएचबी कॉलोनी, कुकटपल्ली, भाग्यनगर कॉलोनी और प्रगति नगर शामिल हैं। सोमवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि मंजिरा फेज-2 की विभिन्न शाखाओं में गंभीर जल रिसाव पाया गया है। इन रिसावों की मरम्मत के लिए 11 फरवरी को सुबह 6 बजे से 12 फरवरी को रात 10 बजे तक रखरखाव कार्य किया जाएगा। इस 40 घंटे की अवधि के दौरान कुछ इलाकों में कम दबाव से जलापूर्ति होगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। जल बोर्ड ने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की है।

एससीआर ने 54वीं ऑल इंडिया इंटर-रेलवे जिम्नास्टिक्स में जीते 5 पदक

पदक विजेताओं ने महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव से भेंट की

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के जिम्नास्टों ने कोलकाता में 4-6 फरवरी को हुए 54वीं ऑल इंडिया इंटर-रेलवे जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 05 पदक अपने नाम किए। एससीआर ने 1 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर संगठन का गौरव बढ़ाया। स्वर्ण पदक स्वाथिश के.पी. (रिंग्स), रजत पदक गोपाल कक्कड़ (पैरलल बार्स), कांस्य पदक समुद्र दास (वॉल्टिंग), मनेश संजय जी. (हॉरिज़ॉन्टल बार) और अनुष्का नाथ (महिला वॉल्टिंग) ने जीते। पदक विजेताओं ने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव से भेंट कर बधाई प्राप्त की। इस अवसर पर एससीआर खेल संघ के अध्यक्ष सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, महासचिव पी. कोटेश्वर राव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रतियोगिता में भारतीय रेल की सात इकाइयों ने भाग लिया, और यह आयोजन दक्षिण पूर्व रेलवे खेल संघ द्वारा किया गया। एससीआर के खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स में संगठन की प्रमुख भूमिका को दर्शाता है।

सनातन पर संकट देश पर संकट : सीएम योगी

> बंटोगे तो कटने के रास्ते खुलेंगे, बांटने वालों से सावधान रहना

सीतापुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज (9 फरवरी) सीतापुर पहुंचे। यहां तपोधाम आश्रम में गिरधारी नाथ महाराज स्मारक स्थल सीएम योगी ने अनावरण किया। इसके बाद महंत गिरधारी नाथ की गुफा का उद्घाटन किया। सीएम ने मंच से जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने मंच से कहा- जिस तरह पूर्वी भारत में शक्तिपीठ का महत्व है, वैसे ही पश्चिम में हिंगलाज का महत्व है। फिलहाल ये मंदिर पाकिस्तान में स्थित है। वहां के संत योगीराज गिरधारी नाथ की गुफा को सीतापुर में बनाया गया है। जिसका आज उद्घाटन किया गया है। उन्होंने यहीं पर साधन की थी।

सीएम ने कहा- सीतापुर भारत के सनातन का पौराणिक स्थल है। भारत के पौराणिक स्थलों को पुनर्स्थापित करने का जिम्मा हमने लिया है। 3500 वर्ष पहले 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि नैमिष में की थी और सभी ग्रंथ वहीं लिखा है। नैमिष ही महापुरुषों की तपस्थली है। सीएम ने कहा- सनातन में पहला ग्रास गो माता और अंतिम ग्रास कुत्ते को दिया जाता है। ये समता का व्यवहार है सिर्फ अपने भारत में मिलेगा। चीटी को भी लोग आटा डालते हैं। कितना भी जहरीला सांप हो उसे भी लोग नागमंचमी के दिन दूध पिलाते हैं। ये सनातन में ही संभव है। लेकिन इस सनातन को तोड़ने का बहुत प्रयास हुआ। कुछ लोगों ने शरण तो ली लेकिन शरणार्थी धर्म नहीं निभाया। अंगुली पकड़कर गला दबाने का काम किया। भारत की पूरी परम्परा इस से जुड़ी हैं, दुनिया की तमाम संस्कृति और सभ्यता समापत हो गई, लेकिन एक सांस्कृति दुनिया के सामने खड़ी और दुनिया को बसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देने वाली हमारी सनातन परमपरा है।

सनातन ने हर एक को बढ़ने का मौका दिया, मुगल आये, अंग्रेज आये, लेकिन जो लोग आए धर्म और संस्कृति को लूटने का काम किया। यहां जो भी आया उसे शरण मिली, लेकिन कुछ लोग यहां शरण लेकर शरणार्थी धर्म का पालन नहीं किया, उंगली पकड़ कर हाथ पकड़ने काम किया, देश को लूटने का काम किया। सीएम ने कहा - चीन बढ़ रहा था और भारत को बढ़ाने का जो प्रयास होना चाहिए था वो नहीं हो पाया। मुगलों ने तो लूटा ही था और अंग्रेजों ने आश्रम पद्धति को खत्म करने का काम किया। देश 1947 में आजाद होता है, तब दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी महज 2 फीसदी रह गई थी पिछले 11 वर्षों में भारत की प्रगति देखा होगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। अब भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अमेरिका और चीन के बाद भारत का नंबर होगा। सीएम ने कहा- 22 जनवरी 2024 के बाद भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान हर भारतीय की आंखे नम थी। हर घर में दीप जल रहे थे और भारतीय दिवाली मना रहा था।

मंत्री के बेटे की फॉर्च्यूनर से कुचलकर युवक की मौत

ललितपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। ललितपुर में राज्यमंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी के बेटे की फॉर्च्यूनर की टक्कर से घायल युवक की मौत हो गई। मृतक युवक के परिजनों ने जीरोन के पास हावड़ा पुल के निकट ललितपुर–झाखलौन मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। परिजन मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी और 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मांग कर रहे हैं। धरना सात घंटे से चल रहा है। परिजनों ने बीच सड़क पर शव रख दिया है। एक खंभा गिराकर आवाजाही रोक दी है। अब वहां पर एक टेंट लगाकर ग्रामीण और परिजन बैठ गए हैं। धरने में बैठी मृतक युवक की मां बेहोश हो गई हैं। वहीं अब भीम आर्मी जिला प्रभारी हरपाल सिंह, जिलाध्यक्ष रमाकांत चौधरी और सपा जिलाध्यक्ष नेपाल यादव भी मौके पर पहुंच गए हैं। सात घंटे से चल रहे धरने में पुलिस अधिकारी लगातार परिजनों को समझाने में लगे हैं।

गाजियाबाद सुसाइड में खुलासा

निशिका के सीने से चिपककर गिरी पाखी फिर प्राची कूदी; 4 गेम पर लगेगा प्रतिबंध!

गाजियाबाद, 9 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के गाजियाबाद की भारत सिटी सोसायटी में तीन बहनों की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने एक रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजी है। इसमें चार गेम के नाम भी लिखकर भेजे हैं। पुलिस की ओर से इन पर देश में प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है। मंगलवार देर रात हुए इस हादसे के पीछे शुरुआत से कोरियन कल्चर व गेम की लत होने की बात कही जा रही है।

किशोरियों ने जिस कमरे से कूदकर जान दी, वहां मिले सुसाइड नोट में जिन पसंदीदा चीजों के नाम लिखे हैं, उनमें चार गेम भी हैं। इनके नाम क्रमशः पॉपी प्लेटाइम, द बेबी इन यलो, ईविल नन और आई-स्क्रीम हैं। सुसाइड नोट में लिखा है कि ये उनके पसंदीदा गेम हैं, जिन्हें वह खेलते भी हैं। हालांकि, उसी कमरे में मिले मोबाइल फोन में पुलिस को कोई भी गेम नहीं मिला। अब पुलिस ने एक रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी है। इसमें उक्त चारों गेम पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है।

मुख्यालय ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

वहीं, पुलिस मुख्यालय की ओर से आत्महत्या मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। इसके लिए एक सप्ताह दिया गया है। मामले की जांच एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह कर रहे हैं। साक्ष्य एकत्र करने से लेकर पूछताछ व बयान दर्ज कराने की जिम्मेदारी उन्हें ही सौंपी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में चेतन ने बताया कि वर्ष 2018 में उसने गाजियाबाद में ही क्रेडिट कार्ड बनवाने का काम शुरू किया था। इसके लिए एक कार्यालय खोला था, जहां टीना को नौकरी पर रखा। बाद में टीना से तीसरी शादी कर ली। चेतन की अन्य दो पत्नियों की मां सुनीता से भी पुलिस ने पूछताछ की है। हादसे के बाद पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई थी कि कोरियन कल्चर व मोबाइल की लत को देखते हुए चेतन ने निशिका और प्राची से मोबाइल फोन छीन लिए थे।

58 साल के प्रिंसिपल ने 4 छात्राओं से बैडटच किया, वाराणसी में 200 लोगों ने स्कूल घेरा

आरोपी को हेलमेट पहनाकर पुलिस ले गई

वाराणसी, 9 फरवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में प्राइमरी स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्राओं से बैडटच किया। छात्राओं ने विरोध किया तो 58 साल के प्रिंसिपल ने जान से मारने की दी।

ये बात जैसे ही छात्राओं के मां-बाप को मिली। सभी हाथों में जूता-चप्पल लेकर स्कूल पहुंच गए। करीब 200 लोगों ने आरोपी को खोजना शुरू किया। डरकर प्रिंसिपल ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। लोगों ने भी स्कूल कैंपस में हंगामा। सूचना पर एसीपी 3 थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। किसी तरह आरोपी प्रिंसिपल को हेलमेट पहनाकर बाहर निकाला। पूरा मामला शिवपुर थाना क्षेत्र का है।

लेडी कॉन्स्टेबल की किडनैपिंग, गैंगस्टर से लव अफेयर!

मेरठ के गांव में 24 घंटे तक चला फिल्मी ड्रामा

मेरठ, 9 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में शाम कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। दरअसल, बहसूमा इलाके में 25 वर्षीय महिला सिपाही की बारात आनी थी। घरवाले तैयारियों में जुटे थे। इस बीच, हल्दी की रस्म पूरी होने के बाद हाथों में मेहंदी लगाकर सिपाही अचानक लापता हो गई। पता चला कि हिस्ट्रीशीटर अंकित चौहान ने उसका अपहरण कर लिया। पुलिस फोर्स ने महिला सिपाही की छानबीन शुरू की और आठ घंटे के भीतर उसको मेरठ के बक्सर इलाके से बरामद कर लिया। अंकित चौहान भागने में कामयाब रहा। महिला सिपाही से पूछताछ के बाद इस पूरे मामले में रोमांचक ट्विस्ट आ गया है। पुलिस का दावा है कि महिला सिपाही का अपहरण नहीं हुआ था बल्कि वह अपनी मर्जी से हिस्ट्रीशीटर के साथ गई थी। उसने जाने से पहले घरवालों को फोन कर कहा था कि वह बालिग है।

वाराणसी दाल मंडी में व्यापारी ने अपनी दुकान फूंक दी

खुद पर भी पेट्रोल छिड़का, बुलडोजर चलना शुरू, लोग रोते-गिड़गिड़ाते रहे

वाराणसी, 9 फरवरी (एजेंसियां)। वाराणसी की दाल मंडी में प्रशासन जर्जर 21 मकानों को ढहा रहा है। बुलडोजर और हथौड़े से मकान और दुकानों को तोड़ा जा रहा है। इससे पहले एक व्यापारी ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। मकान के पहले फ्लोर पर खड़े होकर सुसाइड करने की चेतावनी दी। यह देख अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। अधिकारी उसे समझाने लगे।

नाराज व्यापारी ने कहा-हमारा मकान जर्जर नहीं है। प्रशासन बेवकूफ नहीं बना सकता है। अगर मकान गिराया तो हमें मुआवजा चाहिए। ये लोग जर्जर बताकर मुआवजा देने से बचना चाहते हैं। यह कहते हुए उसने दुकान में आग लगा दी। पुलिस ने आग पर काबू पाया है। कई अन्य लोगों ने भी बुलडोजर एक्शन का विरोध किया। वे प्रशासन के अधिकारियों से 10 दिन की मोहलत मांगते रहे। तमाम लोग रोते-बिलखते दिखे। इस दौरान हंगामा करने वाले 8 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उन्हें खींचते हुए पुलिस ले गई। कुछ लोगों की पिटाई भी की है। दाल मंडी में सड़क चौड़ी करने के लिए जर्जर मकान-दुकानों पर बुलडोजर चल रहा। दालमंडी में अब तक की यह एक दिन में सबसे बड़ी कार्रवाई है।

दुकानदारों ने पूछा-हमारा गुनाह क्या है, क्या मार डालोगे

दुकानदारों ने रोते हुए अफसरों से पूछा- हमारा गुनाह क्या है। क्या मार डालोगे हमें। सड़क चौड़ी करनी है, तो लोगों को बर्बाद करके देंगे? सरकार हमें खत्म कर रही है। रोजी-रोटी छीन ली है। प्रशासन ने हमें कोई नोटिस नहीं दिया।

500 पुलिसकर्मी तैनात, ड्रोन से निगरानी

चारों थानों के करीब 500 पुलिसकर्मी तैनात हैं। इनमें महिला कर्मी भी शामिल हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इससे पहले 21 जनवरी को एक साथ तोड़े गए 8 मकानों को ध्वस्त किया गया था। नगर निगम ने 31 जनवरी को 23 मकान मालिकों को नोटिस दी है। सभी मकान 100 साल से ज्यादा पुराने हैं और जर्जर हैं। लेकिन इसमें लोग जान जोखिम में डालकर रह रहे हैं। एसीपी दशाश्वमेध डॉ अतुल अंजान ने बताया-दालमंडी में चौड़ीकरण के लिए मकानों का ध्वस्तीकरण कराया जा रहा है। दालमंडी के अंदर आने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है। ताकि किसी भी प्रकार का आवागमन न हो सके और कार्य में बाधा न पड़े।

कार ने 9 लड़कियों को रौंदा, 4 की मौत

रायबरेली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। रायबरेली में गंगा एक्सप्रेसवे पर 120 की स्पीड में कार ने 9 लड़कियों को रौंद दिया। एक्सप्रेसवे के किनारे गांव में बनी एक मंदिर के भंडारे से प्रसाद लेकर लड़कियां लौट रहीं थीं। कार ने पीछे से टक्कर मार दी। लड़कियां हवा में 5 से 7 फीट तक उछल गईं। लाशें सड़क पर बिखर गईं। उधर, ड्राइवर ने ब्रेक मारने की कोशिश की तो अनियंत्रित होकर करीब 50 मीटर तक कार घिसटती रही। आगे जाकर टायर ब्लास्ट हो गया।

घटना रविवार देर शाम की है। लड़कियां कोडर गांव की रहने वाली हैं। पुलिस ने घायल 5 लड़कियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो की हालत गंभीर है। एक को रायबरेली एम्स तो दूसरी गंभीर लड़की को लखनऊ के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। उधर, पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को चारों लड़कियों का शव सौंप दिया गया। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

4 दिन से लापता दरोगा का सरयू में शव मिला

बस्ती, 9 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में सरयू नदी से सीनियर दरोगा (एसएसआई) अजय गौड़ का शव मिलने के बाद एडीएम भाई और उनकी पीसीएस पत्नी ने बस्ती में धरना शुरू कर दिया है। एडीएम भाई अरुण कुमार ने आरोप लगाया कि यह प्लांड मर्डर है। पुलिस ने अपना काम ठीक से नहीं किया। पूरे थाने को सस्पेंड कर सीओ पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। अयोध्या के सरयू में दरोगा का शव मिला था। लापता होने के अगले दिन उनकी बाइक बस्ती के कुआनो नदी के पास मिली थी। वह ड्यूटी के दौरान 5 फरवरी की शाम को थाने से निकले इसके बाद उनका पता नहीं चला। आखिरी बार वह एक सीसीटीवी फुटेज में सफाईकर्मी के साथ बाइक पर जाते हुए नजर आए थे। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति के गायब होने की सूचना दूसरे दिन थाने पर फोन करने के बाद मिली।

पति का झगड़ा सुलझाने घर गए, पत्नी को दिल दे बैठे दरोगा जी!

> अब फर्जी केस में फंसाने की दे रहे धमकी

बाराबंकी, 9 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में रामनगर थाने में तैनात दारोगा की करतूत ने हैरान कर दिया। पारिवारिक विवाद की शिकायत सुलझाने के दौरान वह महिला को दिल दे बैठा। ऑडियो कॉल डिटेल वायरल होने पर विवाद बढ़ा तो उसने महिला के पति को लूट और डकैती के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी है। पति की शिकायत पर एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने पूरे मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

रामनगर थाना क्षेत्र के कुम्हारवा निवासी अरुण कुमार ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि करीब एक साल पहले उसका पत्नी से विवाद हुआ था। इसकी शिकायत उसने थाने में दी थी। इसी मामले की जांच के लिए थाने के एसआई अखिलेश यादव उनके घर पहुंचे थे।

पत्नी और दरोगा का प्रेम प्रसंग

अरुण ने बताया कि घरेलू विवाद सुलझाने की जांच करने आए दरोगा अखिलेश यादव ने पहले मुझे भरोसे में लिया। अपनी गाड़ी चलवानी शुरू कराई और पत्नी को नौकरी दिलाने का झांसा दिया। मेरी गैरमौजूदगी में अखिलेश ने पत्नी से चोरी-छिपे फोन पर बातचीत करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे यह प्रेम प्रसंग में बदल गया।

पत्नी को कार में बैठाकर ले गया अखिलेश यादव: पति

पीड़ित पति ने आरोप लगाया कि करीब पांच महीने पहले उसकी पत्नी जब अपनी ननद के साथ रामनगर गई थी, तभी दरोगा कार से पहुंचा और ननद के विरोध के बावजूद पत्नी को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गया। बाद में करीब आधे घंटे बाद पत्नी को तहसील के पास छोड़ दिया। इतना ही नहीं, एक महीने पहले जब महिला घर में अकेली थी, तब भी दरोगा घर पहुंच गया। आरोप है कि घर में मौजूद ननद को बहाने से बाहर भेजा गया और लौटने पर उसने दरोगा और पत्नी को आपत्तिजनक स्थिति में पाया।

पूरे परिवार को डकैती में फंसाने की दी धमकी

पति के मुताबिक, जब परिवार ने दरोगा के घर आने-जाने पर रोक लगाई तो वह नाराज हो गया। उसने 28 जनवरी 2026 को दो बार घर पहुंचा और पत्नी से मिलने की जिद पर अड़ गया। विरोध करने पर मां-बहनों को गालियां दीं और पूरे परिवार को डकैती के मुकदमे में फंसाने की धमकी तक दे डाली। दरोगा की धमकी से पूरा परिवार दहशत में है। पीड़ित ने एसपी बाराबंकी से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल तक न्याय की गुहार लगाई है।

ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों की ली जान

सोनभद्र, 9 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के हिन्दुआरी इलाके में तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

इस हादसे में बाइक पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, बाइक पर कुल तीन लोग सवार थे, जो किसी तिलक समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक हिन्दुआरी के पास पहुंची, तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया।

विधान सभा में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण पर

जनसमस्याओं पर कोई जोर नहीं दिखा : मायावती

लखनऊ, 9 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल के विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधन के साथ शुरू हुआ। हालांकि मायावती ने राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर असंतोष जताया और इसे परंपरागत व अपेक्षाकृत औपचारिक बताया।

उन्होंने कहा कि अभिभाषण में प्रदेश के विकास और सर्वसमाज के उत्थान की बात तो की गई, लेकिन आम जनता से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर अपेक्षित स्पष्टता और संवेदनशीलता नहीं दिखी। उनका आरोप है कि प्रदेश में करोड़ों लोग महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर भी लोगों में चिंता बनी हुई है। जनता को अपने जान-माल और धार्मिक सुरक्षा को लेकर आशंकाएं सता रही हैं, जिन पर राज्यपाल के संबोधन में सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाना चाहिए था।

इसी मुद्दे को लेकर अभिभाषण के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की और हंगामा भी किया। अभिभाषण में सरकार द्वारा किए गए जनहित और जनकल्याण से जुड़े वादों व घोषणाओं की प्रगति का ठोस विवरण नहीं दिया गया, जिससे आम लोगों में निराशा है। विपक्ष का मानना है कि इन मुद्दों को आगामी बजट भाषण में समुचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए, ताकि जनता को राहत और भरोसा मिल सके।

'800 लोधी इकट्ठे कर लें तो नाक रगड़ते आऊंगा'

भाजपा विधायक अज्ञातवास पर, पूर्व सांसद ने शुरू की साधना

महोबा, 9 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत के बीच हुए विवाद का मामला लगातार नए मोड़ ले रहा है। एक ओर विधायक अज्ञातवास पर हैं तो वहीं अब तक विधायक बेटे के पक्ष में बयान देकर डैमेज कंट्रोल की कोशिशों में लगे पिता और पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने अचानक साधना शुरू कर दी है। रविवार को उन्होंने बाराबंकी स्थित लोधेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए अपना एक वीडियो साझा किया है। यह पूरा मामला 30 जनवरी को तब शुरू हुआ जब जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह जिले के दौरे पर थे। एक कार्यक्रम से दूसरे कार्यक्रम में जाते समय छतरपुर रोड पर चरखारी के विधायक बृजभूषण राजपूत ने ग्राम प्रधानों और समर्थकों के साथ मिलकर उनका काफिला रोक लिया था। विधायक ने जलजीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की खराब

हालत का मुद्दा उठाया था। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद से विवाद लगातार गहराता जा रहा है। विधायक के कई वीडियो वायरल हुए जिनमें से एक में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी रोकने की बात कही थी जिसने मामले को और तूल दे दिया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जारी किया नोटिस

विधायक के इस कदम को पार्टी ने अनुशासनहीनता माना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधायक बृजभूषण राजपूत को अनुशासनहीनता के संबंध में नोटिस जारी किया। नोटिस मिलने की खबरों के बीच विधायक बृजभूषण अज्ञातवास पर चले गए हैं। उनके चरखारी स्थित आवास पर मिलने पहुंच रहे लोगों को बताया जा रहा है कि विधायक घर पर नहीं हैं लेकिन वह कहां हैं का जवाब कोई नहीं दे रहा है। मोबाइल फोन पर संपर्क करने की कोशिशें भी नाकाम साबित हो रही हैं।

पूर्व सांसद ने सीएम योगी से मांगी माफी

शुरुआत में विधायक के पिता और पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने अपने बेटे का बचाव करते हुए कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ की गई बयानबाजी के लिए विधायक को डांटा था जिसके बाद वह घर छोड़कर चले गए। शनिवार को गंगाचरण राजपूत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि यह जुबान फिसलने का मामला था। जुबान फिसलने के चलते उनके विधायक बेटे योगी जी को रोकने की बात कह गए जबकि वे कुछ और कहना चाहते थे।

मंत्री स्वतंत्रदेव पर सीएम के साथ घूमने पर खड़ा किया था सवाल

इस तरह से उन्होंने अपने विधायक बेटे का बचाव किया और मंत्री स्वतंत्रदेव पर निशाना साधते हुए उनके मुख्यमंत्री के साथ घूमने पर सवाल खड़ा किया था। उन्होंने पार्टी के संविधान को सर्वोच्च बताते हुए प्रदेश अध्यक्ष से मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के खिलाफ भी अनुशासनहीनता संबंधी नोटिस जारी करने की मांग की थी।

सीएम के बयान पर रोहिणी का तीखा पलटवार

पटना, 9 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयानों पर रोहिणी आचार्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विधानसभा और विधान परिषद की घटनाओं से सियासी तनाव बढ़ा है। महिला सम्मान, संसदीय भाषा और कार्रवाई के मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने हैं।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। रोहिणी आचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री की संसदीय भाषाई मर्यादा लांघने की आदत बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने दर्जनों बार सदन और सार्वजनिक मंचों से अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है, विशेषकर महिलाओं के संदर्भ में। रोहिणी आचार्य ने अपने बयान में कहा कि जब तर्क और तथ्य कमजोर पड़ जाते हैं, तब व्यक्ति भाषा की सीमाएं लांघकर अपनी खीज और वैचारिक खोखलेपन को उजागर करता है।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के पिछले कुछ वर्षों के बयानों और वक्तव्यों को देखने से यह स्पष्ट होता है कि वे महिलाओं के प्रति मानसिक और वैचारिक कुंठा से ग्रस्त हैं। रोहिणी के अनुसार, महिला सम्मान को लेकर कही जाने वाली बातें केवल राजनीतिक और चुनावी दिखावा हैं। विधानसभा की कार्यवाही के दौरान तीन दिन पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच में बोलने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें बच्चा हो, चुप रहो जैसी बातें कहकर टोका था। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तेजस्वी यादव के पिता लालू प्रसाद यादव का भी जिक्र किया था।

भागलपुर व्यवहार न्यायालय को फिर बम से उड़ाने की धमकी

खाली कराया गया परिसर, सुरक्षा कड़ी

भागलपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। भागलपुर व्यवहार न्यायालय को एक बार फिर ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सोमवार को हड़कंप मच गया। धमकी मिलते ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट मोड में आ गई और न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से सख्त कर दिया गया। धमकी के बाद पुलिस बल, सुरक्षा एजेंसियां और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। न्यायालय परिसर के हर कोने की गहन तलाशी ली जा रही है। किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

पुणे के महौपार बनीं बीजेपी की मंजुषा नागपुरे

> डिप्टी मेयर का पद आठवले के परशुराम वाडेकर को

पुणे, 9 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र निकाय चुनाव रिजल्ट के बाद अब नगर निगमों में मेयर चुनाव हो रहे हैं। मामला पुणे में फंसा था। सोमवार को एनसीपी और कांग्रेस के उम्मीदवारों ने चुनाव के अंतिम क्षण में नामांकन वापस ले लिया। कांग्रेस और एनसीपी के पीछे हटने के बाद भाजपा पार्षद मंजुषा नागपुरे निर्विरोध पुणे की महापौर चुन ली गई हैं। शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए भाजपा के पीएमसी समूह नेता गणेश बिडकर की अपील के बाद, एनसीपी की शीतल सावंत और कांग्रेस की अश्विनी लांडगे ने चुनाव से नाम वापस ले लिया।

गणेश बिडकर ने हाल ही में दिवंगत महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और पुणे के पालक मंत्री अजीत पवार और पूर्व केंद्रीय मंत्री और पुणे सांसद सुरेश कलमाडी के सम्मान में राजनीतिक दलों से चुनाव न लड़ने का आग्रह किया। नाम वापस लेने से पहले महापौर पद के लिए कुल तीन नामांकन दाखिल किए गए थे।

आठवले की पार्टी को महापौर पद चार साल के अंतराल के बाद हाल ही में संपन्न पीएमसी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के नेता परशुराम वाडेकर निर्विरोध पुणे के उप महापौर चुने गए।

बीजेपी ने किया था दावा

इससे पहले, केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पुणे नगर निगम चुनाव में एक बार फिर महापौर का पद हासिल करेगी। उन्होंने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा शहर में किए गए व्यापक विकास कार्यों का हवाला दिया। मुरलीधर मोहोल ने पहले कहा था कि 50 प्रतिशत आरक्षण के तहत महिला उम्मीदवारों के लिए 83 सीटें आरक्षित हैं, लेकिन भाजपा ने 92 महिला उम्मीदवारों को टिकट आवंटित किए हैं, जो महिला प्रतिनिधित्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सीट बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर, मोहोल ने कहा कि भाजपा पुणे में शिवसेना को 16 सीटें देने के लिए तैयार है। उन्होंने पहले कहा था, पिछली बार भाजपा के पास 105 पार्षद होने के बावजूद, हमने लगातार गठबंधन की दिशा में काम किया है। स्थानीय स्तर पर सीट बंटवारे को लेकर मतभेद थे, लेकिन अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में इस मामले को सुलझाया जा रहा है।

वांगचुक की हिरासत मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई टली- अब बुधवार को फैसला

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। इस मामले पर अगली सुनवाई अब बुधवार को होगी। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने अदालत से मामले की सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने लंबी अवधि के स्थगन की मांग स्वीकार नहीं की और मामले को बुधवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से सवाल किया कि इस मामले में अब तक क्या प्रगति हुई है।

ढाबे पर एक कार में मिली थीं दो ईवीएम

बवाल मचाने पर महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने तोड़ी चुप्पी

पुणे/सोलापुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर में दो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के एक कार में मिलने के बाद हड़कंप मच गया था। इस पूरे मामले में महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया सामने आई है। चुनाव आयोग के अनुसार कार में मिली दो ईवीएम रिवर्ज डिवाइस थीं। गौरतलब हो कि शनिवार को सोलापुर सहित राज्य के 12 जिला परिषद के लिए वोट डाले गए थे। कार में ईवीएम होने पर राजनीति गरमा गई थी। महाराष्ट्र में 12 जिला परिषद और 125 पंचायत समितियों के नतीजों से पहले चुनाव आयोग ने इस पूरे विवाद पर बयान जारी किया ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने उठाए थे सवाल

शनिवार को महाराष्ट्र में सोलापुर सहित 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनाव हुए। शनिवार आधी रात के आसपास मोहोल शहर में होटल स्वराज्य के पास चुनाव ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी के लिए किराए पर ली गई कार में दो ईवीएम मिलीं, जिसके बाद कुछ राजनीतिक दलों ने छेड़छाड़ के आरोप लगाए। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता से जुड़े सवाल उठाते हुए एक एनसीपी उम्मीदवार ने बाद में इस खोज की गहन जांच की मांग की थी।

चुनाव आयोग ने साफ की स्थिति ?

एक अधिकारी ने बताया कि वोट रिकॉर्ड करने के लिए इस्तेमाल की गई सभी ईवीएम शनिवार रात 10.30 बजे तक स्ट्रॉन्ग रूम में जमा कर दी गई थीं। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि मोहोल में समय पर रिजर्व वोटिंग मशीनें जमा करने में विफल रहने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि अलर्ट मिलने के बाद, चुनाव रिटर्निंग अधिकारी, तहसीलदार और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि ईवीएम रिजर्व थीं। वे शनिवार को वोटिंग के लिए इस्तेमाल नहीं की गई थीं। उन्होंने कहा कि दोनों मशीनें सीलबंद हालत में थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 फरवरी तक टाली सुनवाई

213 करोड़ के जुर्माने से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सएप की उन याचिकाओं पर सुनवाई 23 फरवरी तक के लिए टाल दी है, जिनमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के फैसले को चुनौती दी गई थी। यह मामला व्हाट्सएप की विवादित प्राइवेसी पॉलिसी और कंपनी पर लगाए गए 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने से जुड़ा है।

मामला क्यों अहम है ?

यह सुनवाई भारत में डिजिटल नागरिकों के डेटा अधिकारों और बिग टेक कंपनियों के एकाधिकार को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रधान न्यायाधीश सूर्य कांत की अगुवाई वाली पीठ ने स्पष्ट किया है कि वह 23 फरवरी को इस मामले में अंतरिम आदेश पारित करेगी। सोमवार को सुनवाई के दौरान पीठ को सूचित किया गया कि मेटा और व्हाट्सएप का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल अस्वस्थ हैं। इसके चलते अदालत ने सुनवाई स्थगित करने का निर्णय लिया। इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन वी अंजारिया भी शामिल हैं।

कोर्ट की सख्त टिप्पणीः 'डेटा शेयरिंग के नाम पर खिलवाड़ नहीं' अदालत ने इस मामले में पहले ही कड़ा रुख अपना रखा है। 3 फरवरी को हुई पिछली सुनवाई में पीठ ने मेटा और व्हाट्सएप के खिलाफ सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि वे डेटा शेयरिंग के नाम पर नागरिकों के निजता के अधिकार के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते।

अदालत ने चिंता जताई थी कि ये कंपनियां बाजार में एकाधिकार बना रही हैं और ग्राहकों की निजी जानकारी की चोरी कर रही हैं। बेंच ने मौन ग्राहकों का जिक्र किया जो डिजिटल रूप से निर्भर हैं लेकिन डेटा शेयरिंग के खतरों से अनजान हैं।

'संविधान हम भारत के लोग ' से शुरू होता है, 'भारत माता' से नहीं

संविधान पर बोले असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्र गीत वंदे मातरम् के 150वें वर्ष में चल रहे कार्यक्रमों के बीच भारतीय संविधान को लेकर बहुत बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमने संसद में खड़े होकर कहा कि हमारा संविधान 'हम भारत के लोग ' से शुरू होता है, 'भारत माता' से नहीं। उन्होंने सत्ताधारी बीजेपी को लेकर कहा है कि अगर आप किसी चीज को धर्म से जोड़ेंगे और कहेंगे कि देश से प्यार करना धर्म है, तो यह हमें मंजूर नहीं है।

'वी द पीपल से शुरू होता है, भारत माता से नहीं'

तेलंगाना के सदाशिवपेट में हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने रविवार को एक जनसभा में कहा, 'जब बहस हो रही थी वंदे मातरम् के 150 साल पर, पूरे पार्लियामेंट को मैंने खड़े होकर बताया कि 24 जनवरी, 1950 को हमने अपने आपको संविधान दिया और वो संविधान शुरू होता है, अंग्रेजी के शब्द 'वी द पीपल'से...यह संविधान भारत माता के नाम से शुरू नहीं होता।'

'अगर आप धार्मिक उपासना को देश प्रेम से जोड़ेंगे..'

ओवैसी ने आगे कहा कि संविधान में 'अनुच्छेद 25 के तहत हमें धार्मिक आजादी मिली हुई है। संविधान की प्रस्तावना में आजादी, समानता, न्याय और भाईचारा की बात कही गई है।...अगर आप धार्मिक उपासना को देश प्रेम से जोड़ेंगे, तो आप बहादुर शाह जफर को क्या जवाब देंगे, जिन्होंने अपनी जान की कुर्बानी दी और जिनके अवशेष रंगून में हैं?'

हम सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करते हैं

उन्होंने वंदे मातरम् को लेकर आगे कहा कि 'आप यूसुफ मेहरअली को क्या जवाब देंगे, जिन्होंने गांधी से कहा कि क्विट इंडिया का इस्तेमाल करो और साइमन गो बैक का नारा दिया? अगर आप एक चीज को मजहब से जोड़कर कहेंगे कि ये वतन की मोहब्बत है तो ये हमारे लिए काबिल-ए-कबूल नहीं है....मैंने उनसे कहा कि मैं मुसलमान हूं और मेरा दीन मुझसे कहता है...हम सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करते हैं, सिर्फ उसे ही मानते हैं...देश संविधान से चलेगा..।'

'वंदे मातरम्' का 150 साल मना रहा है देश

देश अपने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने पर जश्न मना रहा है। इसके लिए पूरे भारत में खास जगहों पर सामूहिक गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मिलिट्री बैंड परफॉर्मेंस आयोजित किए जा रहे हैं। 'वंदे मातरम्' को लेकर इस जश्न का मकसद राष्ट्र गौरव और एकता को बढ़ावा देना है।

दिव्यांग महिला के साथ दुष्कर्म का मामला

पड़ोसी पर घटना को अंजाम देने का आरोप

कोलकाता, 9 फरवरी (एजेंसियां)। बंगाल के 24 परगना जिले से एक दिव्यांग महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता ने बदुरिया इलाके में अपने पड़ोसी पर रेप का आरोप लगाया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा नजर आ रहा है। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार रात को हुई। यह पूरा मामला बदुरिया पुलिस स्टेशन इलाके के चांदीपुर गांव पंचायत का है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार रात को दिव्यांग महिला अपने घर के बरामदे में अकेले बैठी थी। आरोपी जिसकी उम्र 50 साल से ज्यादा बताई जा रही है, जब वहां से गुजर रहा था, तो उसने महिला को अकेले बैठे देखा। आरोपी दिव्यांग महिला को खाने का लालाच देकर पास ही के लौकी के खेत में ले गया। उसने खेत में महिला के साथ रेप किया और वहां से फरार हो गया। जब लड़की देर रात तक घर नहीं लौटी तो परिवार वाले चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू कर दी। तलाश करते-करते घर वाले लौकी के खेत में पहुंचे। जहां उन्हें पीड़िता बेहोशी की हालत में मिली। होश में आने के बाद महिला ने पूरी घटना बताई। इसके बाद वे बदुरिया पुलिस स्टेशन गए और आरोपी पड़ोसी के खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता का मेडिकल जांच पहले ही किया जा चुका है। बशीरहाट पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। हम मामले की पूरी गंभीरता से जांच कर रहे हैं। पीड़िता की भाभी ने कहा उसने उसे खाना देने का लालच देकर बगीचे में ले गया। उसने उसे धमकी भी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा।

मोहम्मद दीपक को जान से मारने की धमकी, इनाम भी घोषित

> कोटद्वार में बाबा नाम पर उठा था विवाद

कोटद्वार, 9 फरवरी (एजेंसियां)। कोटद्वार में दुकान का नाम बदलने को लेकर हुए विवाद के बीच चर्चाओं में आए मोहम्मद दीपक को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है। साथ ही दो लाख रुपये का इनाम रखा गया है।दीपक कुमार की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रथम दृष्टया आरोपी की पहचान राजा उत्कर्ष, निवासी मोतिहारी, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जमीअत उलेमा-ए-हिंद उत्तराखंड ने डीजीपी को पत्र लिखकर कोटद्वार प्रकरण में दीपक कुमार को सुरक्षा देने की मांग की थी। पत्र में कहा गया कि दीपक कुमार ने

26 जनवरी को एक मुस्लिम दुकानदार पर हुए हमले के दौरान बीच-बचाव कर व्यापारी की जान बचाई। अब उन्हें जान का खतरा बना हुआ है।

जमीअत के प्रदेश महासचिव मौलाना शराफत अली कासमी ने पत्र में कहा कि दीपक कुमार ने मानवीय और संवैधानिक दायित्व निभाते हुए हिंसा का विरोध किया लेकिन उन्हें लगातार धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। 31 जनवरी को दून और हरिद्वार से बड़ी संख्या में लोगों ने कोटद्वार पहुंचकर दीपक कुमार के जिम पर तोड़फोड़ का प्रयास किया। जमीअत ने कहा कि ऐसे नागरिक को निशाना बनाया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है जिसने हिंसा के खिलाफ खड़े होकर सामाजिक सौहार्द और इंसानियत का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि देवभूमि की शांत छवि धूमिल हो रही है। उपाध्यक्ष मुफ्ती रईस अहमद कासमी ने डीजीपी से मांग करते हुए कहा कि कोटद्वार में तोड़फोड़ का प्रयास करने वालों की पहचान कर कार्रवाई की जाए।

भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए बड़े पैमाने पर खोज की जरूरत : अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा है कि मौजूदा अस्थिर वैश्विक हालात में भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा बेहद अहम हो गई है और देश को तेल व गैस के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर घरेलू खोज (एक्सप्लोरेशन) बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी तेल और गैस की लगभग 90 प्रतिशत जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे देश की स्थिति संवेदनशील बनी रहती है। तीन ओर से समुद्र से घिरे होने के कारण युद्ध या तनाव की स्थिति में समुद्री नाकेबंदी का खतरा भी रहता है। अनिल अग्रवाल ने कहा, "आज के हालात में घरेलू उत्पादन बढ़ाने के अलावा हमारे पास कोई दूसरा ठोस विकल्प नहीं है।"

भारतीय कंपनियों पर साइबर हमला सबसे बड़ा खतरा, हो रहा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय कंपनियों के सामने इस समय साइबर सुरक्षा से जुड़ा खतरा सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। 51 फीसदी वरिष्ठ अधिकारियों ने माना है कि साइबर हमले और डाटा चोरी उनके संस्थानों के प्रदर्शन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे। यह बात फिक्की-ईवाई जोखिम सर्वे 2026 में सामने आई है, जिसे रविवार को जारी किया गया।

रिपोर्ट में दावा

सर्वे के अनुसार, साइबर जोखिम के बाद कंपनियों के लिए दूसरी बड़ी चिंताएं ग्राहकों की बदलती जरूरतें और जियोपॉलिटिक्स घटनाएं हैं। करीब 49 फीसदी अधिकारियों ने कहा कि ग्राहकों की मांग तेजी से बदल रही है, जिससे कंपनियों पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं 48 फीसदी ने वैश्विक स्तर पर चल रहे राजनीतिक तनाव और घटनाक्रम को कारोबार के लिए जोखिम बताया।

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि तकनीक से जुड़ा जोखिम अब केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर कंपनी के रोजमर्रा के कामकाज और कारोबार की निरंतरता से जुड़ गया है। सर्वे में शामिल 61 फीसदी उत्तरदाताओं का मानना है कि तेज तकनीकी बदलाव और डिजिटल माहौल उनकी प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहा है।

64 फीसदी अधिकारियों ने कहा- कुशल कर्मचारियों की है कमी

60 फीसदी लोगों का कहना है कि अगर एआई और अन्य नई तकनीकों को सही तरीके से नहीं अपनाया गया तो कंपनियों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। वहीं 54 फीसदी उत्तरदाताओं को लगता है कि एआई से जुड़े नैतिक, पारदर्शिता और गवर्नेंस से जुड़े जोखिमों को अभी ठीक से संभाला नहीं जा रहा। कर्मचारियों से जुड़े मुद्दे भी कंपनियों के लिए बड़ी चिंता बने हुए हैं। सर्वे में 64 फीसदी अधिकारियों ने कहा कि कुशल कर्मचारियों की कमी और जरूरी कौशल का अभाव संगठन के प्रदर्शन पर असर डाल सकता है।

'जब दुनिया धुंधली लगे, तो ये बात याद रखें'

आनंद महिंद्रा ने साइंटिस्ट शुभा वी. अयंगर को बताया मंडे मोटिवेशन

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने हाल ही में पद्म श्री से सम्मानित 71 वर्षीय वैज्ञानिक डॉ. शुभा वी. अयंगर की सोशल मीडिया पर तारीफ की है। बता दें कि शुभा ने ऐसी तकनीक विकसित की है जो भारत के विमानों को सुरक्षित रूप से उड़ान भरने में सक्षम बनाती है।

महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर करते हुए लिखा, 'मैं डॉ. शुभा वी. अयंगर से बहुत प्रभावित हूं क्योंकि वह सचमुच कोहरे में प्लेन लैंड कराने में मदद करती हैं, जबकि हममें से ज्यादातर लोग जिंदगी की मुश्किलों से गुजरना सीख रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'बीएससी और एमएससी में टॉपर, उनके माता-पिता ने उन्हें सपोर्ट किया और साइंस में उनकी दिलचस्पी को

बढ़ावा दिया, ऐसे समय में जब लड़कियों को शायद ही कभी साइंस पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था।'

महिंद्रा आगे लिखते हैं, 'सीएसआईआर–एनएएल में 40 से ज्यादा साल और उन्होंने उस टीम को लीड किया जिसने दृष्टि को डेवलप किया, जिसे भारत के कोहरे, बारिश, धूल और अनिश्चितता के लिए बनाया गया है। उन्होंने लिखा, 'जब दुनिया धुंधली लगे, तो याद रखेंः किसी ने ऐसे सिस्टम बनाए हैं ताकि दूसरे लोग सुरक्षित रूप से लैंड कर सकें। वह मेरी मंडे मोटिवेशन हैं।

कौन हैं डॉ. शुभा वी. अयंगर ?

हमारे सहयोगी संस्थान टीओआई के अनुसार, डॉ. शुभा ने सेंट्रल कॉलेज, बेंगलुरु से भौतिकी में बीएससी (ऑनर्स) और एमएससी दोनों डिग्रियों में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद 1974 में एनएएल में दाखिला लिया। उन्होंने बताया है कि विज्ञान में उनकी रुचि बचपन से ही उनके पिता से प्रेरित थी, जिनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए और उन्होंने उन्हें पीएचडी करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एमएससी की पढ़ाई के दौरान ही उनके पिता का देहांत हो गया, लेकिन उन्होंने अपने काम के माध्यम से उनकी इच्छा को आगे बढ़ाया। 9 भाई-बहनों में सबसे छोटी, डॉ. शुभा अपने परिवार को अपनी ताकत मानती हैं। रिटायरमेंट के बाद के बाद भी, वे संस्थानों को सलाह देना जारी रखती हैं। उन्होंने टीओआई से कहा, 'मैं जहां भी हो सके मदद करती हूं,' जो विज्ञान के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तमिलनाडु चुनाव के लिए बीजेपी का खास अभियान

> पूर्व राज्यपाल के साथ 13 लोगों की टीम

चेन्नई, 9 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसी बीच भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का चुनावी घोषणापत्र जनकेंद्रित मुद्दों पर होगा। इसके साथ ही यह एक सुरक्षित और विकासोन्मुखी राज्य के लिए एक रोडमैप को प्रतिबिंबित करेगा।

समिति का गठन

नेता ने कहा कि घोषणापत्र का मसौदा तैयार करने के लिए पूर्व राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्याराजन की अध्यक्षता में गठित 13 सदस्यीय समिति गठित हुई है। वर्तमान में हितधारकों से परामर्श करने और छोटे व्यापारियों से लेकर उद्योगपतियों तक लोगों के सभी वर्गों के साथ बातचीत करने में लगी हुई है। इसके साथ ही लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कल्याणकारी उपायों पर विचार कर रही है।

जनता के लिए, जनता से

नेता ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया हमारे घोषणापत्र में कृषि और ग्रामीण कल्याण, मंदिर सुधार, शासन, शिक्षा और युवा कल्याण और अन्य कई मुद्दों पर महत्वपूर्ण वादे किए गए हैं। फिलहाल, हम जनता के सभी वर्गों से परामर्श कर रहे हैं और अंतिम दस्तावेज जल्द ही तैयार हो जाएगा। 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले, भगवा पार्टी ने थमरैयिन थोलाइनोक्कू₹ (कमल दृष्टि) नामक दस्तावेज जारी किया था। वहीं, इस बार, पार्टी ने जनता से राय जानने के लिए ₹मक्कलुक्कगा मक्कलिदामिरुंधु₹ (जनता के लिए, जनता से) नामक राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है। पार्टी ने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने और नागरिकों से प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए

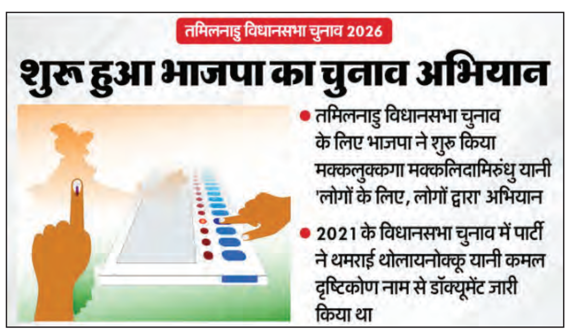

सुझाव पेटियों से सुसज्जित एक विशेष वाहन भी लॉन्च किया था। इससे पहले दिन में, सौंदराजन ने यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय कमलालयम में चुनाव घोषणापत्र समिति की बैठक की अध्यक्षता की और आगामी चुनाव के लिए प्रमुख सुझावों और जन-केंद्रित विचारों पर चर्चा की। इससे पहले पैनल ने बुनकरों से मुलाकात की थी और हथकरघा लघु उद्योग क्षेत्र को मजबूत करने के विषय पर उनसे बातचीत की थी।

ईरान बोला- यूरेनियम इनरिचमेंट बंद नहीं करेंगे

डराकर हमसे कुछ नहीं करवाया जा सकता है, अमेरिका की नीयत पर भरोसा नहीं

तेहरान, 9 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान ने अमेरिका के दबाव को सख्ती से खारिज करते हुए कहा है कि वो अपना यूरेनियम संवर्धन (यूरेनियम इनरिचमेंट) प्रोग्राम किसी भी हाल में नहीं छोड़ेगा, चाहे उसे सैन्य धमकियां मिलें या नए प्रतिबंध लगाए जाएं।

तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान को डराकर उसकी परमाणु नीति नहीं बदली जा सकती और अमेरिका की मंशा पर हमें भरोसा नहीं है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब कई सालों बाद ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में बातचीत फिर से शुरू हुई है। ईरान चाहता है कि उस पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंध हटें, जबकि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक चाहता है।

अराघची बोले- ईरान को न बताए क्या करना है

अराघची ने साफ कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान के लिए किसी भी हालत में समझौते का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश को यह अधिकार नहीं है कि वह ईरान को बताए कि उसे क्या करना चाहिए, भले ही युद्ध की धमकी क्यों न दी जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती, जैसे कि यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की मौजूदगी, ईरान को डराने में नाकाम रहेगी।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है और यह साफ नहीं है कि वाशिंगटन सच में डिप्लोमेटिक हल चाहता भी है या नहीं। उन्होंने दोहराया कि ईरान ऐसा कोई समझौता नहीं करेगा जो उसकी आजादी और सम्मान के खिलाफ हो। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर प्रतिबंधों में राहत मिलती है तो ईरान भरोसा बढ़ाने वाले कुछ कदमों पर विचार कर सकता है, लेकिन यह सब आपसी सम्मान पर निर्भर करेगा।

ईरान पर परमाणु हथियार बनाने की कोशिश का आरोप

पश्चिमी देश और इजराइल लंबे समय से आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान परमाणु हथियार बनाना चाहता है, लेकिन ईरान इस बात से इनकार करता है। अराघची ने कहा कि ईरान किसी परमाणु बम की तलाश में नहीं है और उसकी असली ताकत बड़ी शक्तियों को 'न' कहने की क्षमता है।

इस बीच अमेरिका, ईरान के आसपास लगातार अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। ईरान के साथ अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सलाहकार जारेड कुशनर ने कुछ समय पहले यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर का दौरा किया था। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह तैनाती सुरक्षा के लिए है और ट्रम्प की 'शांति के लिए ताकत' की नीति का हिस्सा है।

ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में न्यूक्लियर मुद्दे पर 6 फरवरी को बातचीत हुई थी। ट्रम्प ने इसे 'बहुत अच्छा' बताया था, जबकि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियन ने इसे शांति के लिए 'एक कदम आगे' कहा था।

एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म तड़पकर गई जान

परिजनों ने किया हंगामा डॉक्टर बोली- जेल भिजवा दूंगी

गरियाबंद, 9 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में निमोनिया से पीड़ित 35 वर्षीय मरीज की ऑक्सीजन नहीं मिलने से एंबुलेंस में मौत हो गई। एंबुलेंस में लगा ऑक्सीजन सिलेंडर पूरी तरह खाली था, जिसकी वजह से मरीज को ऑक्सीजन नहीं मिल पाई। इस वजह से उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इस दौरान परिजनों और अस्पताल की लेडी डॉक्टर के बीच जमकर बहस हुई। परिजनों ने कहा, आपको विनम्रता से बात करना चाहिए। इस पर डॉक्टर ने गुस्से में कहा- ऐसे लोगों के लिए मेरे पास विनम्रता नहीं है। विवाद तब और बढ़ गया जब परिजनों ने शव को उसी एंबुलेंस में ले जाने की बात कही। इस पर अस्पताल प्रबंधन ने शव को उसी एंबुलेंस से घर ले जाने से मना कर दिया और 108 एंबुलेंस बुलाने के लिए कहा।

जापान में 'आयरन लेडी' का उदय

सनाई तकाइची की भारी जीत से चीन की नींद उड़ी, स्वर्ण युग में भारत संग रिश्ते

टोक्यो, 9 फरवरी (एजेंसियां)। जापान की सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को रविवार को हुए आम चुनाव में लैंडस्लाइड जीत हासिल हुई है। रविवार को हुए आम चुनाव में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उसने दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। यानि प्रधानमंत्री सनाई तकाइची का अचानक से चुनाव करवाने का फैसला सही साबित हुआ है और अब वो अपने कंजर्वेटिव एजेंडो को आगे बढ़ा सकती हैं। पीएम सनाई तकाइची की पार्टी को जापानी संसद के 465 सदस्यों वाले निचले सदन में 310 सीटें हासिल हुई हैं। जिससे उन्हें अब संविधान में संशोधन करने और कानून पारित करने का अधिकार भी मिल गया है। जापान में ऐसा होना काफी मुश्किल माना जाता है।

हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि वो मनमर्जी से फैसले ले सकती हैं, क्योंकि अभी भी संसद के ऊपरी सदन हाउस ऑफ काउंसलर्स के पास उनके फैसलों को खारिज करने का अधिकार है, क्योंकि वहां सत्ताधारी गठबंधन अभी भी अल्पसंख्यक स्थिति में है। क्योटो न्यूज के मुताबिक एलडीपी युद्ध के बाद के जापान में इतनी बड़ी जीत हासिल करने वाली पहली पार्टी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापानी पीएम ताकाइची को बधाई दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि भारत-जापान संबंध अपनी मजबूत विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के जरिए वैश्विक शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा है कि प्रधानमंत्री सनाई तकाइची, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनावों में आपकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई! हमारी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुझे विश्वास है कि आपके सक्षम नेतृत्व में, हम भारत-जापान दोस्ती को और ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

सनाई तकाइची को जापान का आयरन लेडी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने पीएम बनने के बाद चीन के खिलाफ सख्त रूख अपनाया है।

मोरक्को में तूफान मार्टा से 4 लोगों की मौत

मोरक्को, 9 फरवरी (एजेंसियां)। मोरक्को में तूफान मार्टा से कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है। गौरतलब है कि देश बाढ़ से जूझ रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को बताया कि उत्तरी मोरक्को में तूफान के कारण आई अचानक बाढ़ में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। देश में कई दिनों से हो रही भारी बारिश और ओवरफ्लो हो चुके बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

राजधानी रबात से लगभग 270 किलोमीटर उत्तर में स्थित टेटुआन के पास एक गांव में कार के बह जाने से तीन बच्चों (2 से 14 वर्ष की आयु की एक लड़की और दो लड़के) और 30 वर्ष की आयु के एक व्यक्ति की मौत हो गई। गृह मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से एक बयान में यह जानकारी दी है। एक अन्य व्यक्ति अभी भी लापता है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि वे इस घटना की जांच शुरू करेंगे। मोरक्को के मौसम विज्ञान महानिदेशालय के हुसैन युआबेद ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मार्टा नामक तूफान के कारण अचानक बाढ़ आई, जो सप्ताहांत में मोरक्को में पहुंचा और उत्तरी शहरों में 92 मिमी तक बारिश हुई। तूफान मार्टा पड़ोसी देशों स्पेन और पुर्तगाल तक भी पहुंचा।

रूस में बढ़ेंगे भारतीय कामगार, रहें तैयार

पुतिन के राजदूत बोले- 70,000 के पार पहुंचेगा आंकड़ा

मॉस्को, 9 फरवरी (एजेंसियां)। रूस गंभीर लेबर संकट से गुजर रहा है। उसे काम करने के लिए लोग नहीं मिल रहे। इसका प्रमुख कारण रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक प्रतिबंध हैं। ऐसे में रूस भारत जैसे देशों से लेबर आयात कर रहा है, ताकि कमी को दूर किया जा सके। इस बीच भारत में रूसी राजदूत डेनिस एलीपोव ने कहा है कि वर्तमान में रूस में 70000 से अधिक भारतीय काम कर रहे हैं और यह आंकड़ा जल्द ही बढ़ने वाला है। इससे भारत के स्किल्ड वर्क फोर्स के लिए रोजगार के नए दरवाजे खुलने की उम्मीद है। वर्तमान में बड़ी संख्या में भारतीय दुनिया के अलग-अलग देशों में काम कर रहे हैं।

रूसी राजदूत ने भारतीय श्रमिकों पर क्या कहा?

रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस से बात करते हुए रूस के भारत में राजदूत डेनिस एलिपोव ने बताया कि अभी 70,000 से ज़्यादा भारतीय रूस में काम कर रहे हैं, और यह संख्या बढ़ने वाली है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जैसे-जैसे बिजनेस कम्युनिटी की आपसी दिलचस्पी बढ़ेगी और जो समझौते हुए हैं, उन्हें लागू किया जाएगा, यह आंकड़ा बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा, इससे लोगों के बीच ज़्यादा गहरे संबंध बनेंगे, और इसलिए, मानवीय और व्यापारिक संबंधों का और विस्तार होगा।

सतत विकास के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ संबंधों के लिए रूस के विशेष प्रतिनिधि बोरिस टिटोव ने आरआईए नोवोस्ती से बात करते हुए कहा कि 2026 में कम से कम 40,000 भारतीय कामगारों के रूस जाने की उम्मीद है। मॉस्को में भारतीय राजदूत विनय कुमार ने भी बताया है कि 2025 के अंत तक रूस में 70,000 से 80,000 भारतीय नागरिक कार्यरत हैं। भारतीय श्रमिकों को रूस भेजे जाने पर सहमति दिसंबर 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बैठक में बनी थी। दोनों देशों के बीच हुए समझौते के तहत रूस ने 2026 के लिए 70,000 से अधिक भारतीय नागरिकों के कोटे की योजना बनाई गई है।

रूस में भारतीय कामगारों का वेतन कितना होता है?

रूस में कम कुशल भारतीय कामगारों का वेतन 475 यूरो से 950 यूरो (555 डॉलर से 1,111 डॉलर) प्रति माह तक होता है। डीडब्लू ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि रूस में भारतीय कामगारों की संख्या लगातार बढ़ ही है।

इटली के पहाड़ों में एक हफ्ते में मारे गए 13 पर्वतारोही

ताजा बर्फबारी से और बिगड़े हालात

रोम, 9 फरवरी (एजेंसियां)। इटली में पिछले सप्ताह पहाड़ों में रिकॉर्ड 13 बैककंट्री स्कीयर, पर्वतारोहियों और हाइकरों की मौत हो गई है, जिनमें से 10 की मौत हिमस्खलन में हुई है, जो असाधारण रूप से अस्थिर हिमपात के कारण हुआ था। यह घटना ऐसे समय में हुआ, जब शीतकालीन ओलंपिक प्रतियोगिताएं शुरू हुई थीं। इटली के पर्वतीय बचाव दल ने सोमवार को बताया कि हाल के तूफानों के दौरान हुई ताजा बर्फबारी और कमजोर आंतरिक परतों पर हवा से उड़कर जमा हुई बर्फ ने फ्रांस, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया की सीमाओं के साथ लगे पूरे अल्पाइन क्षेत्र में विशेष रूप से खतरनाक स्थिति पैदा कर दी है।

इटली के अल्पाइन रेस्क्यू कोर के प्रवक्ता फेडेरिको कैटानिया ने कहा, 'ऐसी परिस्थितियों में, एक भी स्कीयर का गुजरना, या बर्फ के वजन से प्राकृतिक रूप से अधिक भार पड़ना, हिमस्खलन को ट्रिगर करने के लिए पर्याप्त हो सकता है।' हिमस्खलन से होने वाली मौतें उन ढलानों पर हुईं, जिनकी ठीक से देखभाल नहीं की गई थी, जो स्विस सीमा पर लोम्बार्डी और वेनेटो में कोर्टिना डी'एम्पेज़ो में अच्छी तरह से बनाए गए और निगरानी वाले ओलंपिक स्थलों से दूर थीं, साथ ही ट्रेंटिनो के स्वायत्त प्रांत में वैल डी फिएमे में क्रॉस-कंट्री स्कीइंग के दौरान भी ये मौतें हुईं। कैटानिया ने कहा "नियंत्रित स्की रन के भीतर स्कीइंग करने वाले लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। विशेष रूप से ओलंपिक स्थलों के लिए कोई जोखिम नहीं है।

एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर नॉर्वे की राजदूत का इस्तीफा

यौन अपराधी से संपर्क को लेकर था विवाद

ओस्लो, 9 फरवरी (एजेंसियां)। नॉर्वे की राजनयिक और जॉर्डन में तैनात राजदूत मोना यूल ने इस्तीफा दे दिया है। उन पर अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से संपर्क को लेकर सवाल उठे थे। नॉर्वे के विदेश मंत्रालय ने रविवार शाम उनके इस्तीफे की पुष्टि की।

मामला सामने आने के बाद मोना यूल को कुछ दिन पहले ही जॉर्डन में राजदूत के पद से निलंबित किया गया था। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एपस्टीन ने 2019 में जेल में आत्महत्या से पहले बनाई गई वसीयत में यूल और उनके पति के बच्चों के लिए 1 करोड़ डॉलर छोड़े थे। नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे ने कहा कि मोना यूल का इस्तीफा सही और जरूरी फैसला है। उन्होंने कहा कि दोषी यौन अपराधी के साथ संपर्क गंभीर निर्णयहीनता को दर्शाता है और ऐसे हालात में राजनयिक पद के लिए जरूरी भरोसा बहाल करना मुश्किल हो जाता है।

विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि यूल को एपस्टीन के बारे में कितनी जानकारी थी और उनके संपर्क किस तरह के थे, इसकी जांच जारी रहेगी। यूल मंत्रालय के साथ सहयोग करती रहेंगी ताकि पूरे मामले को स्पष्ट किया जा सके।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि न्यूयॉर्क स्थित थिंक टैंक 'इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट' को दी गई फंडिंग और उससे जुड़े संपर्कों की समीक्षा शुरू कर दी गई है। यह संस्थान उस समय यूल के पति टेर्ये रोड-लार्सन के नेतृत्व में था। विदेश मंत्री ने कहा कि रोड-लार्सन ने भी एपस्टीन को लेकर खराब निर्णय लिया था।

मोना यूल और उनके पति 1990 के दशक में इजराइल-फिलिस्तीन शांति प्रक्रिया से जुड़े ऐतिहासिक ओस्लो समझौते को आगे बढ़ाने वालों में शामिल रहे हैं। पिछले हफ्ते नॉर्वे की समाचार एजेंसी एनटीबी को दिए बयान में यूल ने माना था कि एपस्टीन से संपर्क को कमतर बताना सही नहीं था। उन्होंने कहा कि यह संपर्क उनके पति के जरिए हुआ था और उनका एपस्टीन से कोई स्वतंत्र सामाजिक या पेशेवर रिश्ता नहीं था।

हॉन्गकॉन्ग के मीडिया दिग्गज जिमी लाई को 20 साल की जेल

हॉन्गकॉन्ग, 9 फरवरी (एजेंसियां)। हॉन्गकॉन्ग में लोकतंत्र समर्थक और पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को 20 साल जेल की सजा सुनाई गई है। जिमी लाई चीन के कट्टर विरोधी माने जाते हैं और उन्हें यह सजा चीन के विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत ही सुनाई गई है। जिमी लाई को बीते साल दिसंबर में विदेशी ताकतों के साथ मिलकर साजिश रचने और बगावत करने का दोषी ठहराया गया था। जिमी लाई एपल डेली न्यूजपेपर के मालिक थे, लेकिन अब यह अखबार बंद हो चुका है।

पुतिन से नजदीकी बढ़ाना चाहता था यौन अपराधी एपस्टीन

नए दस्तावेजों से खुलासा, रूस की मदद करने का ऑफर दिया था

वॉशिंगटन/मॉस्को, 9 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका जस्टिस डिपार्टमेंट (डीओजे) के नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीब जाने की कोशिश कर रहा था। एपस्टीन ने कई मौकों पर पुतिन और उनके करीबी अधिकारियों तक पहुंच बनाने के प्रयास किए।

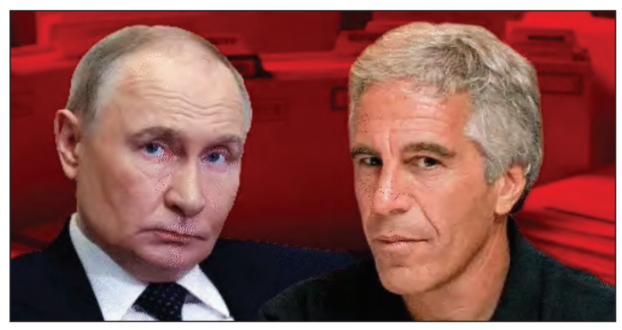

एपस्टीन 2018 में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के जरिए पुतिन तक अपनी बात पहुंचाना चाहता था। उसने इसके लिए नॉर्वे के पूर्व पीएम थॉर्बजॉर्न यागलैंड से संपर्क किया था।

जून 2018 के एक ईमेल में एपस्टीन ने नॉर्वे के पूर्व पीएम थोर्ब्योर्न यागलैंड से कहा था कि वह पुतिन को यह सुझाव दें कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव उससे बातचीत करें। दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन खुद को एक ऐसे प्रभावशाली व्यक्ति के तौर पर पेश कर रहा था, जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति और निवेश जैसे मुद्दों पर रूस की मदद कर सकता है।

दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि एपस्टीन न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में रूस के तत्कालीन राजदूत विटाली चुरकिन के साथ नियमित संपर्क में था।

विटाली चुरकिन 2006 से 2017 तक संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि रहे। इसी दौरान एपस्टीन की उनसे न्यूयॉर्क में मुलाकातें और बातचीत होती थीं।

एपस्टीन ने चुरकिन के बेटे मैक्सिम को न्यूयॉर्क की एक वेल्थ मैनेजमेंट फर्म में नौकरी दिलाने में मदद की पेशकश भी की थी। यह बात एपस्टीन के ईमेल्स में सामने आई है। एपस्टीन ने चुरकिन को लेकर यह भी दावा किया कि वह उसकी बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को बेहतर तरीके से समझने लगे थे। हालांकि दस्तावेजों में इस दावे का कोई सबूत नहीं मिला है। फरवरी 2017 में विटाली चुरकिन की न्यूयॉर्क में अचानक मौत हो गई थी।

इसके बाद एपस्टीन ने 2018 के एक ईमेल में लिखा कि अब वह रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के जरिए फिर से संपर्क बनाना चाहता है।

दस्तावेज बताते हैं कि मई 2013 में एपस्टीन ने इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक को ईमेल कर कहा था कि यागलैंड पुतिन से मिलने वाले हैं और उन्होंने पूछा है कि क्या एपस्टीन भी पुतिन से मिल सकता है।

लेबनान में इजरायली सेना की बड़ी कार्रवाई

हमास के सहयोगी संगठन के शीर्ष नेता को किया गिरफ्तार

बेरूत, 9 फरवरी (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान से हमास के सहयोगी और सुन्नी नेता को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक इस्राइली ड्रोन हमले में बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव का हिस्सा है, जिसमें अब तक हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

इजरायली सेना ने सोमवार सुबह दक्षिणी लेबनान में एक विशेष ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में सेना ने सुन्नी इस्लामी समूह 'अल-जमा अल-इस्लामिया' के स्थानीय अधिकारी और फिलिस्तीनी हमास समूह के एक सहयोगी को पकड़ लिया। इजरायली सैनिक उसे सीमा के पास हेब्बारियेह गांव से पकड़कर पूछताछ के लिए इजरायल ले गए। सेना ने बताया, यह कार्रवाई खुफिया जानकारी की मदद से की है। इस्लामी समूह 'अल-जमा अल-इस्लामिया' ने इस गिरफ्तारी का कड़ा विरोध किया है।

संगठन ने इसे लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और लेबनानी सरकार से उसकी रिहाई की मांग करने का आग्रह किया। यह संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड की लेबनानी शाखा है। इसकी सशस्त्र इकाई 'फजर फोर्सेज' के नाम से जानी जाती है।

अक्टूबर 2023 में इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से फजर फोर्सेज ने हिजबुल्लाह के साथ मिलकर इजरायल पर रॉकेट दागे थे। जिसके बारे में उसने कहा कि यह गाजा में हमास के समर्थन में था। मुस्लिम ब्रदरहुड को मध्य पूर्व के कई देशों में आतंकी समूह माना जाता है।

पिछले महीने ट्रंप प्रशासन ने भी इसकी लेबनानी, जॉर्डन और मिस्र की शाखाओं को आतंकी संगठन घोषित किया था।

अल-जमा अल-इस्लामिया के नेता मोहम्मद तक्कुश ने इस्राइल-हिजबुल्लाह युद्ध के दौरान स्पष्ट किया कि उनके समूह ने सीरिया और यमन संघर्षों पर हिजबुल्लाह के साथ अपने पुराने मतभेदों को दरकिनार कर दिया है, ताकि इस्राइल के खिलाफ एकजुट होकर लड़ा जा सके। हिजबुल्लाह ने आठ अक्टूबर 2023 को हमास के समर्थन में इजरायल पर हमले शुरू किए थे।

इसके जवाब में इजरायल ने पहले संचार उपकरणों (पेजर) को निशाना बनाया, फिर बड़े हवाई हमलों के जरिए हिजबुल्लाह के नेतृत्व (हसन नसरल्लाह सहित) को खत्म कर उसे कमजोर किया।

अंततः एक अक्टूबर 2024 को इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में जमीनी हमला किया। यह संघर्ष 14 महीने तक चलने के बाद नवंबर 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए सीजफायर के साथ थमा।

फ्रांस के राफेल जेट की तुलना में कहां ठहरता है ग्रिपेन?

स्वीडन ने भारत को दिया बड़ा ऑफर

नई दिल्ली/स्टॉकहोम, 9 फरवरी (एजेंसियां)। राफेल लड़ाकू विमान सौदे पर फ्रांस-भारत के बीच इस महीने सौदा हो सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपकि इमैनुएल मैक्रों AI समिट में हिस्सा लेने नई दिल्ली आने वाले हैं। इससे पहले डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल से राफेल लड़ाकू विमान के सौदे के लिए सहमति मिल सकती है। लेकिन इन सबके बीच स्वीडन की लड़ाकू विमान कंपनी साब (एसएएबी) ने अपने ग्रिपेन फाइटर जेट का बड़ा ऑफर भारत को दिया है। साब पहले भी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ ग्रिपेन लड़ाकू विमान का प्रस्ताव लेकर भारत आ चुकी है, लेकिन भारतीय वायुसेना ने राफेल के साथ ही जाने का फैसला किया।

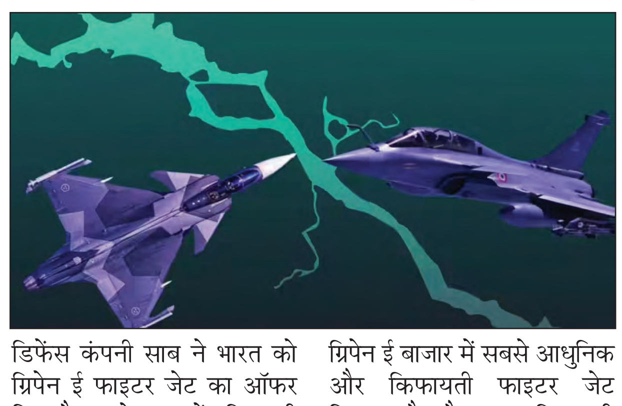

अब एक बार फिर से स्वीडिश डिफेंस कंपनी साब ने भारत को ग्रिपेन ई फाइटर जेट का ऑफर दिया है। इसने भारत में दुनिया की सबसे एडवांस्ड एयरोस्पेस इंडस्ट्री बनाने का लुभावना प्रस्ताव रखा है। ग्रिपेन के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और साब में बिजनेस एरिया एयरोनॉटिक्स के वाइस प्रेसिडेंट मिकेल फ्रेंजेन ने सिंगापुर एयरशो में पत्रकारों से कहा कि ग्रिपेन ई बाजार में सबसे आधुनिक और किफायती फाइटर जेट सिस्टम है और यह दुनिया की लीडिंग सेंसर फ्यूजन, नेटवर्किंग क्षमताओं और तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फीचर्स के जरिए भारतीय वायु सेना की हवाई ताकत को काफी बढ़ाएगा।

भारतीय सेना ग्रिपेन को भाव देगी, इसकी उम्मीद अब काफी कम है। फिर भी इस लड़ाकू विमान की क्षमता जानना जरूरी है। हमने इस रिपोर्ट में राफेल लड़ाकू विमान के साथ ग्रिपेन फाइटर जेट की क्षमता की तुलना की है। हमने इस तुलना में राफेल के एफ 4 वैरिएंट को लिया है, क्योंकि भारतीय वायुसेना के लिए एफ 4 वैरिएंट खरीदने का प्रस्ताव रखा गया है।

इंजन- राफेल F4 लड़ाकू विमान में दो इंजन हैं, जबकि साब ग्रिपेन ई में एक इंजन है।

पेलोड क्षमता- राफेल में 14 हार्डप्वाइंट हैं, 9500 किलो पेलोड क्षमता है। साब ग्रिपेन ई में 10 हार्डप्वाइंट हैं, पेलोड क्षमता 7200 किलो है।

रफ्तार- राफेल की रफ्तार मैक 1.8 है, साब ग्रिपेन की स्पीड मैक 2.0 की है। दोनों में सुपरक्रूज क्षमता है।

15 फरवरी को महाशिवरात्रि

करौली। महादेव की आराधना का सबसे पावन पर्व महाशिवरात्रि इस वर्ष 15 फरवरी, रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। पंचांग के अनुसार, यह पर्व प्रत्येक वर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस रात्रि को अत्यंत चमत्कारी और रहस्यमयी माना गया है। इसी कारण इसे महाशिवरात्रि कहा जाता है। इस पावन रात्रि में श्रद्धालु भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए व्रत, पूजन, रुद्राभिषेक और विविध धार्मिक उपाय करते हैं। लेकिन बहुत कम लोग महाशिवरात्रि के मूल आध्यात्मिक महत्व को गहराई से जानते हैं।

करौली के प्रसिद्ध ज्योतिषी पं. दीपक शर्मा बताते हैं कि महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा के जागरण की रात्रि है। उनका कहना है कि वर्ष 2026 में यह पर्व 15 फरवरी को शुभ संयोग में मनाया जाएगा। शास्त्रों में शिवरात्रि को सबसे शक्तिशाली रात्रियों में से एक बताया गया है। यह हिंदू धर्म की प्रमुख आध्यात्मिक रात्रियों में शामिल है, जिसमें साधना और तप का विशेष महत्व होता है।

पं। दीपक शर्मा के अनुसार, शिवरात्रि में मध्यरात्रि या मध्यकाल का समय सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना गया है, जिसे निषेध काल भी कहा जाता है। यही वह समय होता है जब भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इस काल में किया गया जप, ध्यान और अभिषेक अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

क्यों मनाई जाती है महाशिवरात्रि

पंडित शर्मा बताते हैं कि शिवरात्रि मनाने के पीछे केवल एक ही कथा नहीं, बल्कि अनेक दिव्य रहस्य और मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। मान्यता है कि इसी पावन रात्रि में भगवान शिव ज्योतिर्लिंग स्वरूप में प्रकट हुए थे। यही वह रात्रि मानी जाती है जब माता पार्वती ने कठोर तपस्या के बाद भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। शिवरात्रि को अज्ञान के अंत और ज्ञान के उदय का प्रतीक भी माना जाता है। यह पर्व मानव को कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। आध्यात्मिक दृष्टि से भगवान शिव को योगी, ध्यानी और मौन साधक के रूप में देखा जाता है।

शिवरात्रि पर अवश्य करें ये कार्य

पं। दीपक शर्मा बताते हैं कि महाशिवरात्रि की रात्रि में शिव तत्व और पृथ्वी तत्व अत्यंत सक्रिय रहते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को इस दिन ध्यान, जप और तप अवश्य करना चाहिए। इस रात्रि में की गई साधना कई गुना फल देने वाली मानी जाती है। महाशिवरात्रि को मन को शांत करने, कर्मों को शुद्ध करने और जीवन की दिशा को सकारात्मक रूप से बदलने वाली रात्रि कहा गया है।

खरगोन में महादेव का 375 साल पुराना मंदिर! महाशिवरात्रि को अद्भुत दर्शन

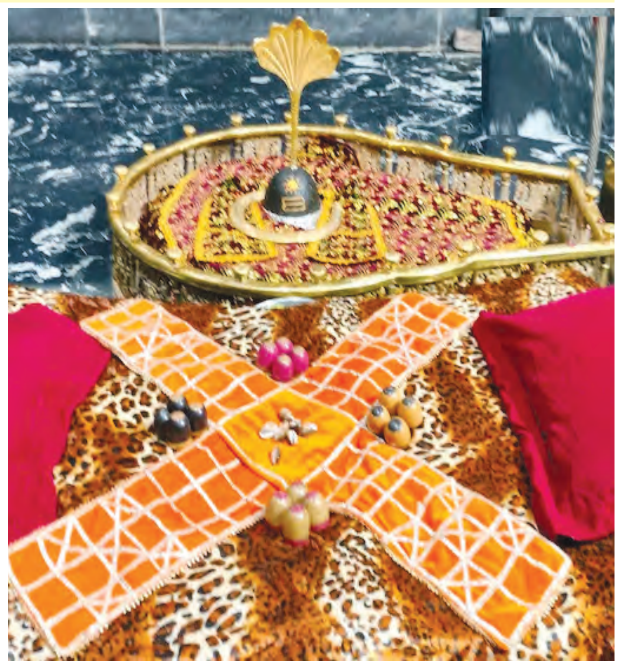

सिद्धनाथ महादेव मंदिर, खरगोनः मध्य प्रदेश के खरगोन में स्थित श्री सिद्धनाथ महादेव मंदिर लोगों की आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है। शहर के अधिष्ठाता देव माने जाने वाले बाबा सिद्धनाथ महादेव के इस प्राचीन मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व बेहद खास होता है। वजह है एक अनोखी परंपरा साल में सिर्फ एक बार, महाशिवरात्रि की रात को भक्तों को बाबा के शयन दर्शन होते हैं।

375 साल पुराना मंदिर, गहरी आस्था की जड़ें

यह मंदिर खरगोन के सबसे पुराने मंदिरों में गिना जाता है। मान्यता है कि इसकी स्थापना करीब 375 साल पहले, सन 1651 में मल्लिवाल परिवार द्वारा की गई थी। मंदिर से जुड़ी मान्यताएं और चमत्कार इसे बाकी शिव मंदिरों से बिल्कुल अलग बनाते हैं। महाशिवरात्रि पर यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और अलसुबह से देर रात तक पूजन-अर्चन का सिलसिला चलता रहता है।

तड़के 3 बजे खुलते हैं पट, ब्रह्म मुहूर्त में विशेष आरती

मंदिर समिति अध्यक्ष मनोज भावसार बताते हैं कि महाशिवरात्रि के दिन मंदिर के पट तड़के 3 बजे खोल दिए जाते हैं। ब्रह्म मुहूर्त में बाबा सिद्धनाथ महादेव की विशेष श्रृंगार आरती होती है। इसके बाद सुबह से लेकर शाम तक अभिषेक और पूजन चलता रहता है। श्रद्धालु बाबा से शहर की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

दूल्हा बनते हैं बाबा, रात में होती है महाआरती

शाम के समय बाबा का विशेष श्रृंगार किया जाता है। उन्हें साफा पहनाकर दूल्हा रूप में सजाया जाता है। रात करीब 8:30 बजे महाआरती होती है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। इसके बाद साबूदाना खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया जाता है, जो वर्षों पुरानी परंपरा है।

साल में एक बार शयन दर्शन का दुर्लभ सौभाग्य महाशिवरात्रि की रात ठीक 12 बजे भक्तों को बाबा सिद्धनाथ महादेव के शयन दर्शन कराए जाते हैं। इस दौरान भगवान को शयन अवस्था में विराजमान किया जाता है। दिनभर महिलाएं बिलास की बत्ती जलाती हैं और भजन-कीर्तन से बाबा की आराधना करती हैं।

रात में चौसर खेलने आते हैं भोलेनाथ!

मंदिर के पुजारी हरीश गोस्वामी बताते हैं कि रोज रात शयन आरती के बाद शिवलिंग के सामने चौसर बिछाई जाती है। सुबह जब मंदिर खुलता है तो चौसर बिखरी हुई मिलती है। मान्यता है कि भगवान शिव माता पार्वती के साथ रात में चौसर खेलने आते हैं।

सांप की समाधि पर स्थापित है शिवलिंग

इस मंदिर की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां स्थापित शिवलिंग किसी मनुष्य की नहीं, बल्कि एक सांप की समाधि पर स्थापित है, जिसका नाम सिद्धू था। कहा जाता है कि सिद्धू का जन्म मल्लिवाल परिवार की एक महिला के गर्भ से हुआ था। आज भी महाशिवरात्रि के दिन मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजा मल्लिवाल परिवार द्वारा ही चढ़ाई जाती है।

वेलेंटाइन वीक में शुक्र बदलने जा रहे हैं नक्षत्र

शुक्र ग्रह 11 फरवरी 2026 को शतभिषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। वेलेंटाइन वीक में शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन करना कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ साबित हो सकता है, आइए जानते हैं इन राशियों के बारे में।

शुक्र ग्रह 11 फरवरी की सुबह राहु के नक्षत्र शतभिषा में गोचर कर जाएंगे। शुक्र और राहु आपस में मित्र हैं इसलिए शुक्र का यह नक्षत्र परिवर्तन कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ साबित हो सकता है। वेलेंटाइन वीक में शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन करने से कुछ राशियों को प्रेम जीवन के साथ ही जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए यह गोचर शुभ साबित होगा।

वृषभ राशि

शुक्र आपकी ही राशि के स्वामी हैं। ऐसे में मित्र ग्रह राहु के नक्षत्र में इनका प्रवेश आपके लिए शुभ साबित होगा। वेलेंटाइन वीक में लव पार्टनर के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं। वहीं कुछ सिंगल लोगों को मिंगल करते भी देखा जा सकता है। रोमांस की अधिकता आपके जीवन में रहेगी। इसके साथ ही आर्थिक पक्ष में भी सुधार आने की संभावना है। कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना है।

सिंह राशि

शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन करना आपके लिए भी शुभ साबित हो सकता है। आपके वैवाहिक जीवन में प्रेम और स्नेह बढ़ सकता है। इसके साथ ही कुछ लोग प्रेम के बंधन में भी बंध सकते हैं। पारिवारिक जीवन में आप अपनी बातों से लोगों का दिल जीतने में कामयाब होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी छवि में भी सुधार देखने को मिल सकता है। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है।

तुला राशि

शुक्र आपके प्रेम जीवन में रोमांस और रोमांच लाएंगे। अगर किसी को प्यार करते हैं और इजहार करने में झिझक रहे हैं तो शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन के बाद आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है और आप प्रेम प्रस्ताव रख सकते हैं। जो लोग पहले से ही प्रेम संबंधों में हैं शुक्र उनके जीवन में तरोताजगी लेकर आएंगे। वेलेंटाइन वीक के आखिरी कुछ दिन इस राशि के जातकों के लिए यादगार साबित हो सकते हैं।

मकर राशि

शुक्र आपकी राशि के स्वामी शनि के मित्र हैं ऐसे में नक्षत्र परिवर्तन के बाद शुक्र आपको भी अनुकूल परिणाम दिलाएंगे। आप दिल की बातों को खुलकर अपने पार्टनर के सामने रख सकते हैं जिससे गिले शिकवे दूर होंगे। इस राशि के जातकों को पार्टनर से कोई सरप्राइज गिफ्ट भी मिल सकता है। पैतृक संपत्ति से इस राशि के कुछ जातकों को लाभ मिल सकता है। करियर के क्षेत्र में भी उन्नति के पथ पर अग्रसर होंगे।

महाशिवरात्रि का पावन पर्व 15 फरवरी 2026 को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव की पूजा के साथ ही ग्रहों की प्रतिकूल दशाओं में मिलने वाले बुरे प्रभावों को दूर करने के उपाय भी किए जाए हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि अगर आप राहु की महादशा की चपेट में हैं तो किन उपायों को करने से आपको राहु की महादशा में भी शुभ फल मिल सकते हैं और राहु का बुरा प्रभाव कम हो सकता है।

महाशिवरात्रि पर इन उपायों को करने से राहु की महादशा में भी मिलेंगे शुभ फल

दूर्वा से करें रुद्राभिषेक- राहु की महादशा के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए आपको महाशिवरात्रि के दिन जल में दूर्वा (दूब घास) डालकर शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। इस उपाय को करने से राहु की महादशा में मिलने वाले बुरे प्रभावों का असर कम होने लगता है। साथ ही भगवान शिव की कृपा से आपके बिगड़ते काम भी बनने लगते हैं।

इन चीजों का करें दान- महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आपको राहु से संबंधित चीजों का दान करना चाहिए। आप कंबल, सरसों का तेल, काले तिल, नारियल, नीला कपड़ा आदि दान में दे सकते हैं। इन चीजों का दान करने से राहु के शुभ प्रभाव मिलने शुरू हो सकते हैं। वहीं दान में इन चीजों को देने से आपको मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।

इन मंत्रों का करें जप- महाशिवरात्रि के दिन आपको जल से पहले शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए और उसके बाद शिवजी के मंत्र 'ॐ नमः शिवाय' का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए। इसके बाद राहु ग्रह के मंत्र 'ॐ राहवे नमः' का कम से कम 108 बार जप आपको करना चाहिए। इन मंत्रों का जप करने से राहु कुंडली में अनुकूल होने लगता है।

जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कैसे अपनाएं ?

हकीम लुकमान बड़े विद्वान थे। बचपन में वह गुलाम थे। अपने मालिक की मर्जी के अनुसार ही चला करते थे। वह दिन-रात मालिक की सेवा में ही लगे रहते थे। मालिक ने एक दिन लुकमान को जानबूझ कर एक कड़वी ककड़ी खाने को दी व कहा, लो यह ककड़ी खाओ।

मालिक ने सोचा था कि लुकमान इसे चखते ही फैंक देगा। मगर यह क्या? लुकमान वह पूरी ककड़ी बिना कुछ कहे खा गए। उनके मुंह के हाव-भाव ने ऐसा भी न महसूस होने दिया कि ककड़ी उन्हें कड़वी लगी। मालिक ने पूछा, वह ककड़ी तो कड़वी थी उसे तू पूरी ही खा कैसे गया?

लुकमान ने कहा, मालिक आप मुझे रोज ही खाने-पीने की कितनी चीजें देते हैं, उन्हीं के सहारे मेरा जीवन चल रहा है। आपने मुझे जब हमेशा इतनी सारी अच्छी वस्तुएं दीं व उन्हें मैंने स्वीकार कर अपना जीवन चलाया तो आज यदि कड़वी चीज आ गई तो उसे भी मैं स्वीकार क्यों न करता?

लुकमान ने कहा, मालिक मुझे तो तेरी बगिया में रहना है मुझे तो तेरे फूलों से भी उतना ही प्यार है जितना तेरे कांटों से।

मालिक समझदार था, उसने बात समझी और वह विचार करने लगा सच है उस मालिक ने हमें जन्म दिया, हमारा पालन किया व हमें इतने सुख में रखा तो यदि कभी-कभी हम विपत्तियों में पड़ जाएं व हमारे जीवन में प्रतिकूलताएं आएं तो उन्हें प्रभु का प्रसाद मानकर स्वीकार करना चाहिए।

मालिक ने लुकमान से कहा, तुमने मुझे बड़ा सबक सिखाया है कि जो परमात्मा हमें तरह-तरह के सुख देता है, उसके हाथ से अगर कभी दुख भी मिले तो उसे खुशी से भोगना चाहिए। मालिक ने लुकमान का बड़ा सम्मान किया व उसी दिन लुकमान को आजाद कर दिया।

वैलेंटाइन डे पर इन राशियों को मिलेगा ड्रीम प्रपोजल, कौन हैं वो 4 लकी राशियां

वैलेंटाइन डे आते ही दिल की धड़कनें कुछ तेज़ हो जाती हैं। गुलाब, चॉकलेट और मैसेज से भरे इस मौसम में हर कोई यही सोचता है क्या इस बार कुछ खास होगा? 14 फरवरी 2026 सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि कई लोगों के लिए भावनाओं का इम्तिहान बनने वाला है। ज्योतिष की मानें तो इस बार ग्रहों की चाल कुछ अलग कहानी लिख रही है। खासतौर पर प्रेम और रिश्तों के मामले में।

अगर आप लंबे समय से किसी को पसंद करते हैं, मन ही मन प्रपोजल का सीन रिहर्सल कर चुके हैं, या किसी जवाब का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो यह वैलेंटाइन डे उम्मीदों से भरा हो सकता है। सितारों का इशारा है कि चार राशियों के लिए यह दिन यादगार बनने वाला है। कहीं आप भी तो उनमें शामिल नहीं? चलिए जानते हैं, वैलेंटाइन डे 2026 पर किसकी लव स्टोरी लेगी नया मोड़।

ग्रहों की चाल और प्यार का कनेक्शन 2026 के वैलेंटाइन डे के आसपास शुक्र, मंगल और चंद्रमा की स्थिति प्रेम के लिए अनुकूल मानी जा रही है। ये ग्रह भावनाओं, आकर्षण और रिश्तों की गहराई को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि कुछ राशियों को इस दौरान अप्रत्याशित लेकिन सुखद प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मेष राशि: साहस रंग लाएगा मेष राशि वालों के लिए यह वैलेंटाइन डे दिल से खेलने का नहीं, दिल खोलने का दिन है। मंगल की मजबूत स्थिति आपको आत्मविश्वास देगी। मन की बात कहने का सही मौका अगर आप किसी दोस्त या सहकर्मी को पसंद करते हैं, तो इस दिन सामने से संकेत मिल सकते हैं। कई बार ऐसा होगा कि जिसकी उम्मीद नहीं थी, वही अपने दिल की बात कह दे। बातचीत सहज रहेगी और जवाब भी सकारात्मक।

वृषभ राशि: शुक्र की खास कृपा वृषभ राशि के स्वामी खुद प्रेम के ग्रह शुक्र हैं, और इस बार वे पूरी तरह आपके पक्ष में खड़े हैं। आकर्षण बढ़ेगा, प्रपोजल मिलेगा आपका व्यक्तित्व इस दिन अलग ही चमक बिखेरेगा। ऑफिस, कॉलेज या सोशल सर्कल में कोई खास व्यक्ति अचानक अपने जज़्बात जाहिर कर सकता है। जो लोग रिलेशनशिप में हैं, उनके लिए रोमांस और भरोसा दोनों बढ़ेगा।

तुला राशि: रिश्ते होंगे और गहरे तुला राशि वालों के लिए वैलेंटाइन डे सिर्फ रोमांस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कमिटमेंट की बात भी आगे बढ़ सकती है। पुराने क्रश की एंट्री जो लोग पहले से रिलेशनशिप में हैं, उन्हें शादी या सगाई जैसे संकेत मिल सकते हैं। वहीं सिंगल्स के लिए अचानक किसी पुराने क्रश का मैसेज या कॉल दिल की धड़कन बढ़ा सकता है।

मीन राशि: भावनाओं को मिलेगा सम्मान मीन राशि वाले दिल से सोचते हैं, और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। दिल को छू लेने वाला प्रपोजल 2026 का वैलेंटाइन डे आपको ऐसा प्रस्ताव दे सकता है, जो सिर्फ रोमांटिक नहीं बल्कि भावनात्मक रूप से भी मजबूत होगा। किसी यात्रा, पार्टी या इवेंट के दौरान प्यार का इज़हार हो सकता है, जो लंबे रिश्ते की नींव बनेगा।

वैलेंटाइन डे 2026 चार राशियों मेष, वृषभ, तुला और मीन के लिए प्यार की नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। सही समय, सही एहसास और थोड़ी-सी हिम्मत आपकी लव स्टोरी को खास बना सकती है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 10 फरवरी - 2026

बराबरी की शर्त पर डील

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आई ताज़ा प्रगति को गहनता से देखें तो यह संतुलन और व्यावहारिकता की जीत लगती है। लंबी कूटनीतिक रस्साकशी का परिणाम है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ को घटाकर 18% करने का फैसला लेना पडा। लगभग छह महीनों से अटकी बातचीत का इस स्तर तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारत ने अपने हितों से समझौता किए बिना बातचीत आगे बढ़ाया है। लेकिन विपक्ष की बातों पर ध्यान दिया जाए तो यह तस्वीर जितनी सकारात्मक दिखती है, उतनी सरल नहीं है। इस डील से सबसे बड़ा फायदा निर्यात सेक्टर को मिलता दिख रहा है। पहले ऊंचे टैरिफ के कारण भारतीय उत्पाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कमजोर पड़ रहे थे। बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे देशों के मुकाबले भारतीय निर्यातक काफी दबाव महसूस कर रहे थे। अब टैरिफ कम होने से प्रतिस्पर्धा में सुधार आएगा और विदेशी बाजारों में भारतीय उत्पादों की पकड़ मजबूत होगी। इसके बाद भी सवाल है कि क्या 18% भी लंबे समय के लिए स्वीकार्य स्तर पर है? अगर बातचीत आगे बढ़ती है तो भारत को इसे और कम कराने की कोशिश जारी रखनी होगी। इस समझौते का सबसे संवेदनशील पहलू किसानों के हितों से जुड़ा है। भारत ने साफ संकेत दिया है कि कृषि सेक्टर उसकी रेड लाइन है। अमेरिका और भारत के किसानों के बीच संसाधन, तकनीक और सब्सिडी का भारी अंतर है। ऐसे में कृषि बाजार को पूरी तरह खोलना भारतीय किसानों के लिए खतरनाक साबित हो सकता था। भारत द्वारा गेहूं, चावल, मक्का और डेयरी उत्पादों में रियायत न देना रणनीतिक और जरूरी फैसला माना जाएगा। यह सरकार की घरेलू सामाजिक-आर्थिक संतुलन बनाए रखने की मजबूरी भी है। जीरो टैरिफ की बहस भी इस समझौते का अहम हिस्सा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में एंट्री मिलती है तो बदले में भारतीय उत्पादों को भी समान अवसर मिलना चाहिए। खासतौर पर फार्मा सेक्टर के लिए यह बड़ा मौका हो सकता है। बताना जरूरी है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवा उत्पादक है और अगर अमेरिकी बाजार में और आसान पहुंच मिलती है तो यह उद्योग कई गुना बढ़ सकता है। हालांकि तेल आयात को लेकर चिंता अभी खत्म नहीं हुई है। अगर अमेरिका इस क्षेत्र में दबाव बढ़ाता है तो यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता पर असर डाल सकता है। भारत के लिए तेल सिर्फ व्यापार नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा भी है। इसलिए इस क्षेत्र में जल्दबाजी में कोई समझौता करना जोखिम भरा हो सकता है। कुल मिलाकर यह डील भारत की कूटनीतिक परिपक्वता दिखाती है, लेकिन इसे अंतिम जीत कहना अभी जल्दबाजी होगी। असली परीक्षा आगे की बातचीत में होगी, जहां भारत को निर्यात बढ़ाने, किसानों की सुरक्षा करने और रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना होगा। अगर यह संतुलन बना रहता है, तभी यह समझौता ऐतिहासिक माना जाएगा, वरना यह सिर्फ एक अस्थायी राहत बनकर रह जाएगा।

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।

दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।

पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है।

भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं।

इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कुपोषण से लड़ने और स्वास्थ्य सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

योगी का चाइनीज मांझे पर ताजा आदेश सभी प्रदेशों लागू हो

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश में चाइनीज मांझे को लेकर योगी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि चाइनीज मांझे से होने वाली मौत को अब हादसा नहीं, बल्कि हत्या माना जाएगा। इस फैसले के बाद प्रदेश भर में चाइनीज मांझे की बिक्री और भंडारण के खिलाफ विशेष अभियान शुरू हो गया है।मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पुलिस और प्रशासन को संयुक्त रूप से छापेमारी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में चाइनीज मांझा पहले से ही प्रतिबंधित है, इसके बावजूद कई स्थानों पर इसकी खुलेआम बिक्री हो रही थी। इसव मान लेना चाहिए कि जब जागे तब हुआ सवेरा . क्योकि जानलेवा चाइनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा था । उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई इलाकों में कई वर्षों से मांझे की वजह से कई हादसे होते रहते हैं। हाल के दिनों में लखनऊ में एक बाइक सवार की मौत समेत कई गंभीर हादसे सामने आए हैं, जिनमें धारदार चाइनीज़ मांझे से लोगों का गला कट गया। महाराष्ट्र के वाशिम जिले की बात करें जहां चाइनीज मांझे की वजह से 57 साल के एक व्यक्ति का गला कट गया। दरअसल वो बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान खंडोबा मंदिर के पास सड़क पर लटक रहे मांझे की चपेट में आने से उनके गले पर गंभीर चोट आई हैं। जैसे ही शख्स को चोट लगी, उन्होंने तुरंत बाइक रोक दी। उनकी इसी समझदारी की वजह से जान बच गई और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। राजस्थान के बांसवाडा में भी कुछ ऐसा ही हुआ था । मोहन कॉलोनी से निकलते हुए एक बुजुर्ग का पैर चाइनीज मांझे में उलझ गया, जिसकी वजह से वो लड़खड़ाते हुए जमीन पर गिर गए।चाइनीज मांझे की चपेट में आने की वजह से उन्हें गहरी चोट आई। राहगीरों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने बताया कि पैर की एड़ी में मांझा अंदर तक चला गया जिसकी वजह से घाव ज्यादा गहरा है। वहीं उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में भी चाइनीज मांझे ने एक बाइक सवार को अपना शिकार बनाया। रविवार को बाइक से घर लौट रहे युवक की चाइनीज मांझे की वजह से गर्दन कट गई। गनीमत ये रही कि बाइक की स्पीड कम थी, जिससे युवक ज्यादा जख्मी नहीं हुआ। हादसे के तुरंत बाद उसने तुरंत अस्पताल जाकर इलाज करवाया।

पोलिस खुद इन हादसों से बची हुई नहीं है । पिछले साल ही घर आने-जाने के दौरान महाराष्ट्र के मुंबई के डिंडोशी पुलिस में तैनात एक पुलिसकर्मी का गला मांझे से कट गया, जिससे उसकी मौत हो गई इन शिकायतो के बाद ही पिछले दिनों में शहर के कम से कम पांच पुलिस स्टेशनों ने चीनी मांझा बेचते, स्टॉक करते या उपयोग करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे । गौरतलब हो कि इसके पहले को खेरवाड़ी पुलिस के अधिकार क्षेत्र में कांस्टेबल समीर जाधव की जान भी चली गई थी जब वकोला फ्लाईओवर से लटके चीनी मांझे से उनका गला कट गया। तब खेरवाड़ी पुलिस ने आईपीसी की धारा 304-ए के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने चीनी मांझा की बिक्री और खरीद में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं।

चाइनीज मांझा न सिर्फ इंसानों के लिए बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी बहुत खतरनाक है और हर साल सैकड़ों पक्षी इसमें फंसकर अपनी जान गंवा देते हैं। दरअसल पतंगबाजी का मजा लेने वाले बच्चे व बड़े आपस में पतंग को लड़ाकर उसका मजा लेते हैं। पतंग लड़ाने के लिए लोग डोर को कटने से बचाने के लिए मजबूत धागे के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करते हैं। यह मांझा सादे धागे के मुकाबले सस्ता और मजबूत होता है। इस कारण इसकी मांग ज्यादा रहती है। डिमांड के कारण दुकानदार प्रतिबंध के बावजूद भी चोरी छिपे बेचते हैं।आज भारत समेत दुनिया के कई देशों में पतंगबाजी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, लेकिन पतंगबाजी का सबसे पुराना प्रमाण चीन में मिलता है। हान राजवंश के शासनकाल में पतंगों का सैन्य उपयोग भी होता था। वहां के सैन्य कमांडरों ने दुश्मन सेना की स्थिति और दूरी का पता लगाने के लिए पतंगों का भी इस्तेमाल किया। कहा जाता है कि पतंगबाजी भी चीन के रास्ते भारत पहुंची है। अब आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर यह मांझा इतना खतरनाक क्यों है और एक पतला धागा लोगों की जान कैसे ले सकता है? इसका कारण यह है कि पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य मांझा कपास का बना होता है, लेकिन चीनी मांझा नायलॉन और अन्य सिंथेटिक सामग्री से बना होता है। यह मांजा कांच, लोहे के पाउडर और कई अन्य रसायनों के साथ लेपित है।

इस वजह से मांझा और भी तीखा और जानलेवा हो जाता है। चाइनीज मांझा साधारण मांझा की जगह स्ट्रेचेबल होता है यानी टूटने की बजाय खिंचता रहता है। इतना ही नहीं चीनी मांझा में धातु के चूर्ण के प्रयोग से यह विद्युत का सुचालक होता है, अर्थात इसमें से करंट प्रवाहित हो सकता है और इसलिए बिजली के झटके का खतरा रहता है, लेकिन इसके खतरों से वाकिफ होने के बावजूद आज बाजार में इसकी काफी मांग है, क्योंकि जब लोग पतंग उड़ाते हैं तो चाहते हैं कि उनकी पतंग न कट जाए और वे दूसरों की ज्यादा से ज्यादा पतंगें काट सकें। साल 2017 में एनजीटी यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इस मांझा पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। पर्यावरण विभाग के तहत 10 जनवरी 2017 को एक अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार पतंगबाजी के लिए नायलॉन, प्लास्टिक और किसी भी तरह की सिंथेटिक सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके अलावा कांच, धातु या अन्य नुकीली चीजों से बने धागों पर भी पतंग उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। नियम के मुताबिक, सूती धागे से बने धागों से पतंग उड़ाई जा सकती है, लेकिन इनमें भी किसी न किसी तरह का धागा होता है, तेज वस्तुओं का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन कड़ी सजा के साथ दंडनीय है। अगर कोई ऐसा करते पाया जाता है तो उसे 5 साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक के जुर्माने से भी दंडित किया जा सकता है। इतने सख्त नियम होने के बावजूद आज देश भर में में चीनी मांझा का कारोबार फलफूलता रहा है। व्यवसायी कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और इन घातक मांझा को लोगों को बेच रहे हैं, और खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है। मांझा के व्यापारी पुलिस को चकमा देने के लिए हाईटेक तरीके अपना रहे हैं और इसके लिए फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

गौरतलब है कि कई राज्यों में राज्य सरकारों ने चाइनीज मांझे पर कई बार बैन लगा चुकी है और प्रशासन को कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। हर साल पंतग के सीजन के दौरान चाइनीज मांझे का जिक्र होता है पर बाद में लोग व शासन इसे भूल जाता है । कई लोगों का मानना है कि यह मांझा चीन से आता है और अब चीनी सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है, इसलिए इस पर बैन लगाया गया है। जानकारों की मानें तो अब मांझा चीन से नहीं बल्कि तेज धार के साथ इंडिया में भी बन रहा है।

जब हार ने रच दी पहचान

आरके जैन

जब इतिहास करवट बदलता है, तो वह शोर मचाकर नहीं आता, बल्कि मैदान पर उतरकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। 8 फरवरी 2026 की शाम वानखेड़े स्टेडियम में कुछ ऐसा ही देखने को मिला। समुद्री हवा में घुली रोशनियों की चमक, हजारों दर्शकों की थमी सांसें और करोड़ों दिलों की उम्मीदें एक साथ स्पंदित हो रही थीं। यह कोई साधारण मुकाबला नहीं था, बल्कि छोटे सपनों और बड़े नामों के बीच होने वाली निर्णायक भिड़ंत थी। एक ओर दो बार का विश्व विजेता इंग्लैंड अपने अनुभव और प्रतिष्ठा के साथ खड़ा था, तो दूसरी ओर नेपाल, जिसके पास खिताब नहीं थे, लेकिन हौसलों की अपार पूंजी थी। उसी पल यह साफ हो गया था कि यह मुकाबला आंकड़ों का नहीं, बल्कि जज्बे और आत्मबल का संग्राम बनने वाला है।

टॉस जीतकर इंग्लैंड ने जब पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, तो उसने अपने अनुभव और रणनीति पर पूरा भरोसा जताया। हालांकि शुरुआती ओवरों में ही नेपाल ने इस भरोसे को चुनौती दे दी।

फिल साल्ट का जल्दी पवेलियन लौटना इंग्लैंड के लिए एक चेतावनी संकेत था। इसके बाद जोस बटलर ने कुछ रन जोड़े, लेकिन आउट होने के बाद टॉम बैंटन आए और जल्दी आउट हो गए, फिर जैकब बेथेल और कप्तान हैरी ब्रुक ने पारी को संभाला। दोनों ने संयम और आक्रमण का संतुलित प्रदर्शन करते हुए टीम को स्थिरता प्रदान की। हर रन के साथ इंग्लैंड की पारी मजबूत होती गई। ब्रुक का नेतृत्व और बेथेल की तकनीक यह साबित कर रही थी कि टीम दबाव में भी संतुलन बनाए रख सकती है, लेकिन नेपाल का आत्मविश्वास भी लगातार बढ़ता जा रहा था।

इस दौरान नेपाल के गेंदबाजों और फील्डरों की ऊर्जा और समर्पण देखते ही बनता था। दीपेंद्र सिंह ऐरी की घूमती गेंदों ने बल्लेबाजों को बार-बार भ्रमित किया, जबकि नंदन यादव ने सटीक लाइन-लेंथ से रन गति पर अंकुश लगाया और संदीप लामिछाने ने भी विकेट लेकर दबाव बनाया। फील्डर हर गेंद पर पूरे जोश से जुटे रहे—कभी बाउंड्री पर छलांग लगाकर, तो कभी तेज थ्रो से आसान रन रोककर। यह केवल एक मुकाबला नहीं था, बल्कि अपनी पहचान स्थापित करने का दृढ़ संकल्प था।

अंत में विल जैक्स की विस्फोटक बल्लेबाजी से इंग्लैंड 184 रन तक पहुंचा, जो मजबूत जरूर था, लेकिन नेपाल के हौसलों को तोड़ने के लिए पर्याप्त नहीं लग रहा था।

लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने शुरुआत से ही यह स्पष्ट कर दिया कि वह डर और दबाव से मुक्त होकर खेलने आया है। कुशल भुर्तेल ने आसिफ शेख के साथ आक्रामक शुरुआत की और बड़े शॉट लगाकर इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। आसिफ के आउट होने के बाद रोहित पौडेल ने धैर्य और समझदारी से पारी को आगे बढ़ाया, हालांकि कुशल भुर्तेल भी जल्द आउट हो गए। फिर दीपेंद्र सिंह ऐरी के साथ उन्होंने टीम को मजबूत आधार प्रदान किया। हर चौके और छक्के के साथ स्टेडियम का शोर बढ़ता गया और दर्शकों को महसूस होने लगा कि वे किसी ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं। यह केवल रन चेज नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान और विश्वास की यात्रा थी।

मध्य ओवरों में दीपेंद्र सिंह ऐरी ने जिम्मेदारी का शानदार निर्वाह किया। उन्होंने परिस्थितियों को भांपते हुए सटीक शॉट्स लगाए और रन गति को बनाए रखा। नेपाल की पारी की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि कोई भी खिलाड़ी घबराया हुआ नजर नहीं आया। सभी को अपने लक्ष्य और क्षमता पर पूरा भरोसा था। इसके बाद आरिफ शेख आए लेकिन जल्द आउट हो गए, फिर लोकेश बाम मैदान में आए और उन्होंने मैच की दिशा ही बदल दी, हालांकि गुलशन झा के जल्दी आउट होने से दबाव बढ़ा। उनकी बल्लेबाजी में निडरता, परिपक्वता और जुनून का अद्भुत मेल दिखाई दिया। जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज पर लगाए गए छक्के सिर्फ रन नहीं थे, बल्कि नेपाल के बढ़ते आत्मविश्वास की सशक्त घोषणा थे।

जैसे-जैसे मैच अंतिम ओवर की ओर बढ़ा, तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। जीत के लिए दस रन चाहिए थे और लाखों दिल एक साथ धड़क रहे थे। स्टेडियम में सन्नाटा और उम्मीद दोनों की मौजूदगी महसूस की जा सकती थी। सैम करन ने इस दबाव भरे क्षण में अद्भुत संयम और समझदारी का परिचय दिया। उन्होंने सटीक लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करते हुए नेपाल के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया।

केवल पांच रन बने और इंग्लैंड चार रन से विजयी हो गया। स्कोरबोर्ड ने इंग्लैंड को विजेता बताया, लेकिन मैदान पर नेपाल का साहस सबसे ऊंचा नजर आ रहा था। यह हार नहीं, बल्कि एक नई पहचान की मुहर थी।

यह मुकाबला आधुनिक क्रिकेट की बदलती तस्वीर का सशक्त प्रतीक बन गया। अब एसोसिएट टीमें केवल अनुभव जुटाने नहीं, बल्कि इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतर रही हैं। नेपाल, स्कॉटलैंड और नामीबिया जैसी टीमें यह साबित कर रही हैं कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। सीमित सुविधाओं के बावजूद उन्होंने अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास से खुद को मजबूत बनाया है। इस मैच के बाद नेपाल के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंच पर चर्चा का विषय बन गए और विशेषज्ञों ने उन्हें भविष्य का उज्ज्वल सितारा बताया।

टी20 विश्व कप 2026 की यह शुरुआत क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय और भावनात्मक स्मृति बन गई। इस मुकाबले ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्रिकेट की असली सुंदरता उसकी अनिश्चितता, रोमांच और भावनात्मक गहराई में ही बसती है।

नेपाल ने यह साबित कर दिया कि सपनों का मूल्य केवल पदकों और ट्रॉफियों से नहीं, बल्कि साहस, संघर्ष, आत्मविश्वास और संकल्प से आंका जाता है। भले ही वे चार रन से हार गए, लेकिन उन्होंने करोड़ों दिलों में सम्मान और प्रेरणा की अमिट छाप छोड़ दी। यह मैच सदैव इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अंकित रहेगा-उस अविस्मरणीय दिन के रूप में, जब एक छोटे से देश ने अपने विशाल हौसलों, अडिग विश्वास और अदम्य जुझारूपन से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया और क्रिकेट को नई सोच, नई ऊर्जा तथा नई पहचान प्रदान की।

हंसी का जनाज़ा

डॉ. सुरेश कुमार

मार्कण्डेय बाबू हिंदी आलोचना के उस पुराने बरगद के समान थे, जिसके नीचे घास भी उगाने के लिए उनकी लिखित अनुमति और कम से कम तीन संदर्भ ग्रंथों की आवश्यकता होती थी। उनका 'मेन कैरेक्टर सिंड्रोम' इस लेवल का था कि वे खुद को साहित्य का इकलौता एडमिन समझते थे। पर भाई, समय बड़ा 'सैवेज' होता है; उसने मार्कण्डेय बाबू के पांडित्य को 'आउटडेटेड' सॉफ्टवेयर की तरह किनारे कर दिया।

अब न कोई उन्हें गोष्ठियों में मुख्य अतिथि बनाता, न ही कोई नया संपादक उनके 'लॉन्ग-फॉर्म' लेखों को स्पेस देता। उनकी हालत उस फ्लॉप ओटीटी सीरीज जैसी थी, जिसके पास बजट तो बहुत था, पर 'व्यूअरशिप' जीरो। उन्हें लगा कि अगर दोबारा 'ट्रेंड' करना है, तो कुछ 'क्लिकबेट' टाइप का मसाला चाहिए। आखिर में जब हर तरफ से 'एरर' आने लगा, तो उन्हें लगा कि 'व्यंग्य' ही वो 'हैक' है जो उन्हें फिर से वायरल कर देगा। सस्पेंस यह था कि क्या वे अपनी मृत प्रतिष्ठा को 'रीबूट' कर पाएंगे या यह उनके करियर का आखिरी 'क्रैश' होगा? मार्कण्डेय बाबू ने अपनी खोई हुई 'रीच' वापस पाने के लिए 'व्यंग्य' का दामन थामने का फैसला किया। उन्हें लगा कि व्यंग्य लिखना मतलब किसी की लाचारी को 'रोस्ट' करना है। उन्होंने एक जंक्शन के टीटीई को अपनी कलम का शिकार बनाया। उस टीटीई की जिंदगी पहले ही पटरियों के शोर में गुम थी, और मार्कण्डेय बाबू ने उसकी फटी जेब और उसके बीमार बच्चों की लाचारी पर शब्दों की ऐसी 'बमबारी' की कि वह एक जीता-जागता 'मीम' बन गया। परसाई जी कहते थे कि व्यंग्य वह है जो सत्ता के गाल पर तमाचा जड़े, पर मार्कण्डेय बाबू तो एक बेबस इंसान की रूह का 'पब्लिक एग्जीक्यूशन' कर रहे थे। उनके लिए वह टीटीई कोई इंसान नहीं, बल्कि एक 'कंटेंट पीस' था जिसे बेचकर उन्हें अपनी साहित्यिक दुकान फिर से खोलनी थी। सस्पेंस यह था कि क्या वे अपनी इस क्रूरता को 'क्रिएटिविटी' का जामा पहनाकर दुनिया को ठग पाएंगे और 'ब्लू टिक' वाली लोकप्रियता हासिल कर सकेंगे?

एक शाम, जब मेरे कमरे की घंटी बजी और सामने मार्कण्डेय बाबू का 'पिक्सेलेटेड' चेहरा दिखा, तो मेरा सिस्टम ही हैंग हो गया। कल तक जो मुझे अपनी 'फ्रेंड लिस्ट' में रखने के काबिल नहीं समझते थे, आज वो मेरे सोफे पर धमक कर अपनी 'प्रजेंस' दर्ज करा रहे थे। कमरे में एक अजीब सी 'टॉक्सिक' वाइब फैल गई थी, जैसे कोई पुराना रेडियो अचानक 5जी सिग्नल पकड़ने की कोशिश कर रहा हो। उन्होंने सोफे पर बैठते ही अपना रुतबा ऐसे झाड़ा जैसे कोई डिजिटल हमलावर डेटा चोरी करने आया हो। मैंने अपनी हैरानी को ज़रा राजस्थानी पुट के साथ परोसा, अरे मार्कण्डेय जी सा'ब, आज ओ सूरज कठै सूं ऊग ग्यो? म्हारै जियां रा छोटा लोगां री याद कियां आई? कांई बात है हुकम, आज म्हारो 'नोटिफिकेशन' क्यां चालू होग्यो? कोई म्हारो कंटेंट कॉपी हो ग्यो के जो आप अठै पधार्या? मार्कण्डेय जी ने एक ऐसी 'फेक' मुस्कान दी, जिसमें दांत कम और 'एल्गोरिथम' ज़्यादा झलक रहा था। मार्कण्डेय जी ने वो पन्ने मेरे हाथ में ऐसे थमाए जैसे वो कोई 'बिटकॉइन' की सीक्रेट की हो। मैंने बड़ी विनम्रता से कहा कि सा'ब, आप तो हिंदी के 'वेरिफाइड' लेजेंड हैं। आपको तो पता है कि किसी रचना का 'यूआई' कैसा होना चाहिए और उसका 'एंगेजमेंट' कैसे बढ़ाया जाता है। मैं आपके 'मास्टरपीस' पर क्या ही कमेंट करूँगा? यह तो वैसा ही होगा जैसे कोई नया यूट्यूबर किसी पुराने फिल्म मेकर को कैमरा एंगल समझा रहा हो। मुझे इस 'कम्पेरिजन' में मत डालिए, वरना मेरा ही 'क्रेडिबिलिटी स्कोर' गिर जाएगा और लोग मुझे 'म्यूट' कर देंगे। पर मार्कण्डेय जी आज पूरी तरह 'डिटरमिन्ड' होकर आए थे, जैसे कोई इन्फ्लुएंसर अपने 'स्पॉन्सर्ड पोस्ट' के पीछे पड़ जाए। उन्होंने अपने दांत ऐसे पीसे जैसे कोई 'लोडिंग' वाली स्क्रीन पर फ्रस्ट्रेट हो रहा हो। वे बोले, शर्मा, थनै ठा है कि सटायर में कुण सो 'फिल्टर' लागै। मने बस ओ बता दे कि ओ 'कंटेंट' इंटरनेट तोड़ोगे के कोनी?

मोबाइल, नेटवर्क और सपने लेकिन महिलाएं अब भी बाहर क्यों?

कृति जैन

हर सुबह घर में रोशनी से पहले जिम्मेदारियां जाग जाती हैं, और उसी के साथ एक महिला भी। मोबाइल की चमक दीवारों तक पहुंचती है, लेकिन उसकी हथेली तक नहीं। वह चूल्हे की आग में अपनी थकान घोलती है, बच्चों के सपनों को आकार देती है, पानी की कतार में खड़ी होकर दिन की नींव रखती है। उसी घर में रखा फोन किसी और की उंगलियों में पूरी दुनिया समेटे रहता है, जबकि वह अपने ही घर में डिजिटल अंधेरे में जीती रहती है। चमकते नारों और विज्ञापनों के पीछे एक दबा हुआ दर्द छिपा है, जहां करोड़ों महिलाएं तकनीक के दरवाजे पर खड़ी होकर भी भीतर नहीं जा पातीं। उनके पास घर है, रिश्ते हैं, जिम्मेदारियां हैं, लेकिन अपने भविष्य को गढ़ने का डिजिटल अधिकार नहीं है। यह कहानी सुविधा की नहीं, छीनी गई पहचान की पीड़ा है।

भारत गर्व के साथ खुद को तकनीकी शक्ति कहता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और वर्चुअल शिक्षा आधुनिकता के प्रतीक बन चुके हैं। शहरों की ऊंची इमारतों से लेकर गांव की कच्ची गलियों तक इंटरनेट की लहर दौड़ रही है। लेकिन इस विकास के रंगमंच पर महिलाओं की भूमिका अक्सर दर्शक की बनी रहती है। ग्रामीण और मध्यमवर्गीय घरों में स्मार्टफोन आज भी पुरुषों की निजी जागीर समझा जाता है। महिलाएं अनुमति की दहलीज लांघकर ही उसे छू पाती हैं। सरकारी योजनाओं, नौकरी के पोर्टलों और बैंकिंग ऐप्स तक उनकी पहुंच अधूरी रहती है। यह अधूरापन उन्हें हर दिन प्रगति की दौड़ में और पीछे धकेल देता है।

इस डिजिटल दूरी की जड़ें नेटवर्क की कमजोरी में नहीं, बल्कि सदियों पुरानी मानसिकता में गहराई तक धंसी हुई हैं। आज भी कई घरों में फोन महिलाओं की स्वतंत्रता पर पहरा माना जाता है। उनकी आज़ादी को संदेह और नियंत्रण की जंजीरों में जकड़ दिया जाता है। डिजिटल शिक्षा के अभाव में वे खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। उन्हें हर क्लिक से डर लगता है, हर लिंक में खतरा नजर आता है। साइबर अपराध, डीपफेक और ऑनलाइन अपमान का भय उनके मन में स्थायी साया बनकर बैठ जाता है। यह डर धीरे धीरे उनकी जिज्ञासा, आत्मसम्मान और आगे बढ़ने की इच्छा को खामोशी से निगल जाता है। घर की चारदीवारी के भीतर महिलाओं पर टिका अदृश्य बोझ इस असमानता को और मजबूत करता है। बिना किसी वेतन, सम्मान या अवकाश के वे दिनभर चूल्हे, बच्चों, बुजुर्गों और जरूरतों के बीच खुद को खपा देती हैं। उनका हर दिन दूसरों के लिए शुरू होता है और दूसरों पर ही खत्म हो जाता है। सीखने, समझने और आगे बढ़ने के लिए उनके पास न समय बचता है, न ऊर्जा। गांवों में पानी और ईंधन की तलाश लड़कियों की पढ़ाई और डिजिटल दुनिया दोनों छीन लेती है। तकनीक उनके लिए एक दूर चमकता सपना बन जाती है, जिसे वे सिर्फ दूसरों की उंगलियों में साकार होते देखती हैं।

इस डिजिटल खाई का सबसे गहरा घाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता पर पड़ता है। आज रोज़गार और कमाई के नए रास्ते इंटरनेट की गलियों से होकर गुजरते हैं। ऑनलाइन व्यापार, फ्रीलांसिंग, डिजिटल सेवाएं और गिग वर्क उन्हें आत्मनिर्भर बना सकते थे। लेकिन साधनों की कमी उनके सपनों पर ताला लगा देती है। किसान महिलाएं आधुनिक तकनीक से वंचित रहकर कम उपज और कम आय तक सीमित रह जाती हैं। मध्यमवर्गीय महिलाएं घर बैठे काम करने के अवसर खो देती हैं। उनकी मेहनत, प्रतिभा और हुनर बाजार की रोशनी तक पहुंच ही नहीं पाते।

जमीनी सच्चाइयों की कहानियां इस पीड़ा को और तीखा बना देती हैं। कोई महिला महीनों की मेहनत से बनाई गई हस्तकला को ऑनलाइन मंच नहीं दे पाती। कोई छात्रा कमजोर नेटवर्क के कारण अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़ देती है। कोई बीमार महिला डॉक्टर से संपर्क न कर पाने के कारण चुपचाप दर्द सहती रहती है। कई महिलाएं सोशल मीडिया पर अपमान, धमकी और ट्रोलिंग के डर से अपनी आवाज दबा लेती हैं। वे धीरे धीरे पीछे हट जाती हैं, जैसे खामोशी ही उनकी नियति बन गई हो। सरकार और संस्थाओं ने बदलाव की कोशिशें जरूर की हैं, लेकिन वे अब भी अधूरी और कमजोर हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होते हैं, पर महिलाओं तक सही ढंग से नहीं पहुंच पाते। नेटवर्क गांवों की सीमाओं पर आकर दम तोड़ देता है। डेटा गरीब महिलाओं के लिए आज भी भारी बोझ बना हुआ है। साइबर सुरक्षा कानून और सहायता तंत्र कमजोर हैं। नीतियां कागजों पर आकर्षक दिखती हैं, लेकिन जमीन पर उनका असर फीका पड़ जाता है। जब तक योजनाएं महिलाओं की वास्तविक जिंदगी और जरूरतों से नहीं जुड़ेंगी, तब तक डिजिटल बराबरी का सपना अधूरा ही रहेगा। यह डिजिटल असमानता केवल वर्तमान की समस्या नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की किस्मत भी तय कर रही है। जब एक मां तकनीक की दुनिया से बाहर रह जाती है, तो उसकी बेटी भी आत्मविश्वास और अवसरों से वंचित हो जाती है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में यह दूरी पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ती चली जाती है। समाज में जब आत्मनिर्भर और सशक्त महिलाओं की संख्या घटती है, तो विकास की रफ्तार खुद ही थमने लगती है।

टाँगों में दिखती हैं नीली नसें तो ये हैं वैरिकोज के लक्षण, व्यायाम से पा सकते हैं आराम

टांगों की नसों शिराओं में वाल्व रहते हैं, जो रक्त को वापस ऊपर हृदय की ओर ले जाने में मदद करते है। लेकिन जब ये वॉल्व कमज़ोर हो जाएँ या खराब हो जाएँ तो नसों में विकृति आ जाती है जिसे वैरिकोज़ वेन्स कहा जाता है।

वैरिकोज़ वेंस तब होती हैं जब नसें ठीक से काम नहीं करती हैं। नसों में एक तरफा वाल्व होता है जो रक्त को पीछे की ओर बहने से रोकता है। जब ये वाल्व विफल हो जाते हैं, तो रक्त आपके हृदय की ओर बढ़ने के बजाय नसों में इकट्ठा होने लगता है। जिससे नसें बढ़ जाती हैं। वैरिकोज़ वेंस अक्सर पैरों को प्रभावित करती हैं।

वैरिकोज़ वेन्स रोग में रक्त ऊपर की ओर सही तरीके से नहीं चढ़ पाता और पैरों टांगों की नसों में ही रुकने लग जाता है। वेरिकोज़ वेंस, जिसे वेरिकोसाइटिस के नाम से भी जाना जाता है। यह समस्या तब होती है, जब नसें बढ़ जाती हैं, पतली हो जाती हैं और रक्त से भर जाती हैं, यानी नसें ब्लॉक हो जाती हैं। वेरिकोज वेंस, आमतौर पर त्वचा पर सूजी हुई या उभरी हुई दिखाई देती हैं। यह टेढ़ी-मेढ़ी होने के साथ ही लाल, नीली व बैंगनी रंग की होती हैं। जो काफी दर्दनाक हो सकती हैं।

कौन हो सकता है शिकार?

सबसे ज़यादा इसके शिकार दुकानदार व महिलाएं होती हैं। कंप्यूटर के सामने और ऑफिस में घंटों बैठने, लंबे समय तक लगातार खड़े होकर काम करने वाले लोग, ट्रैफिक पुलिसकर्मी व तकनीकी प्रयोगशालाओं में कार्यरत वैज्ञानिक, न्याय पालिका के सदस्य व वकील भी इसमें शामिल हैं। यह समस्या

शिक्षकों में तेज़ी से बढ़ रही है। कहने का मतलब है कि जिन लोगों ने नियमित चलने की आदत छोड़ दी है और ज़्यादा देर तक लगातार बैठने की आदत को गले लगाया है या खड़े रहते हैं, उनके पैरों में वैरिकोज़ वेन्स होना निश्चित है।

अध्ययनों के अनुमान के मुताबिक पांच वयस्कों में से एक वयस्क को वैरिकोज़ वेन्स की शिकायत होती है और वैरिकोज़ वेन्स से पीड़ित 16 प्रतिशत वयस्क 60 वर्ष या उससे ज़्यादा आयु के होते हैं। इस आयु वर्ग के 65 फीसदी लोगों में जिनमें वैरिकोज़ वेन्स का निदान किया गया है उनमें कम से कम एक पैर में वैरिकोज़ वेन्स संबंधी लक्षण पाए गए हैं।

उपचार से पहले लें सलाह

पैरों में वैरिकोज़ वेन्स की शुरुआत हो चुकी है तो वैस्कुलर सर्जन से परामर्श लें। अक्सर देखा गया है कि वैरिकोज़ वेन्स के मरीज़ कभी चर्म रोग विशेषज्ञ या कभी हड्डी रोग विशेषज्ञ के पास परामर्श लेने पहुंच जाते हैं। कुछ मालिश पर निर्भर रहते हैं। होश उन्हें तब आता है जब अल्सर जैसी समस्या से ग्रसित होने लगते हैं। वैरिकोज वेन्स का सही इलाज, एक अनुभवी वैस्कुलर सर्जन ही बता सकता है।

कौन सा उपचार सही है?

वैरिकोज़ वेन्स की शुरुआत होने पर, सर्जरी या लेसर की ज़रूरत नहीं पड़ती है। रोज़ सुबह व शाम एक-एक घंटे टहलें। उछल-कूद बिल्कुल न करें। पैरों को कुर्सी से एक घंटे से ज़्यादा लटकाकर नहीं बैठें और न ही लगातार खड़े रहें। वज़न नियंत्रित रखें। दिन में चलते वक़्त एक विशेष क़िस्म की क्रमित दबाव वाली जुराबों को पहनना पड़ता है। साथ ही, हर दो महीने में वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श भी करें।

आरएफए आधुनिक तकनीक है। इसमें कोई सर्जरी नहीं करनी होती है और न ही पैरों की खाल में कोई काटा-पीटी करनी पड़ती है। मात्र चौबीस घंटे में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। इससे उपचार के बाद, मरीज़ अगले दिन से काम पर जाना शुरू कर देता है या सामान्य जीवन जीने लगता है। यह तकनीक लेसर की तुलना में, थोड़ी बेहतर साबित हो रही है। वैरिकोज़ वेंस की समस्या से बचने और काफी हद तक इससे निपटने के लिए यहां कुछ एक्सरसाइज के बारे में बताया गया है, जिसे आप कर सकते हैं।

वॉकिंग

वॉकिंग या चलना बेहद फायदेमंद है और आमतौर पर सभी उम्र और फिटनेस स्तर के लोगों के लिए सुरक्षित है। नियमित सैर आपको वजन कम करने, स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने और आपकी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद कर सकती है। साथ ही यह नसों के ब्लड सर्कुलेशन को विनियमित करता है।

साइकिल चलाना

साइकिल चलाना एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है। यह आपके जोड़ों की रक्षा करते हुए भी परिसंचरण को बढ़ा सकता है। नियमित रूप से साइकिल चलाना आपके कॉफ (घुटनों के नीचे के पीछे का हिस्सा) मांसपेशियों को मजबूत कर सकता है और स्वस्थ रक्त प्रवाह को बढ़ावा देता है। आप चाहें तो पारंपरिक तौर पर साइकिल चला सकते हैं। इसके अलावा बिना साइकिल के साइकिल एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसे करने के लिए आप अपनी पीठ के बल लेटकर, अपने घुटनों को अपनी छाती की ओर खींचकर, और अपने पैरों से एक पेडलिंग गति बनाकर अपने पैरों की मांसपेशियों को फैला सकते हैं।

लंजेज

आपके पैरों और कॉफ में कई अलग-अलग मांसपेशी समूहों का काम करते हैं। जब ये मांसपेशियां मजबूत और स्वस्थ होती हैं, तो वे रक्त को सही दिशा में बहने में मदद कर सकती हैं। अपने पैरों के साथ थोड़ा अलग खड़े होकर शुरू करें। आगे बढ़ें और अपने घुटने मोड़ें। अपने घुटने को सीधे अपने टखने से ऊपर रखना सुनिश्चित करें। कुछ सेकंड के लिए खुद को बैठने की मुद्रा में रखें, फिर खड़े हो जाएं।

ओवरथिंकिंग दूर करने के लिए जरूरी टिप्स

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में 'ओवरथिंकिंग' या किसी एक विषय पर ही जरूरत से ज्यादा सोचना एक ऐसी मानसिक समस्या बन गई है, जो धीरे-धीरे हमारी कार्यक्षमता को प्रभावित करती है। नकारात्मक विचारों का साइकल न केवल मानसिक तनाव पैदा करता है, बल्कि यह इनसोम्निया जैसी समस्या कों ट्रिगर करता है। डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके ओवरथिंकिंग को कंट्रोल करने के कुछ उपाय बताएं हैं, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

उन्होंने बेहद सरल और प्रभावी '5 स्टेप फॉर्मूला' साझा किया है, जो दिमाग को शांत रखने में मदद कर सकता है। डॉक्टर शालिनी का मानना है कि अगर हम अपने विचारों को नियंत्रित करना सीख लें, तो हम अपने मानसिक विकारों से खुद से ठीक कर सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने दिमाग के 'कन्फ्यूजन' को 'क्लैरिटी' में बदल सकते हैं और एक सकारात्मक जीवनशैली की शुरुआत कर सकते हैं।

विचारों को कागज पर उतारें

ओवरथिंकिंग कम करने का पहला कदम है अपने विचारों को लिखना शुरू करें। डॉक्टर शालिनी के अनुसार, जब आप मन में चल रहे डर या उलझन को पेपर पर लिख देते हैं, तो 50% दिमाग तुरंत शांत हो जाता है।

'3 मिनट रूल' अपनाएं

इसके साथ ही '3 मिनट रूल' का पालन करें। यदि कोई समस्या 3 मिनट में हल नहीं हो रही है, तो उसके बारे में सोचना बंद कर दें और उसे भविष्य के लिए टाल दें।

'ओवरथिंकिंग' का समय खुद से चुने

डॉक्टर ने एक अनोखा तरीका बताया है जिसे टाइम बॉक्सिंग भी कहा जाता है। दिन में सिर्फ 10 मिनट का टाइमर लगाएं और केवल उसी समय में खूब सोचें, बाकी समय दिमाग को मना कर दें।

सेल्फ कंपैशन प्रैक्टिस

इसके अलावा, 'सेल्फ कंपैशन' यानी खुद के प्रति दयालु बनें। अक्सर हम खुद को कोसते हैं, जिससे तनाव बढ़ता है। इसकी जगह खुद से एक अच्छे दोस्त की तरह बात करें, जो आपकी मानसिक शक्ति को बढ़ाएगा।

पॉजिटिव अफर्मेशन्स और ब्रीदिंग का जादू

नकारात्मकता को खत्म करने के लिए पॉजिटिव अफर्मेशन्स (सकारात्मक वाक्यों) का सहारा लें। रोजाना खुद से कहें कि मैं शांत हूं और सब ठीक है। इसके साथ ही 10 मिनट का मेडिटेशन या डीप ब्रीदिंग करें। गहरी सांसें लेने से शरीर के स्ट्रेस हार्मोन कम होते हैं और मस्तिष्क को संकेत मिलता है कि अब आराम करने और सोने का समय हो गया है।

अभ्यास से मिलेगी मानसिक शांति

डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी का यह 5 स्टेप फॉर्मूला कोई जादुई छड़ी नहीं है, बल्कि एक अभ्यास है। अगर आप इनका नियमित पालन करते हैं, तो धीरे-धीरे दिमाग अनावश्यक विचारों को फिल्टर करना सीख जाएगा। ओवरथिंकिंग को रोककर आप न सिर्फ बेहतर नींद ले पाएंगे, बल्कि अपने काम में भी अधिक एकाग्र हो सकेंगे।

मैग्नेट थेरेपी से शरीर में होता है ऊर्जा का संतुलन

अनियमित दिनचर्या, बढ़ता तनाव, खानपान में गड़बड़ी और लंबे समय तक एक ही जगह गलत पॉश्चर में बैठना कई रोगों का कारण बनता है। इसमें विशेषकर कमर, कंधे और हाथ-पैरों का दर्द खास है। ऐसे में व्यक्ति के इन्हें नजरअंदाज करने या फिर अनियमित रूप से एंटीबायोटिक, दर्दनिवारक लेने से स्थिति ज्यादा बिगड़ जाती है।

आयुर्वेद में सुजोक, चाइनीज एक्यूप्रेशर और रिफ्लैक्सोलॉजी तकनीकों के अलावा इन दिनों मैग्नेट थैरेपी को खासतौर पर प्रयोग किया जा रहा है। इसमें बिना दर्द व तकलीफ के चिकित्सा होती है। साथ ही इससे कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होता।

असर

10 प्रतिशत रोगियों में इस चिकित्सा से रोग की गंभीरता कम हो जाती है।

12 फीसदी मामलों में मैग्नेट थैरेपी से सर्जरी की आशंका तक घट जाती है।

जीभ की जांच जरूरी

मैग्नेट थैरेपी में रोगी की जीभ देखकर इलाज का स्तर तय होता है। जीभ का आगे वाला हिस्सा हृदय, बायां हिस्सा लीवर, दायां भाग गॉलब्लैडर, बीच का भाग पेट, स्प्लीन व पेनक्रियाज और पिछला भाग ब्लैडर, यूट्रस और किडनी का होता है। इन हिस्सों की आकृति, रंग, इस पर चढ़ी परत, लंबाई, नमी, सूजन, इस पर दांत का निशान आदि देखकर पता लगाते हैं कि शरीर के किस भाग में तकलीफ है। इसी के आधार पर मरीज का इलाज करते हैं।

ऐसे होता इलाज

शरीर में ऊर्जा के असंतुलन से ही विभिन्न रोग पैदा होते हैं। मेग्नेट थैरेपी में विभिन्न अंगों पर मौजूद ऊर्जा मार्गों पर स्थित बिंदुओं पर अलग-अलग आकार के मैग्नेट को कुछ समय के लिए टेप से चिपका देते हैं। इस चुंबकीय प्रभाव से ये बिंदु जागृत हो जाते हैं जिससे ऊर्जा का संचार सुचारू होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है। बार-बार इन ऊर्जा बिंदुओं पर मैग्नेट रखने से परेशानी जड़ से खत्म हो सकती है।

इनमें फायदेमंद

कंधे, कोहनी में दर्द व खिंचाव के अलावा सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, कमर, घुटने, टखना, एड़ी में दर्द, सायटिका, स्लिप डिस्क, सिरदर्द, भूख न लगना, खट्टी डकारें, कब्ज, पाचन संबंधी रोग, थायरॉइड, हाई ब्लड प्रेशर व डायबिटीज जैसे रोगों में काफी फायदा होता है।

खाने के बाद चाय पीने की आदत है तो अभी कर लें सुधार वरना बीमारियों के हो जाएंगे शिकार

पेट की समस्या उन समस्याओं में से एक है, जो आज-कल ज्यादातर लोगों में देखी जा रही है। इस बीमारी से आपका पेट पूरी तरह से जकड़ा हुआ रहता है। इसके चलते न आपका पेट साफ होता है और न ही आप अच्छे से वॉशरूम जाकर फ्रेश हो पाते हैं। यह न केवल आपकी शारीरिक स्थिति को प्रभावित करती है, बल्कि आपकी मानसिक स्थिति को भी काफी ज्यादा प्रभावित करती है। कई लोगों को खाने के तुरंत बाद चाय पीने की भी आदत होती है। यह पेट की सेहत पर काफी बुरा प्रभाव भी डालती है। खाने के तुरंत बाद चाय पीना बॉडी को काफी नुकसान पहुंचाता है। तो आज की इस खबर में हम आपको उन नुकसानदायक चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो खाने के तुरंत बाद चाय पीने को लेकर हो रही है।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ता है असर

खाना खाने के तुरंत बाद चाय पीने से पेट में गैस की समस्या उत्पन्न हो सकती है। चाय में कैफीन और टैनिन की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन को काफी धीमा कर देती है। यह बाद में पेट दर्द और गैस का कारण भी बन जाती है। इसके बाद खाना धीरे-धीरे हजम होता है और फिर खाने का मन भी नहीं होता है।

आयरन की हो जाती है कमी

खाना खाने के बाद चाय पीने से शरीर में आयरन की भी कमी हो जाती है और बॉडी में थकान भी महसूस होने लगती है। चाय में मौजूद टैनिन आयरन को बॉडी में रोक सकता है। इसकी वजह से आपके शरीर में आयरन की कमी हो सकती है।

दांतों को पहुंचता है नुकसान

जो लोग खाना खाने के तुरंत बाद चाय पीते हैं, उनके दांतों को काफी नुकसान पहुंचता है। कहते हैं कि चाय में एसिड होता है, जिसकी वजह से दांत खराब हो जाते हैं। इसकी वजह से दांतों में दर्द और बदबू जैसी समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं।

नींद की हो जाती है कमी

खाना खाने के तुरंत बाद चाय पीने से नींद की कमी हो जाती है। रात को खाना खाने के बाद चाय पिया जाए तो इससे नींद नहीं आती है। कई लोगों को अक्सर शिकायत रहती है कि चाय पीने के बाद उन्हें रात में नींद नहीं आती है। ऐसे में आपको तुरंत चाय छोड़ देनी चाहिए।

थायरॉयड से ब्लोटिंग तक, हर बीमारी के लिए है अलग मॉर्निंग ड्रिंक

सुबह की शुरुआत अगर सही ड्रिंक से की जाए, तो पूरा दिन ऊर्जावान, पाचन दुरुस्त और संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहता है। हर स्वास्थ्य समस्या के लिए एक ही ड्रिंक काम नहीं करता। ये ड्रिंक्स सामान्य स्वास्थ्य सपोर्ट के लिए हैं। किसी बीमारी की दवा का विकल्प नहीं हैं।

मॉर्निंग ड्रिंक पीने का सही समय

सुबह उठते ही

ब्रश के बाद

नाश्ते से 20-30 मिनट पहले

ये गलतियां न करें

एक साथ कई ड्रिंक्स न मिलाएं।

बहुत ज्यादा मात्रा न लें।

लगातार पेट खराब हो तो बंद करें।

प्रेग्नेंसी या दवा में डॉक्टर से पूछें।

थायरॉयड के लिए बेस्ट मॉर्निंग ड्रिंक -अलसी का पानी : एक चम्मच अलसी रात में पानी में भिगो दें, सुबह छानकर पिएं।

डायबिटीज के लिए बेस्ट मॉर्निंग ड्रिंक -मेथी पानी :एक चम्मच मेथी दाने रातभर भिगोकर सुबह पानी पिएं, दाने चबा सकते हैं।

हेयर रिपेयर और हेयर फॉल के लिए-करी पत्ता और नारियल पानी

8-10 करी पत्ते पीसकर नारियल पानी में मिलाएं।

स्किन ग्लो के लिए बेस्ट मॉर्निंग ड्रिंक-गुनगुना पानी नींबू और शहद

गुनगुने पानी में आधा नींबू और 1 चम्मच शहद मिलाएं।

ब्लोटिंग और गैस के लिए : जीरा पानी

एक चम्मच जीरा रात में भिगो दें या उबालकर ठंडा करें।

लो आयरन के लिए - चुकंदर और अनार जूस

सुबह खाली पेट आधा कप पीएं और हफ्ते में 3-4 दिन सेवन करें।

आयरन और फोलिक एसिड सपोर्ट

हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद

थकान कम

आयरन के साथ विटामिन C नींबू या आंवला लेना फायदेमंद होता है।

गुणकारी अंगूर के लाभ

यह निर्बल-सबल, स्वस्थ-अस्वस्थ आदि सभी के लिए समान उपयोगी है। बहुत से ऐसे रोग हैं जिसमें रोगी को कोई पदार्थ नहीं दिया जाता है। उसमें भी अंगूर दिया जा सकता है। अंगूर में जल, शर्करा, सोडियम, पोटेशियम, साइट्रिक एसिड, फ्लोराइड, पोटेशियम सल्फेट, मैगनेशियम और लौह तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। अंगूर हृदय की दुर्बलता को दूर करने के लिए बहुत गुणकारी है । हृदय रोगी को नियमित अंगूर खाने चाहिए। अंगूर के सेवन से फेफ डों मे जमा कफ निकल जाता है, इससे खांसी में भी आराम आता है। अंगूर जी मिचलाना, घबराहट, चक्कर आने वाली बीमारियों में भी लाभदायक है।

पका हुआ अंगूर तासीर में ठंडा, मीठा और दस्तावर होता है। यह आंखों के लिए हितकर होता है। अंगूर वीर्यवर्धक, रक्त साफ करने वाला, रक्त बढाने वाला तथा तरावट देने वाला फल है।

श्वास रोग व वायु रोगों में भी अंगूर का प्रयोग हितकर है।

नकसीर एवं पेशाब में होने वाली रूकावट में भी हितकर है। अंगूर का शरबत लो अमृत तुल्य है। शरीर के किसी भी भाग से रक्त स्त्राव होने पर अंगूर के एक गिलास ज्यूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने पर रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है जिसकी कि रक्तस्त्राव के समय क्षति हुई है। अंगूर का गूदा ग्लूकोज व शर्करा युक्त होता है। विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होने से अंगूर का सेवन भूख बढाता है, पाचन शक्ति ठीक रखता है, आंखों, बालों एवं त्वचा को चमकदार बनाता है।

हार्ट-अटैक से बचने के लिए बैंगनी काले अंगूर का रस एस्प्रिन की गोली के समान कारगर है। एस्प्रिन खून के थक्के नहीं बनने देती है। बैंगनी काले अंगूर के रस में फ्लोवोनाइड्स नामक तत्व होता है और यह भी यही कार्य करता है। पोटेशियम की कमी से बाल बहुत टूटते हैं। दांत हिलने लगते हैं, त्वचा ढीली व निस्तेज हो जाती है, जोडों में दर्द व जकडन होने लगती है। इन सभी रोगों को अंगूर दूर रखता है। अंगूर फोडे-फुन्सियों एवं मुहासों को सुखाने में सहायता करता है।

अंगूर के रस के गरारे करने से मुंह के घावों एवं छालों में राहत मिलती है। एनीमिया में अंगूर से बढकर कोई दवा नहीं है। उल्टी आने व जी मिचलाने पर अंगूर पर थोडा नमक व काली मिर्च डालकर सेवन करें। पेट की गर्मी शांत करने के लिए 20-25 अंगूर रात को पानी में भिगों दे तथा सुबह मसल कर निचोडें तथा इस रस में थोडी शक्कर मिलाकर पीना चाहिए। गठिया रोग में अंगूर का सेवन करना चाहिए।

तेजी से झड़ रहे बालों का उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है। सिर में बाल चकत्तो के रूप में तेजी से झड़ रहे हैं। झड़ने की तेजी से लगता है जल्दी ही गंजा हो जाऊंगा। कृपा कर मुझे इसका उपचार बताएं।

- नागार्जुन शेट्टी, बैंगलोर

उत्तर : बालों का चकत्तो के रूप में झड़ना आयुर्वेद में ₹इंद्रलुप्त₹ नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार का फफूंद यानी फंगस का संक्रमण है। इसे ही ₹एलोपेसियाा₹ के नाम से पाश्चात्य जानते हैं। इलाज नहीं होने पर यह गंजापन का कारण बनता है।

इसका आयुर्वेद में सही इलाज है। ऊंझा करंजादि तैल इंद्रलुप्त की कारगर दवा है । जहां बाल गिर गए हैं उस स्थान में इस तेल से मालिश करें। ऐसा नित्य करते रहने से नए बाल उगने लगते हैं।

* गुंजा बीज से सिद्ध किया हुआ तेल भी लगाने से बाल उगने लगते हैं।

जपाकुसुम तेल का उपयोग भी लाभकारी है।

औषधि में महामंजिष्ठादि घन, ऊंझा पंचतिक्त घृत गुग्गुलु एवं ऊंझा गंधक रसायन टिकिया लेवें। भोजन के बाद रक्तशोधक सिरप 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी में मिलाकर पीने से फफूंद का संक्रमण समूल नष्ट हो जाता है।

चिकित्सा काल के दौरान नमक, नमकीन, खटाई, मिठाई व गरिष्ठ भोजन से बचें। मौसमी फल व सब्जियां जरूर खाएं। पानी उबालकर एवं छानकर पीएं।

प्रश्न : मेरे कूल्हों में बहुत दर्द रहने लगा है। एक्स-रे की रिपोर्ट के अनुसार कूल्हों की संधियों में संधि अवकाश छोटा हो गया है। क्या मुझे अंकेलोजिंग स्पोंडिलाइटिस हो गया है या आमवात? कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- जयनारायण वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : आपने जिन रोगों के नाम लिए हैं- इन दोनों में जीवन भर ही मैनेजमेंट जरूरत पड़ती है। तभी मुश्किल से संधियों में लचीलापन बना रहता है। साथ ही शरीर की आकृति में विकृति नहीं आती। आपके वर्णन से एक बात और स्पष्ट हो रही है कि रोग अभी प्रारंभिक अवस्था में ही है। नित्य हल्का शारीरिक व्यायाम करना जरूरी है । पीड़ा वाली संधियों पर महाविषगर्भ तेल या गुनगुना करके ऊंझा महानारायण तेल की नित्य मालिश करें। बैठने और सोने के पोश्चर को सही करें । ध्यान रहे कि किसी भी परिस्थिति में आप कब्जियत के शिकार न बने। उसके लिए आमदोषपाचन और निर्हरण हेतु ऊंझा निरोग चूर्ण या औरा लैक्झोल पाउडर का प्रयोग करें । ऊंझा सिंहनाद गुग्गुलु, आमवातारी रस का प्रयोग संधि में लचीलापन व दर्द को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। औरा सल्लकी टिकिया, रुमाटाइज टिकिया व महावातविध्वंसन रस का प्रयोग भी लाभकारी होता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि क्वाथ 15 मीलीलीटर को 30 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर लेने से काफी लाभ मिलता है । यह सारे चिकित्सा कर्म दक्ष आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही और उनके परामर्श के अनुसार ही करने चाहिए।

प्रश्न : शरीर पर लाल रंग के चकते उभर आते हैं और उनमें खाज चलने लगती है। कृपा कर कोई आयुर्वेदिक उपाय बताएं।

- सदाशिव नायक, महबूबनगर

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य शीतपित्त तो हो गया है। आप कृपा कर पित्तवर्धक आहार विहार से बचें । नमकीन, तले पदार्थ, मसालेदार चटपटे व्यंजन ना खाएं।

बृहद हरिद्रा खंड सुबह-शाम भोजन के पहले खा कर गुनगुना पानी पिएं। औरा एलेक्झी टिकियां दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। रात सोने से पहले लघु सुतशेखर रस का प्रयोग करें। हरी मिर्च और खटाई का त्याग करें। जल्दी ही आराम मिल जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

'व्हाट्सएप फैक्ट्रियां कहानी बना रहीं'

'स्पिरिट' से बाहर होने की खबरों पर प्रकाश राज ने तोड़ी चुप्पी

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'स्पिरिट' शुरू से चर्चा में है। पहले इस फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड रोल अदा कर रही थीं। मगर, कुछ मतभेदों के चलते स्टाराकास्ट में बदलाव हुए और दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी फिल्म का हिस्सा बनीं। प्रभास इस फिल्म में लीड रोल कर रहे हैं। बीते रविवार ऐसी खबरें सामने आईं कि दीपिका के बाद अब प्रकाश राज भी 'स्पिरिट' से हट गए हैं। इस किस्म की खबरों पर प्रकाश राज ने चुप्पी तोड़ी है।

'स्पिरिट' से हटने की खबरों पर क्या बोले प्रकाश राज?

फिल्म 'स्पिरिट' से अपने बाहर होने की अफवाहों को बढ़ता देख प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से आज सोमवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लोगों से अफवाहें न फैलाने की बात कही है। एक्टर ने लिखा है, 'सभी टॉक्सिक फर्जी खबरें फैलाने वालों को 'स्पिरिट' फिल्म के बारे में बताना चाहता हूं। हमने अभी तक मेरे सीन्स की शूटिंग शुरू भी नहीं की है और व्हाट्सएप फैक्ट्रियां कहानियां बना रही हैं। थोड़ी समझदारी दिखाओ। अपनी जिंदगी जियो'।

क्रिएटिव मतभेद की अफवाहें हुईं खारिज

बता दें कि ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि प्रकाश राज और फिल्म 'स्पिरिट' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के बीच कुछ क्रिएटिव मतभेद हो गए हैं। इसके बाद प्रकाश राज ने फिल्म से हाथ खींच लिए हैं और उनकी जगह कोई दूसरा कलाकार खोजा जा रहा है। मगर, इस किस्म की अफवाहों को प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खारिज कर दिया है। साथ ही साफ कर दिया कि वे फिल्म का हिस्सा हैं।

विवेक ओबेरॉय भी हैं फिल्म का हिस्सा

बता दें कि पहली जनवरी को फिल्म 'स्पिरिट' का पोस्टर जारी किया गया था। इसमें प्रभास और तृप्ति डिमरी नजर आए। फिल्म में विवेक ओबेरॉय भी अहम भूमिका में हैं। भूषण कुमार, संदीप रेड्डी वांगा और प्रणय रेड्डी वांगा इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

'शक्ति शालिनी' मूवी में 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा के साथ पहली बार

फुल लेंथ रोल में दिखेंगे विशाल जेठवा

यशराज फिल्म्स की 'सैयारा' से चर्चा में आईं अनीत पड्डा और 'मर्दानी 2' व 'होमबाउंड' से पहचान बना चुके विशाल जेठवा तेजी से बड़े बैनर्स की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अब ये दोनों कलाकार पहली बार मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एक साथ नजर आने वाले हैं। दिनेश विजन और अमर कौशिक के सुपरहिट यूनिवर्स में अगली पेशकश 'शक्ति शालिनी' होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म अनीत को एक महिला-प्रधान सुपरनैचुरल किरदार में पेश करेगी, जबकि विशाल उनके लव इंटरेस्ट की भूमिका निभाएंगे। हालांकि यह रिश्ता सिर्फ रोमांस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कहानी को नैतिक गहराई और भावनात्मक आधार भी देगा।

कियारा के हटने के बाद अनीत हुईं कास्ट

अक्टूबर 2024 तक इस प्रोजेक्ट से कियारा आडवाणी का नाम जुड़ा था, लेकिन अब फिल्म अनीत के खाते में है। मार्च 2026 से शूटिंग शुरू होने की संभावना है। 'शक्ति शालिनी' को 'मुंज्या' फेम आदित्य सरपोतदार डायरेक्ट करेंगे। यह फिल्म चंबल और आस-पास की लोककथाओं पर बेस्ड होगी। जहां 'स्त्री' में रहस्य और 'मुंज्या' में शरारत थी, वहीं इस बार फोकस हाई-ऑक्टेन एक्शन और दैवीय शक्तियों पर होगा। अनीत का किरदार एक ऐसी युवती का है, जिसे धीरे-धीरे अपनी असाधारण शक्तियों का एहसास होता है।

'सलाम वेंकी' में साथ काम कर चुके हैं दोनों

सूत्रों के मुताबिक, विशाल का किरदार कहानी में एक खास बैलेंस लाता दिखेगा। अनीत और विशाल इससे पहले काजोल स्टारर 'सलाम वेंकी' में साथ काम कर चुके हैं, लेकिन वहां दोनों का कम रोल था, लेकिन 'शक्ति शालिनी' में उन्हें पहली बार पूरी स्पेस देगी। विशाल के लिए भी यह ऐसी फिल्म होगी, जहां वह लीड हीरो हैं। इस जोड़ी का कॉम्बिनेशन ऐसा है कि एक तरफ उभरता स्टारडम है तो दूसरी तरफ मजबूत अभिनय।करियर के इस अहम मोड़ पर भी अनीत अपनी पढ़ाई को भी प्राथमिकता दे रही हैं। वह फिलहाल पॉलिटिकल साइंस से BA ऑनर्स कर रही हैं। एग्जाम के बाद ही वह शूटिंग जॉइन करेंगी। इसके अलावा वह कोर्टरूम ड्रामा सीरीज 'न्याय' और मनीष शर्मा की अनटाइटल्ड रोमांटिक फिल्म में भी दिखेंगी। वहीं विशाल के लिए 'शक्ति शालिनी' एक बड़ा कॉमर्शियल टर्निंग पॉइंट हो सकती है। इंडस्ट्री ट्रेड्स के मुताबिक विशाल इस साल आर्ट सिनेमा और मास एंटरटेनमेंट दोनों में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

फिल्म बैटल ऑफ गलवान में कुछ अहम सीन के री-शूट में लग रहा है ज्यादा वक्त, आगे बढ सकती है रिलीज

एक्टर सलमान खान की मोस्ट-अवेटेड वॉर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की रिलीज डेट टल सकती है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म के री-शूट और कुछ जरूरी प्रक्रियाओं की वजह से इसकी टाइमलाइन आगे बढ़ गई है।हालांकि, फिल्म की टीम ने अभी तक इस पर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। बता दें कि फिल्म की रिलीज डेट 17 अप्रैल तय की गई थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के कुछ अहम सीन का री-शूट चल रहा है, जिसमें टीम को उम्मीद से ज्यादा वक्त लग रहा है। बताया जा रहा है कि सलमान खान और डायरेक्टर अपूर्व लाखिया कहानी के इमोशनल और ड्रामैटिक इम्पैक्ट को और स्ट्रॉन्ग बनाना चाहते हैं, इसी वजह से प्रोडक्शन में देरी हो रही है।

नया शूटिंग शेड्यूल

रिपोर्ट के मुताबिक, 9 फरवरी से मुंबई की गोल्डन टोबैको फैक्ट्री में फिल्म का नया शूटिंग शेड्यूल शुरू होने वाला है। इसके बाद कुछ ही दिनों की शूटिंग बचने की उम्मीद है। सूत्र के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग फरवरी के आखिर तक पूरी हो जाएगी। इसके बाद अपूर्व लाखिया री-शूट किए गए सीन की एडिटिंग शुरू करेंगे।

रक्षा मंत्रालय की स्क्रीनिंग

प्रोडक्शन और एडिटिंग के साथ-साथ फिल्म की रिलीज रक्षा मंत्रालय की अनिवार्य स्क्रीनिंग पर भी निर्भर करेगी। इस प्रक्रिया की वजह से रिलीज में और देरी हो सकती है। यह स्क्रीनिंग इसलिए जरूरी होती है ताकि असली घटनाओं और राष्ट्रीय हितों को सही और संवेदनशील तरीके से दिखाया जा सके, खासतौर पर जब फिल्म का विषय सेना से जुड़ा हो।

रिलीज डेट को लेकर अटकलें

मौजूदा हालात को देखते हुए पहले तय की गई अप्रैल रिलीज अब संभव नहीं लग रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान का मानना है कि देशभक्ति से जुड़ी इस फिल्म को बेहद सोच-समझकर पेश किया जाना चाहिए और इसलिए टीम को किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचना चाहिए। सूत्र के अनुसार, सलमान खान और अपूर्व लाखिया रिलीज टालने के विकल्प पर गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं, हालांकि अभी तक कोई फाइनल फैसला नहीं हुआ है। टीम अलग-अलग तारीखों पर विचार कर रही है।

'बॉक्स ऑफिस नंबर याद नहीं रहते' : तृप्ति डिमरी

बताया शाहिद के साथ काम करने का अनुभव

नेशनल क्रश का तमगा पा चुकीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में तृप्ति शाहिद कपूर के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इस मल्टीस्टारर फिल्म में वह अफशा का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में तृप्ति ने इस फिल्म और शाहिद कपूर के साथ काम करने के अनुभव समेत कई मामलों पर खुलासा किया।

हर मुश्किल किरदार आगे बढ़ाता है

'ओ रोमियो' में अपने किरदार को लेकर तृप्ति ने कहा, 'जब यह फिल्म मुझे ऑफर हुई तो मैं बहुत खुश थी। यह एक चुनौतीपूर्ण किरदार था। ऐसे किरदार मुझे आकर्षित करते हैं। मुझे लगता है कि जो भूमिकाएं होती हैं वो ही एक अभिनेता को आगे बढ़ने का मौका देती हैं। फिर यह फिल्म भी विशाल भारद्वाज की थी, इसलिए मना करने का तो सवाल ही नहीं उठता था। जीवन में कभी सोचा नहीं था कि नाना पाटेकर और फरीदा जलाल जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिलेगा। कुल मिलाकर इस फिल्म ने अभिनेता के रूप में मुझे और भी मजबूत बना दिया।'

किरदार के लिए किए वर्कशॉप

फिल्म से जुड़े अपने अनुभव और किरदार के लिए मेहनत के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म के लिए मैंने काफी वर्कशॉप की थीं। हमने अफशा के किरदार को अच्छे से समझने की कोशिश की। विशाल सर भी हमारी वर्कशॉप में शामिल होते थे। खासकर इस लड़की के मन को समझने पर सबसे ज्यादा चर्चा होती थी। मुझे लगता है कि यह सारी बातचीत और तैयारी मेरे लिए बहुत उपयोगी साबित हुई। जब आपके पास अपने किरदार की पूरी बैकग्राउंड और उसकी आंतरिक दुनिया साफ होती है, तो उसे कैमरे पर निभाना बहुत स्वाभाविक लगता है।

शाहिद जैसे को-स्टार हर सीन आसान बना देते हैं

शाहिद कपूर को लेकर तृप्ति का कहना है कि उनके साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह बहुत ही मददगार हैं। शुरुआत में मैं थोड़ा शांत रहती थी। किरदार की भी यही जरूरत थी और मैं हूं भी थोड़े शांत स्वभाव की। सेट पर पहला दिन ही मेरे लिए काफी मुश्किल था। हमें एक इमोशनल सीन करना था। मैं अपने जोन में थी और उनसे एक बार भी बात तक नहीं की थी। हालांकि, मन ही मन मुझे लग रहा था कि पता नहीं वो मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? लेकिन शाहिद ने यह बात तुरंत समझ ली। उन्हें महसूस हो गया कि मैं बस सीन पर फोकस कर रही हूं। यह उनकी बहुत खूबसूरत बात है।

सेट पर शाहिद पहले दिन से ही बहुत मददगार रहे। कई बार सीन करते समय बहुत घबराहट होती थी। प्रेशर लगता था पर वो बिना कुछ कहे समझ जाते थे और माहौल हल्का कर देते थे। मैंने शाहिद की लगभग सारी फिल्में देखी हैं। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी। जब मुझे यह मौका मिला, तो मैं सच में बहुत खुश थी। ऐसा लगा जैसे मेरी एक पुरानी इच्छा पूरी हो गई हो। यह मेरे लिए एक तरह का फैन मोमेंट था।

रिलीज वाले दिन दिमाग में बहुत कुछ चलता है

फिल्म की रिलीज वाले दिन होने वाली घबराहट को लेकर अभिनेत्री का मानना है कि जिस दिन मेरी कोई फिल्म या प्रोजेक्ट रिलीज होता है, उस दिन दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होता है। मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे फर्क नहीं पड़ता। मुझे बहुत फर्क पड़ता है। आप चाहे जितनी कोशिश कर लो कि टेंशन न लो, लेकिन टेंशन आ ही जाती है। ऐसे वक्त में मैं अपने दोस्तों के साथ रहना ज्यादा पसंद करती हूं। वे बहुत ईमानदार हैं। अगर मैं कुछ गलत कर दूं, तो सीधे बोल देते हैं। और अगर कुछ अच्छा कर दूं, तो ज्यादा तारीफ भी नहीं करते।

अंत में याद रहता है अनुभव, न कि बॉक्स ऑफिस के नंबर'

बॉक्स ऑफिस पर नंबर्स पर तृप्ति ने कहा कि मेरे लिए हर फिल्म की अपनी किस्मत होती है और अपनी एक यात्रा। अगर कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा नहीं करती, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि फिल्म अच्छी नहीं थी। अब तक मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर फिल्म के साथ मेरा अनुभव अच्छा रहा है। दस साल बाद जब पीछे मुड़कर देखते हैं, तो बॉक्स ऑफिस के नंबर याद नहीं रहते। सेट पर क्या हुआ था, किससे क्या बात हुई थी और क्या सीखा, यही याद रह जाता है। इसलिए मुझे लगता है कि हर फिल्म मेरे लिए खूबसूरत रही है। चाहे उसका परिणाम कुछ भी क्यों न हो।

पर्सनल कमेंट बुरे लगते हैं

ऑनलाइन ट्रोलिंग पर एक्ट्रेस ने कहा कि वैसे तो मैं कई चीजें इग्नोर करती हूं पर आखिरकार मैं भी इंसान ही हूं। मुझे भी बुरा लगता है। कभी-कभी बहुत रोती भी हूं। हालांकि, कोई मेरी फिल्म या मेरे काम की आलोचना करे तो तकलीफ नहीं होती। लेकिन अगर कोई पर्सनल कमेंट कर दे तो वह बात मुझे बहुत बुरा लगता है। बिलकुल अच्छा नहीं लगता। लेकिन फिर भी मुझे कोई इतनी आसानी से रुला नहीं सकता।

रणवीर सिंह को पसंद है घूमना, बताया व्यस्त जिंदगी में किस तरह बिताते हैं अपने लिए सुकून के पल

'धुरंधर' की अपार सफलता से रणवीर सिंह काफी खुश हैं। अब वो फिल्म के दूसरे पार्ट 'धुरंधरः द रिवेंज' के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, पर्दे पर और पब्लिक अपीयरेंस में काफी एनर्जेटिक नजर आने वाले रणवीर का कहना है कि वो अक्सर चकाचौंध से दूर कुछ शांत पल बिताते हैं। अब अभिनेता ने बताया कि किस तरह वो अपने व्यस्त जीवन से भी अपने लिए शांति से बिताने वाले कुछ सुकून के पल निकालते हैं।

शांति और सुकून की होती है जरूरत

रणवीर ने कहा कि मेरी जिंदगी कभी-कभी बहुत भागदौड़ भरी हो जाती है और मुझे शांति, सुकून और स्थिरता के पलों की बहुत जरूरत होती है। ऐसी खामोशी जहां मैं खुद को फिर से सुन सकूं, अपने जुनून से फिर से जुड़ सकूं और तनाव को दूर होते देख सकूं। मेरे लिए अबू धाबी वो खास जगह है। यहा मैं अपनी रफ्तार धीमी कर लेता हूं, चाहे अल ऐन ओएसिस में टहलना हो या सादियात बीच क्लब में पूल के किनारे आराम करना। ये वो जगह है जो मुझे हमेशा अपनी रफ्तार खोजने देती है और ये मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

मुझे कल्चर के बारे में पढ़ना और जानना अच्छा लगता है

यात्राओं को लेकर रणवीर का कहना है कि यात्रा के दौरान मेरा एक बिल्कुल अलग रूप सामने आता है। मेरी जिज्ञासा और चीजों को खोजने की इच्छा बढ़ जाती है। मैंने यूनिवर्सिटी के दिनों में कम्युनिकेशन और कल्चर की पढ़ाई की है। इसलिए मुझे कल्चर के बारे में सीखना और उसके बारे में पढ़ना काफी अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि यात्रा आपको विनम्र बनाती है, यह आपको एहसास कराती है कि दुनिया कितनी बड़ी है और आपका दायरा कितना छोटा हो सकता है।

'धुरंधरः द रिवेंज' का है दर्शकों को इंतजार

वर्कफ्रंट की बात करें तो पिछले साल 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बाद अब वो फिल्म के दूसरे पार्ट 'धुरंधरः द रिवेंज' में नजर आएंगे। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर यश की 'टॉक्सिक' से होगी। ऐसे में देखना है कि बॉक्स ऑफिस पर कौनसी फिल्म किस पर भारी पड़ती है?

'मैं बहुत नर्वस हूं', प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद अरिजीत का पहला लाइव शो

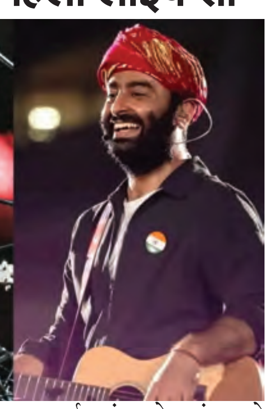

अरिजीत सिंह ने पिछले महीने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट लेकर हर किसी को हैरान कर दिया। मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री के सबसे दिग्गज गायकों में शामिल अरिजीत के इस फैसले से जहां उनके फैंस काफी आहत हुए, तो वहीं इंडस्ट्री के कई लोगों ने उनके फैसले का सम्मान किया। अब अपने रिटायरमेंट के बाद अरिजीत ने कोलकाता में अपना पहला लाइव शो किया। इस दौरान उन्हें स्टेज पर देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए और जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। अरिजीत के इस लाइव शो के कई वीडियोज अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

अनुष्का शंकर के साथ शेयर किया स्टेज

प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट के कुछ ही दिनों बाद अरिजीत सिंह पहली बार लाइव शो में नजर आए। बीती रात कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कॉन्सर्ट में अरिजीत ने सितार वादक अनुष्का शंकर के साथ मंच साझा किया। अब इस कॉन्सर्ट के वीडियोज सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं। एक वायरल वीडियो में अनुष्का ने अरिजीत का मंच पर जोरदार स्वागत किया, जिस पर दर्शकों ने तालियां बजाईं। दर्शकों को संबोधित करते हुए अरिजीत ने कहा, 'मैं बहुत नर्वस हूं। मुझे यहां बुलाने के लिए धन्यवाद।'

बंगाली गीत पर दी प्रस्तुति

लाइव शो के दौरान अरिजीत ने अनुष्का और तालवादक बिक्रम घोष के साथ मिलकर 'माया भोरा राती' प्रस्तुत किया। यह मूल रूप से लक्ष्मी शंकर द्वारा गाया गया और महान सितार वादक पंडित रवि शंकर द्वारा संगीतबद्ध किया गया एक बंगाली गीत है। इस दौरान अरिजीत ने अनुष्का के घर जाकर उनसे मिलने के बारे में भी बताया, जहां दोनों संगीतकारों ने कथित तौर पर एक गाने की कंपोजिशन पर साथ काम किया है। इस दौरान अरिजीत और अनुष्का ने 'ट्रेस ऑफ यू' का एक गाना भी गाया। वहीं एक अन्य वीडियो में अरिजीत गिटार बजाते हुए सरगम गा रहे हैं। अरिजीत को स्टेज पर लाइव देखकर वहां मौजूद लोग काफी उत्साहित हो गए। वहीं उनके फैंस भी अपने पसंदीदा गायक को देखकर काफी खुश हैं। अरिजीत सिंह ने पिछले महीने की 27 तारीख को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए प्लेबैक सिंगिंग से अपने रिटायरमेंट की घोषणा की थी। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने बताया था कि वो अब प्लेबैक सिंगर के रूप में कोई काम नहीं करेंगे।

अमिताभ बच्चन के हाथ में दिखा अनोखा पोस्टर

लिखा था- मुझे सपोर्ट करिए! मेरे ससुराल वाले मेरी वाइफ को भेज नहीं रहे हैं

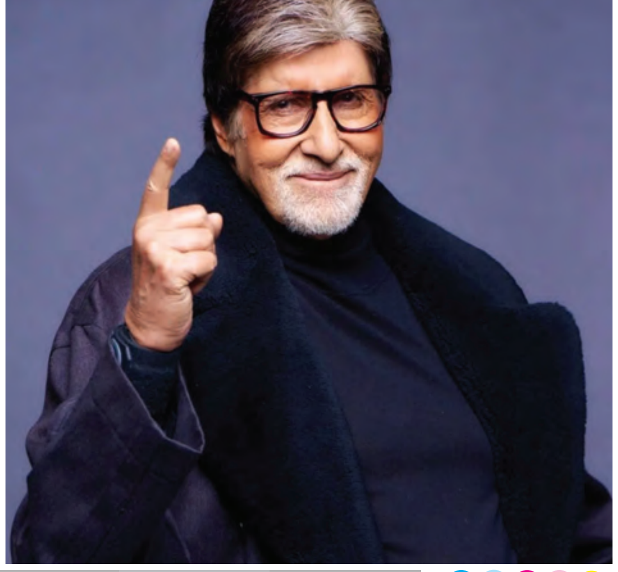

एक्टर अमिताभ बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे रविवार को मुंबई में फैन्स से मुलाकात के दौरान एक पोस्टर पकड़े नजर आए। पोस्टर पर लिखा मैसेज कई लोगों को हैरान कर रहा है। दरअसल, अमिताभ बच्चन हर रविवार को अपने घर के बाहर फैन्स से मुलाकात करते हैं। रविवार को फैन्स से मुलाकात के दौरान बिग बी के हाथ में एक पोस्टर दिखा, जिस पर लिखा था- "मुझे सपोर्ट करिए! मेरे ससुराल वाले मेरी वाइफ को भेज नहीं रहे हैं। 1982 ए लव मैरिज।"

हालांकि, इस पोस्टर का अमिताभ बच्चन से कोई निजी संबंध नहीं है। यह पोस्टर एक फिल्म से जुड़ा हुआ है, जो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन आखिरी बार रजनीकांत के साथ फिल्म वेट्टैयन में नजर आए थे। टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित यह तमिल फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को रिलीज़ हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने सत्यदेव (जस्टिस डॉ. सत्यदेव ब्रह्मदत्त पांडे) का रोल प्ले किया था। वहीं, फिल्म में रजनीकांत ने एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधिकारी का रोल निभाया था।

बता दें कि फिल्म में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत 33 साल बाद एक साथ पर्दे पर नजर आए थे। इससे पहले दोनों ने 1991 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हम' में साथ काम किया था।

पैसों की बारिश का झांसा, बीजेपी पार्षद से ठगी

कहा–3.50 लाख को 100 गुना बना देंगे अनुष्ठान कर नकली नोटों से भरा थैला थमाया

रायपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में तंत्र-मंत्र के जरिए पैसों की बारिश कराने और 100 गुना करने का झांसा दिया गया। फिर ठक्कर बापा वार्ड के बीजेपी पार्षद रुस्तम कुर्रे से 3 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली गई। कथित तांत्रिकों ने अनुष्ठान कर नकली नोटों से भरा झोला थमा दिया। असली पैसों को लेकर भाग गए।

पीड़ित पार्षद रुस्तम कुर्रे की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राहुल भारती और मयंक दास को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों भिलाई के रहने वाले हैं। उनके पास से एक अपाचे बाइक, एक मोबाइल और 3.5 लाख रुपए जब्त किया गया है। घटना गुढ़ियारी थाना क्षेत्र की है।

इससे पहले, बिलासपुर में एक शख्स ने 2.50 लाख को 2.50 करोड़ बनाने का झांसा दिया था। कथित तांत्रिक ने बिल्हा के सबेलपुरी में कांग्रेस समर्थित सरपंच पति के घर अनुष्ठान का वीडियो बनाया। जिसमें पैसों की गड्डी के सामने नारियल, अगरबत्ती रखकर पूजा की। फिर

अचानक ऊपर से पैसों की बारिश होने लगी थी।

दरअसल, गुढ़ियारी निवासी रुस्तम कुर्रे की मुलाकात एक साल पहले भिलाई के सुपेला में राहुल भारती से हुई थी। राहुल ने काम की तलाश में उनसे संपर्क बढ़ाया और लगातार फोन करता रहा। 4 फरवरी 2026 से राहुल ने उन्हें यह कहकर झांसे में लिया कि तांत्रिक मयंक दास उसके संपर्क में है, जो तंत्र-मंत्र से पैसों को 100 गुना कर सकता है।

रुस्तम कुर्रे ने बताया कि, 6 फरवरी की शाम करीब 7 बजे राहुल भारती अपने साथी मयंक दास के साथ उनके कार्यालय मंगल बाजार गुढ़ियारी पहुंचा। वहां पूजा-पाठ की तैयारी कराई गई। पूजा के दौरान मयंक दास ने कैश मांगा। उन्होंने 500 रुपए के 7 बंडलों में कुल 3 लाख 50 हजार रुपए दिए।

इसके बाद तांत्रिक मयंक ने पार्षद को बाहर बैठने को कहा और रात करीब 10:30 बजे तक पूजा करता रहा। इसके बाद दोनों आरोपियों ने श्मशान की मिट्टी लेने जा रहे कहकर नोटों से भरा थैला थमाया और बाइक से भाग गए।

काफी देर बाद भी नहीं लौटने पर जब थैला खोला तो उसमें असली नोटों की जगह नकली नोटों के बंडल निकले। जब राहुल के मोबाइल पर कॉल किया गया तो फोन बंद मिला। पीड़ित ने देर रात थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

बीजेपी पार्षद की शिकायत के 4 घंटे बाद पुलिस ने 2 संदेहियों को पकड़ लिया था। पुलिस ने आरोपी राहुल भारती निवासी सुपेला भिलाई और मयंक दास निवासी रिसाली भिलाई को गिरफ्तार कर लिया है। पूरे 3.5 लाख रुपए भी बरामद कर लिए गए हैं।

बैंक कर्मचारी ने गोली मारकर खुदकुशी की

इंदौर में घर खाली कराने पहुंची थी टीम, मकान पर ढाई करोड़ का कर्ज था

इंदौर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में बैंककर्मी ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना विजय नगर में सिनर्जी अस्पताल के पास सोमवार शाम करीब साढ़े 5 बजे की है। मृतक का नाम हेमंत पिता एसडी ब्रह्मवंशी बताया गया है। वह को-ऑपरेटिव बैंक में काम करता था।

हेमंत ने अपने मकान को गिरवी रखकर बैंक ऑफ महाराष्ट्र से ढाई करोड़ का कर्ज ले रखा था। डेढ़ साल से किश्त न चुकाने पर बैंक की टीम मकान खाली कराने पहुंची थी। बैंक के कर्मचारी मकान की पहली मंजिल पर लिखा-पढ़ी कर रहे थे, इसी दौरान हेमंत ने आत्महत्या कर ली। हेमंत के परिवार में दो लड़के, एक लड़की और मां है। विजय नगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने कहा- हेमंत ने अपनी लायसेंसी बंदूक से सिर पर गोली मारी। वह अपने रूम में अकेला बैठा था। कर्ज के चलते काफी समय से वह डिप्रेशन में था। इलाज भी चल रहा था। बड़े बेटे ने इसकी पुष्टि की है।

शराब घोटाला केस: सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट जाने के निर्देश

चैतन्य बघेल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में एक हफ्ते बाद होगी सुनवाई

रायपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में चैतन्य बघेल की जमानत को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ सरकार की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ मामले में अब एक सप्ताह बाद सुनवाई करने की बात कही है। वहीं, सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट जाने के निर्देश।

सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया कि, चैतन्य बघेल को जमानत मिलने के बाद एक अहम गवाह सामने नहीं आ रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी स्थिति में जांच प्रभावित हो सकती है। जेठमलानी ने चैतन्य की जमानत आदेश पर पुनर्विचार

करने की बात रखी।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया की याचिका पर भी सुनवाई की। कोर्ट ने उन्हें राहत देने के बजाय छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का रुख करने का निर्देश दिया। चौरसिया को कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया था।

उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी है कि, एजेंसियां नई-नई एफआईआर दर्ज कर बार-बार गिरफ्तारी कर रही हैं। अब तक उन्हें 6 बार हिरासत में लिया जा चुका है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर करें। साथ ही हाईकोर्ट को उनकी याचिका पर प्राथमिकता से सुनवाई करने कहा है।

ईडी के अनुसार, 2019 से 2022 के बीच हुए कथित शराब घोटाले से राज्य को भारी आर्थिक नुकसान हुआ और एक शराब सिंडिकेट को फायदा पहुंचा। एजेंसी का दावा है कि चैतन्य बघेल इस सिंडिकेट के प्रमुख थे और करीब 1000 करोड़ रुपए की राशि संभाली।

वहीं एसीबी/ईओडब्ल्यू का कहना है कि घोटाले की कुल रकम 3500 करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकती है। इसमें कई लोगों ने मिलकर अपराध से कमाई गई राशि का प्रबंधन किया।

जेल में ही रहेंगे पप्पू यादव, बेल पर सुनवाई टली

कोर्ट को उड़ाने की मिली है धमकी, 31 साल पुराने केस में हुई है सांसद की गिरफ्तारी

पटना, 9 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की जमानत याचिका पर आज सुनवाई टल गई है। फिलहाल वे पटना की बेऊर जेल में ही रहेंगे। मेल से पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट को भी खाली कराया गया है। इसी वजह से आज बेल पर सुनवाई नहीं हो पाएगी। फिलहाल वे पटना के बेऊर जेल में बंद हैं। बेऊर ले जाने से पहले उनका पीएमसीएच में मेडिकल चेकअप हुआ था। अस्पताल के अधीक्षक राजीव कुमार के अनुसार वे फीट हैं, हालांकि बेऊर जाने के वक्त वे एंबुलेंस में लेटे हुए थे। वहीं, दूसरी तरफ सांसद और नीट छात्रा के समर्थन में रविवार को पटना से दिल्ली तक प्रदर्शन होता रहा। पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'पप्पू यादव को रिहा करो' के पोस्टर के साथ सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर तक जला दिए। वहीं, दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी सांसद पप्पू यादव के समर्थन और छात्रा को न्याय दिलाने को लेकर प्रदर्शन हुआ। इसमें पीड़िता की मां और परिजन भी शामिल हुए थे। इसके अलावा करीब सैकड़ों की संख्या में लोग जुटे थे।

मंदिर की छत गिरी 3 बच्चियों की मौत

मुरैना में पटिया ढहने से हादसा, मृतकों में दो सगी बहनें दंपती-बेटी समेत 6 घायल

मुरैना, 9 फरवरी (एजेंसियां)। मुरैना जिले के अहरौली गांव में चामड़ माता के मंदिर की छत गिर गई। मलबे में दबकर 3 बच्चियों की मौत हो गई। 4 अन्य बच्चियां और एक दंपती घायल हैं। हादसा सोमवार दोपहर करीब दो बजे मंदिर में गुंबद निर्माण के लिए पुरानी छत तोड़ते वक्त हुआ। गांव में ही रहने वाले सतीश गौड़ पत्नी पृथ्वी के साथ मंदिर में प्रसाद चढ़ाने आए थे। उन्होंने प्रसाद देने के लिए कुछ बच्चियों को भी मंदिर के भीतर बुला लिया। इसी दौरान पुरानी छत की पटिया गिर गई और नीचे बैठीं बच्चियां मलबे में दब गईं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मलबा हटाकर घायलों और शवों को बाहर निकाला।

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक सोशल मीडिया पर प्रकाशित होने पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की आगामी किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के कथित रूप से सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, इस पुस्तक को अभी संबंधित प्राधिकरणों से प्रकाशन की आवश्यक अनुमति नहीं मिली है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि विभिन्न ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और न्यूज फोरम पर ऐसी जानकारी सामने आई थी कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी इंटरनेट पर साझा की जा रही है। इन दावों के संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

शुरुआती जांच में पाया गया कि 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' शीर्षक से टाइपसेट की गई एक पीडीएफ कॉपी कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध है।

यह कॉपी कथित रूप से पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की गई प्रतीत होती है।

इसके अलावा कुछ ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म पर पुस्तक का फाइनल कवर भी इस तरह प्रदर्शित किया गया है, मानो वह बिक्री के लिए उपलब्ध हो।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यह मामला एक ऐसी पुस्तक के संभावित लीक या गोपनीयता उल्लंघन से जुड़ा है, जिसे अभी आधिकारिक मंजूरी मिलना बाकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल सेल में केस दर्ज किया गया है और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पुस्तक की प्री-प्रिंट कॉपी ऑनलाइन कैसे पहुंची, इसमें किन लोगों या संस्थाओं की भूमिका हो सकती है, और क्या इसमें कॉपीराइट या अन्य कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रिंकू आईपीएल के बाद सांसद प्रिया संग 7 फेरे लेंगे

काशी में होगी शादी, सियासत से बचने को गेस्ट लिस्ट छोटी बनाई

अलीगढ़, 9 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज इसी साल जून में 7 फेरे लेंगे। दोनों की शादी काशी में होगी। परिवार ने सियासत से बचने को गेस्ट लिस्ट छोटी बनाई है। पिछले साल 8 जून को लखनऊ में रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी हुई थी। इसके बाद नवंबर, 2025 में शादी की डेट फिक्स हुई थी। लेकिन, शादी नहीं हो पाई थी। फिर फरवरी, 2026 की तारीख तय हुई, लेकिन टी-20 वर्ल्ड कप और आईपीएल के चलते अब इसे जून के लिए शेड्यूल किया गया है। रिंकू के बड़े भाई सोनू सिंह ने बताया- शादी के लिए पहले 11 और 12 जून की तारीखों पर चर्चा थी। लेकिन आईपीएल फाइनल की व्यस्तता को देखते हुए रिंकू ने नई तारीख निकलवाने को कहा है। सोनू सिंह ने कहा- आईपीएल, 26 मार्च से 31 मई के बीच प्रस्तावित है। जब रिंकू आईपीएल से फ्री होंगे, तभी शहनाई बजेगी। फिलहाल शादी काशी में होगी और रिसेप्शन अलीगढ़ में रखा जाएगा।

राजकीय इटखोरी महोत्सव 19 फरवरी से

कार्यक्रम में आएंगे बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर ड्रोन शो और वाटर स्पोर्ट्स भी होगा ऑर्गनाइज

चतरा, 9 फरवरी (एजेंसियां)। चतरा जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल इटखोरी में 19 से 21 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय राजकीय महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आस्था, संस्कृति और रोमांच के इस संगम के लिए प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं।

डीसी कीर्तिश्री ने सोमवार को समाहरणालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया। इस वर्ष महोत्सव में आध्यात्मिकता के साथ आधुनिकता और साहसिक खेलों का भी समावेश होगा।

डीसी ने महोत्सव के सफल

और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक न होने के स्पष्ट निर्देश दिए। डीसी ने मंदिर से मुख्य सड़क तक की मरम्मत, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई और दर्शक दीर्घा में बैठने की व्यवस्था समय पर पूरी करने का आदेश दिया। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए मोबाइल और स्थायी शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

महोत्सव की सांस्कृतिक संध्याएं इस बार विशेष होंगी। इनमें बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर और देश के विभिन्न हिस्सों से आए लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

इस वर्ष का मुख्य आकर्षण भव्य ड्रोन शो होगा, जो पहली बार चतरा के आसमान को रोशन करेगा। रोमांच के शौकीनों के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। 19 और 20 फरवरी को बक्सा डैम में आम जनता के लिए निःशुल्क वाटर स्पोर्ट्स की सुविधा उपलब्ध होगी।

समाज के लिए अमृत साबित होगा यूसीसी कानून

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि देश में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) कानून लागू होना समाज के लिए अमृत साबित होगा। यह एक तरीके से 'मदर ऑफ ऑल रिफॉर्म्स' साबित होगा। इसके लिए मजहब और मुल्क की सीमा नहीं, बल्कि यह हर व्यक्ति के लिए है। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यूसीसी के खिलाफ सिर्फ भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। इसलिए इसका समाधान होना चाहिए और आम लोगों तक चर्चा की दृष्टि से आगे बढ़ना चाहिए।

मोहन भागवत की टिप्पणी का समर्थन करते हुए बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोग हर मुद्दे को गंभीरता से लेते हैं, चाहे वह राष्ट्रीय हो, अंतरराष्ट्रीय हो, आर्थिक हो या सामाजिक। वे लोगों की नब्ज, जनता की सोच और भावनाओं को समझते हैं और सभी मुद्दों पर तर्क व तथ्यों के साथ आगे बढ़ते हैं।

मेरा मानना है कि कॉमन सिविल कोड (यूसीसी), जिसकी कल्पना हमारे संविधान बनाने वालों ने की थी और सरकारों को इस दिशा में काम करने का निर्देश दिया था, आज खासकर प्रासंगिक है, क्योंकि देश आजादी का अमृत काल मना रहा है।

कल होगी साय कैबिनेट की बैठक

रायपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में साय कैबिनेट की अगली बैठक 11 फरवरी को होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में सुबह 11 बजे से शुरू होगी। जिसमें आगामी विधानसभा सत्र के कार्यक्रमों, प्रशासनिक फैसलों और कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, बैठक में वित्त, अवसंरचना, कृषि, उद्योग, ऊर्जा समेत अन्य प्रमुख विभागों के कई जरूरी एजेंडा पेश किए जाएंगे।

इस बैठक में राज्य में चल रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही, बजट में शामिल होने वाली नई नीतियों और परियोजनाओं पर भी निर्णय की प्रक्रिया तेज की जा सकती है।

सरकार के विकास रोडमैप को गति देने के लिए निवेश आकर्षण, रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचा उन्नयन से जुड़े प्रस्ताव भी मेज पर आ सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में हुई कैबिनेट बैठक में नशे के बढ़ते खतरे को देखते हुए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।

'शिक्षा मंत्री-झूठा मंत्री', पोस्टर के साथ कैंडिडेट्स का प्रदर्शन

पटना में पुलिस से भिड़े अभ्यर्थी, बैरिकेडिंग कर रोका गया, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

पटना, 9 फरवरी (एजेंसियां)। पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 को लेकर अभ्यर्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन की शुरुआत पटना कॉलेज से हुई, जो करीब दो घंटे बाद जेपी गोलंबर पर आकर खत्म हुई।

अभ्यर्थी हाथों में 'शिक्षा मंत्री झूठा है' और 'आई लव टीआरई-4' लिखे पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। इस दौरान पुलिस ने उन्हें काफी समझाने की कोशिश की।

प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर तक पहुंचना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। बैरिकेडिंग के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच झूमाझटकी हुई।

कई अभ्यर्थियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जबकि कुछ छात्र बैरिकेड के ऊपर चढ़ गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई।

बीपीएससी ने वर्ष 2026 तक आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है, लेकिन इसमें शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 का कोई उल्लेख नहीं है।

इसे लेकर अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार जानबूझकर टीआरई-4 को टालना चाहती है।

कैलेंडर से टीआरई-4 के गायब रहने से हजारों अभ्यर्थियों में गुस्सा और निराशा दोनों बढ़ गई है।

पिछले सोमवार को जारी बीपीएससी के परीक्षा कैलेंडर में 70वीं, 71वीं और 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सीसीई), न्यायिक सेवा, एपीओ, तकनीकी और प्रशासनिक पदों समेत 50 से अधिक भर्तियों की संभावित तिथियां दी गई हैं।

इस कैलेंडर में विशेष शिक्षक, सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी जैसी भर्तियों का भी जिक्र है, लेकिन टीआरई-4 पूरी तरह नदारद है।

इससे यह सवाल उठने लगा है कि क्या सरकार शिक्षक भर्ती को जानबूझकर लटका रही है।

कांग्रेस ने आत्मानंद स्कूलों में पहुंचकर गिनाईं खामियां

बच्चों को ड्रेस-किताबें नहीं, शिक्षकों की भारी कमी स्कूलों को कमजोर करने की साजिश का आरोप

रायपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राज्यभर के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस का आरोप है कि, सरकार जानबूझकर इस महत्वाकांक्षी योजना को कमजोर कर रही है। पार्टी नेताओं ने स्कूलों का दौरा कर शिक्षकों, छात्रों और पालकों से संवाद किया और जमीनी हकीकत सामने रखी।

कांग्रेस के अनुसार, राजधानी रायपुर समेत कई स्कूलों में एक साल से बच्चों को ड्रेस नहीं मिली है। नया सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन अब तक न ड्रेस पहुंची है और न ही जरूरी शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।

शिक्षकों की भारी कमी के कारण पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। एक स्कूल में 1200 से अधिक बच्चों पर पांच शिक्षकों और दो प्यून की कमी बताई गई। इसके बावजूद शिक्षकों की अन्य जगहों पर ड्यूटी लगा दी गई है।

कांग्रेस का कहना है कि यह योजना पूर्ववर्ती सरकार के दौरान बेहतर तरीके से संचालित हो रही थी। तब स्कूलों का स्तर इतना बेहतर था कि निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से बच्चे निकालकर पालक आत्मानंद स्कूलों में दाखिला दिला रहे थे। प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी और मेरिट आधारित थी, लेकिन पिछले दो वर्षों में कथित तौर पर सिफारिश के आधार पर प्रवेश कराए जा रहे हैं, जिससे योग्य बच्चे वंचित हो रहे हैं।

पार्टी ने आरोप लगाया कि, स्कूलों को पर्याप्त फंड नहीं दिया जा रहा। अंग्रेजी माध्यम के योग्य विषय शिक्षक और प्राचार्य की नियुक्ति नहीं हो रही है। कुर्सी-टेबल, लैब सामग्री, ड्रेस जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पहले डीएमएफ फंड से प्रति स्कूल सालाना 5–6 लाख मिलते थे, जो अब घटकर दो लाख से भी कम रह गए हैं। आर्थिक तंगी के चलते कई स्कूलों में बिजली बिल तक का भुगतान नहीं हो पा रहा।

कांग्रेस का दावा है कि अव्यवस्थाओं और अनुशासनहीनता के कारण पालक बच्चों का भविष्य लेकर चिंतित हैं। हाल के समय में स्कूल परिसरों में गंभीर घटनाओं की खबरों ने भी चिंता बढ़ाई है। पार्टी का कहना है कि इन हालातों के चलते आत्मानंद स्कूलों की स्थापना की मूल भावना को खत्म करने का षड्यंत्र किया जा रहा है।

अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का किया पर्दाफाश

पाकुड़, 9 फरवरी (एजेंसियां)। पाकुड़ नगर थाना पुलिस ने एक अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक नाबालिग सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से छह मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

इस संबंध में नगर थाना में एसडीपीओ दयानंद आजाद ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 7 फरवरी 2026 को नगर थाना क्षेत्र के बैंक कॉलोनी से एक काले रंग की हीरो सुपर मोटरसाइकिल चोरी हुई थी। सूरज कुमार की लिखित शिकायत पर थाना में कांड संख्या 21/2026 दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी के निर्देश पर एसडीपीओ दयानंद आजाद के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। अनुसंधान के दौरान गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी टीम में नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, सनी सुप्रभात, मिथुन रजक, सहायक अवर निरीक्षक विपिन कुमार यादव और तकनीकी शाखा के आरक्षी सूरज मुर्मू शामिल थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नगर थाना क्षेत्र के कूड़ापाड़ा निवासी मोनू उर्फ आकाश कुमार सिंह, बैंक कॉलोनी निवासी अरविंद केसरी, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तिलभिट्ठा निवासी लालटू शेख, रामचंद्रपुर निवासी लालचंद शेख उर्फ नादिन शेख और एक नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने कुल छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

रूसी तेल के टैंकर रोकना इतना आसान नहीं होगा, भारत को चुकानी होगी भारी कीमत?

नई दिल्ली,9 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील कई शर्तों पर हुई है। इसमें रूसी तेल भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत को रूसी तेल खरीदना बंद करना होगा। भारत को अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीद बढ़ानी होगी। हालांकि भारत की ओर से अभी ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है। डील में ट्रंप ने यह भी कहा है कि अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा तो वह फिर से 25 फीसदी टैरिफ लगा देंगे।

अब सबसे बड़ा सवाल है कि क्या भारत अमेरिका के दबाव में रूसी तेल का आयात रोकेगा या कम करेगा या बंद कर देगा? जानकारों के मुताबिक इस बात की उम्मीद कम है कि भारत रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद कर देगा। हां इसमें कुछ गिरावट जरूर आ सकती है। और यह गिरावट आनी भी शुरू हो गई है। ऑइलप्राइसडॉटकॉम की एक खबर के मुताबिक भारत के लिए रूसी तेल की खरीद रोकना मुश्किल हो सकता है। वहीं रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय तेल रिफाइनरी कंपनियों इंडियन ऑइल और एचपीसीएल ने अब वेनेजुएला से तेल मंगवाना शुरू कर दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रूस से तेल खरीद रोक दी है और उसने वेनेजुएला से तेल का एक बड़ा जहाज खरीदा है।

भारत ने कम की खरीदारी

भारत अपनी जरूरत का 85% तेल बाहर से मंगाता है। इसमें से एक तिहाई तेल रूस से आता था। लेकिन पिछले साल नवंबर में ट्रंप ने रूस के बड़े तेल निर्यातकों पर बैन लगा दिया था। साथ ही भारत पर 500 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही थी।

उसके बाद से भारत ने रूसी तेल की खरीद पर कुछ रोक लगाई। अब ट्रंप चाहते हैं कि भारत रूसी तेल को खरीदना पूरी तरह से बंद कर दे। ट्रंप की इस बात से रूस ज्यादा परेशान नहीं हो रहा है। हाल ही में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मीडिया से कहा, 'हम और दुनिया भर के सभी ऊर्जा विशेषज्ञ यह जानते हैं कि रूस भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पाद बेचने वाला अकेला देश नहीं है। भारत हमेशा से दूसरे देशों से भी ये उत्पाद खरीदता रहा है। इसलिए, हमें इसमें कुछ भी नया नजर नहीं आता।'

रूसी तेल भारत के लिए क्यों है खास?

रूस के नेशनल एनर्जी सिक्योरिटी फंड के एक ऊर्जा विशेषज्ञ ने बताया कि अमेरिका जो शेल ऑयल बेचता है, वह हल्का और गैस कंडेनसेट जैसा होता है। वहीं रूस तेल भारी और सल्फर वाला यूराल कच्चा तेल बेचता है। इसका मतलब है कि भारत को अमेरिकी कच्चे तेल को दूसरे ग्रेड के तेलों के साथ मिलाना पड़ेगा, जिसमें अतिरिक्त खर्च आएगा। इसलिए, सीधे तौर पर एक तेल की जगह दूसरा तेल लेना संभव नहीं होगा। सिर्फ तेल की क्वालिटी ही नहीं, कीमत भी दूसरा फेक्टर है। रूस की तेल दूसरे देशों के तेल के मुकाबले काफी सस्ता है। रूस तेल पर लगातार डिस्काउंट दे रहा है। पहले यह डिस्काउंट प्रति बैरल 7 से 8 डॉलर था। यह अब बढ़कर 11 डॉलर तक हो गया है।

ऐसे में रूसी तेल को पूरी तरह छोड़ना भारत के लिए आर्थिक रूप से भी नुकसानदायक होगा। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक अमेरिकी कच्चा तेल भारतीय खरीदारों के लिए महंगा है।

जी-20 देशों में इंडियन इकोनॉमी की ग्रोथ सबसे तेज

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी का अनुमान- अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को भारतीय इकोनॉमी को लेकर नए अनुमान जारी किए हैं। मूडीज के मुताबिक, अगले वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की जीडीपी 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। मूडीज ने कहा कि यह रफ्तार दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले जी-20 देशों के ग्रुप में सबसे ज्यादा होगी। एजेंसी ने इसके पीछे मजबूत घरेलू खपत, सरकार के नीतिगत फैसलों और देश के स्थिर बैंकिंग सिस्टम को मुख्य वजह बताया।

मूडीज का यह अनुमान भारत सरकार और रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान के मुकाबले थोड़ा कम है। पिछले महीने संसद में पेश हुए इकोनॉमिक सर्वे में वित्त वर्ष 2027 के लिए 6.8 प्रतिशत से 7.4 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान बताया गया था। वहीं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने भी हाल ही में अपनी मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही के लिए करीब 7 प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद जताई है। टैक्स में बदलाव और जीएसटी से खपत बढ़ेगी : मूडीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर 2025 में जीएसटी के नियमों में हुए बदलाव और पर्सनल इनकम टैक्स की सीमा बढ़ाए जाने से लोगों की जेब में ज्यादा पैसा बचेगा। इससे बाजार में मांग बढ़ेगी, जिससे इकोनॉमी में ग्रोथ होगी। रेटिंग एजेंसी ने अपनी बैंकिंग सिस्टम आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय बैंकों की हालत बेहतर बनी रहेगी। कर्ज की मांगः वित्त वर्ष 2027 में भारतीय बैंकों की लोन ग्रोथ 11-13 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एनपीएल पर काबूः बैंकों का नॉन परफॉर्मिंग लोन लेवल 2 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है, जो काफी सुरक्षित स्तर है। एमएसएमई पर दबावः छोटे और एमएसएमई पर कुछ दबाव दिख सकता है, लेकिन बैंकों के पास इस नुकसान को झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील का फायदा मिलेगा : रिपोर्ट में यह भी जिक्र है कि फरवरी 2026 में भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के बाद एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़ी कंपनियों की स्थिति में सुधार आएगा। इससे छोटे उद्यमियों (एमएसएमई) का तनाव कम होगा और निवेश की नई संभावनाएं बनेंगी। आरबीआई ब्याज दरों में कटौती जारी रख सकता है : मूडीज का मानना है कि महंगाई अब कंट्रोल में है, इसलिए रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती जारी रख सकता है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अर्थव्यवस्था में सुस्ती के कोई संकेत तो नहीं मिल रहे। साल 2025 में आरबीआई पहले ही ब्याज दरों में 1.25 प्रतिशत की कटौती कर चुका है, जिससे फिलहाल रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर है।इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए जीडीपी का इस्तेमाल होता है। ये देश के भीतर एक तय समय में बनाए गए सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को दिखाती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं उन्हें भी शामिल किया जाता है। जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी।

रियल जीडीपी में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। वहीं नॉमिनल जीडीपी का कैलकुलेशन करंट प्राइस पर किया जाता है।

और करो थाईलैंड वियतनाम यात्रा, अब जाना हुआ महंगा

10% गिर गया रुपया, सीए ने लिए मजे!

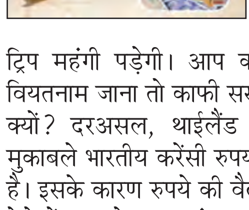

नई दिल्ली,9 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आप थाईलैंड या वियतनाम में छुट्टियां मनाने की सोच रहे हैं तो आपको इन देशों की ट्रिप महंगी पड़ेगी। आप कहेंगे कि थाईलैंड और वियतनाम जाना तो काफी सस्ता पड़ता है, फिर महंगा क्यों? दरअसल, थाईलैंड की करेंसी बहत के मुकाबले भारतीय करेंसी रुपया में काफी गिरावट आई है। इसके कारण रुपये की वैल्यू कम हो गई है।

ऐसे में आपको अब वहां ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इसे लेकर फाइनेंस एक्सपर्ट अक्षत श्रीवास्तव ने अपनी पोस्ट में बताया है कि भारतीय गोवा के मुकाबले थाईलैंड और वियतनाम को ज्यादा अहमियत दे रहे हैं। इससे भारतीय रुपया थाईलैंड की करेंसी बहत के मुकाबले 10 फीसदी गिर गया है। इससे थाईलैंड जाना महंगा हो गया है।

उन्होंने अपनी पोस्ट के आखिर में इस पर कुछ मजे भी लिए। थाईलैंड की करेंसी महंगी होने और रुपये में गिरावट को लेकर उन्होंने लिखा- और करो थाईलैंड वियतनाम। अक्षत ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'पिछले साल हम भारतीय गोवा के मुकाबले थाईलैंड और वियतनाम को ज्यादा अहमियत दे रहे थे। पिछले एक साल में भारतीय करेंसी आईएनआर थाई बहत के मुकाबले 10% गिर गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारतीयों के लिए थाईलैंड 10% महंगा हो गया है। यह तो सिर्फ आधिकारिक आंकड़ा है। अनौपचारिक आंकड़े तो और भी ज्यादा चिंताजनक हैं।'अक्षत ने पोस्ट में रुपया और बहत को लेकर अपना अनुभव भी बताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'अभी मैं थाईलैंड में हूंः अगर आप अपने आईएनआर को थाई बहत में बदलने की कोशिश करेंगे, तो विनिमय दर (एक्सचेंज रेट) गूगल पर दिखाई गई दर से अलग होगी।आईएनआर यानी भारतीय रुपये में भारी 'स्लिपेज' दर है। इससे आसानी से 2 से 3% की और बढ़ोतरी हो जाती है। और करो थाईलैंड वियतनाम।'अभी थाईलैंड में भारतीय एक रुपये की कीमत 0.35 थाई बहत के बराबर है। अगर आपको थाईलैंड में एक बहत की कोई चीज खरीदनी है तो इसके लिए 2.90 रुपये खर्च करने होंगे। एक साल पहले भारतीय एक रुपये की कीमत 0.39 थाई बहत के बराबर थी। यानी आपको एक बहत की कीमत वाली कोई चीज खरीदने के लिए करीब 2.60 रुपये खर्च करने पड़ते।

वहीं वियतनाम की करेंसी की नाम डोंग है। अभी एक भारतीय रुपये की वैल्यू करीब 287 डोंग के बराबर है। वहीं एक साल पहले एक रुपया 288 डोंग के बराबर था। ऐसे में इसमें बहुत अंतर नहीं आया है।

तमिलनाडु में टाटा मोटर्स-जेएलआर फैक्ट्री का उद्घाटन

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रोल-आउट किया पहला वाहन

चेन्नई, 9 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में टाटा मोटर्स-जगुआर लैंड रोवर की नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस मौके पर टाटा समूह के अध्यक्ष नटराजन चंद्रशेखरन ने इसे टाटा मोटर्स और उसके परिवार के लिए स्वर्णिम दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस एकीकृत विनिर्माण संयंत्र में सालाना 2.5 से 3 लाख वाहनों का निर्माण किया जाएगा।

16 महीनों में पूरी हुई परियोजना

उन्होंने कहा कि पहले सितंबर 2024 में एमके स्टालिन ने इस परियोजना का शिलान्यास किया था। उस समय मुख्यमंत्री ने आवश्यक सभी सुविधाएं और मंजूरियां देने का भरोसा दिलाते हुए 16 महीनों के भीतर उत्पादन शुरू करने को कहा था। मुख्यमंत्री ने फैक्ट्री में निर्मित पहला वाहन लैंड रोवर इवोक मॉडल रोल-आउट किया और प्रतीकात्मक रूप से वाहन चलाकर संयंत्र का उद्घाटन किया। चंद्रशेखरन ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

उन्नत स्तर की मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र

उन्होंने कहा कि यह फैक्ट्री टाटा मोटर्स और जगुआर लैंड रोवर के लिए उन्नत स्तर की मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि तमिलनाडु में टाटा समूह की मौजूदगी तेजी से बढ़ी है, जिसमें टीसीएस, टाटा पावर, टाटा केमिकल्स, ताज होटल्स और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। चंद्रशेखरन ने उद्योग मंत्री

टीआरबी राजा और सभी अधिकारियों का भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

5,000 प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की उम्मीद

इस विनिर्माण इकाई की स्थापना से कम से कम 5,000 प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। यह निवेश भारत में लक्जरी ऑटोमोबाइल सेगमेंट में कंपनी के विस्तार का अहम कदम माना जा रहा है। तमिलनाडु सरकार के उद्योग, निवेश प्रोत्साहन व वाणिज्य मंत्री टीआरबी राजा ने कहा कि प्रत्यक्ष रोजगार के अलावा इस परियोजना के आसपास बड़ी संख्या में सहायक (एंसिलरी) इकाइयां स्थापित होंगी, जिससे रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।

9000 करोड़ रुपये की ग्रीनफील्ड परियोजना

यह ग्रीनफील्ड परियोजना लगभग 9,000 करोड़ (करीब 994 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के निवेश से विकसित की गई है। मंत्री राजा ने बताया कि संयंत्र का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ, जिसमें राज्य सरकार और टाटा समूह के बीच बेहतर समन्वय की अहम भूमिका रही।

यह है असली 'मेक इन इंडिया' वर्ल्ड क्लास मशीनरी की डिजाइन से लेकर मैन्यूफैक्चरिंग सब भारत में

नई दिल्ली,9 फरवरी (एजेंसियां)। जब आप फार्मा इंडस्ट्री की बात करते हैं तो भारत जेनेरिक दवाइयां बनाने में बहुत आगे है। तीसरी दुनिया के देश ही नहीं, अमेरिका और कनाडा जैसे विकसित देशों में भी यहां से दवाइयां निर्यात की जाती हैं। लेकिन जब आप किसी वर्ल्ड क्लास फार्मा कंपनी की फैक्ट्री में जाइए तो आपको वहां अधिकतर मशीनें यूरोपीय देशों की बनी मिलेंगी। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। भारत की ही एक कंपनी ने दवा, कैप्सूल और इंजेक्शन बनाने से लेकर पैकिंग करने की वर्ल्ड स्टेंडर्ड की मशीन भारत में ही बनाना शुरू कर दिया है।

भारत में बनने की वजह से इन मशीनों की कीमत बेहद कम है। केंद्र शासित प्रदेश दमन में फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग और एलाइड टेक्नोलॉजी से जुड़ा ग्रुप है दादाचांजी ग्रुप । इसी ग्रुप ने बीते दिनों कायरिश इनोटेक नाम से एक नई कंपनी की शुरुआत की है। बताया गया है कि यह नेक्स्ट जेनेरेशन इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो कि फार्मा सेक्टर, हेल्थकेयर आदि सेक्टर के लिए पूरी तरह से कस्टमाइजड मशीनें बनाना शुरू किया है। कस्टमाइज्ड मशीन का मतलब है कि ग्राहक की आवश्यकतानुसार मशीन की डिजाइनिंग की जाती है और उसका निर्माण किया जाता है। दांचांजी ग्रुप के चेयरमैन कायरस दादाचांजी का कहना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सपना देखा था मेक इन इंडिया का। उसी को साकार करने में दादाचांजी ग्रुप लगा हुआ था। अब जा कर सफलता मिली है। अब हमने दमन में ही एक ऐसी फैक्ट्री को शुरू किया है जहां फार्मा इंडस्ट्री की हर तरह की वर्ल्ड क्लास मशीनें भारतीय कीमत पर उपलब्ध होंगी। इससे फार्मा सेक्टर और भी कंपीटिटिव हो सकेगा और उनकी लागत कम होगी। इस क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि फार्मा सेक्टर में अधिकतर मशीनें यूरोपीय देशों से आती हैं। ये मशीनें क्वालिटी और स्टेंडर्ड के मामलों में एकदम फिट होती हैं। डब्ल्यूएचओ से लेकर अमेरिकी मानकों पर खरा उतरती हैं। लेकिन वे महंगी होती है। साथ ही उन मशीनों में कोई दिक्कत आ जाए तो यूरोप से ही इंजीनियर और टेक्निशियन बुलाना पड़ता है। कभी कभी तो स्पेयर आने में महीनों लग जाते हैं। तब तक प्रोडक्शन ठप रहता है। कायरस दादाचांजी का कहना है कि अब यूरोपीय स्टेंडर्ड की मशीनें भारतीय कीमतों पर मिलेंगी। वॉयल और एम्पल में इंजेक्शन भरने वाली एक मशीन का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि इस तरह की मशीन यदि स्विटजरलैंड से मंगाते हैं तो एक कीमत 70 करोड़ रुपये पड़ती है। लेकिन भारत में वह महज 20 करोड़ रुपये में बेच रहे हैं। अच्छी बात यह है कि इन मशीनों का आरएंडडी इन हाउस हुआ है इसलिए किसी मल्टीनेशनल कंपनी को रॉयल्टी का भी भुगतान नहीं करना पड़ता है।

चांदी 17 हजार बढ़कर 2.62 लाख किलो पर पहुंची

सोना आज 3,515 महंगा हुआ, 10 ग्राम की कीमत 1.56 लाख हुई

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 9 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,515 रुपए बढ़कर 1,55,593 रुपए हो गया है। इससे पहले से 1,52,078 रुपए पर था। चांदी 16,826 रुपए बढ़कर 2,61,755 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 2,44,929 रुपए पर थी। सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का हाई बनाया था। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई थी। इस दौरान सोना करीब 15% तक सस्ता हो गया था।अब कीमतें स्थिर होते ही निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी शुरू कर दी है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अभी सोने-चांदी में एकमुश्त पैसा

लगाने से बचना चाहिए। इसकी जगह धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा फायदेमंद होगा।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

2025 में सोना 57 हजार रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

अब यूपीआई के जरिए सीधे बैंक खाते में आएगा पीएफ का पैसा, अप्रैल में लॉन्च होगा नया एप

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने आठ करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आ रहा है। अब पीएफ का पैसा निकालने के लिए लंबी कागजी कार्रवाई या क्लेम प्रोसेस के इंतजार की जरूरत खत्म हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, श्रम मंत्रालय अप्रैल में एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च करने जा रहा है, जिसके जरिए ग्राहक यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल कर सीधे अपने बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था को लेकर सब्सक्राइबर्स के मन में कई सवाल हैं। यहां आसान सवाल-जवाब के जरिए समझें कि यह नया सिस्टम कैसे काम करेगा और इससे आपको क्या फायदा होगा। रिटायरमेंट फंड बॉडी ईपीएफओ एक ऐसा सिस्टम तैयार कर रही है, जिससे मेंबर अपने पीएफ (ईपीएफ) का पैसा यूपीएफ पेमेंट गेटवे के जरिए निकाल सकेंगे। इसके लिए अप्रैल में एक डेडिकेटेड मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च की जाएगी। अभी तक पैसा निकालने के लिए क्लेम फाइल करना पड़ता था, जो एक लंबा और समय लेने वाला प्रोसेस है।

हरे निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

सेंसेक्स 485 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के पार

मुंबई,9 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद देखने को मिली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और रियल एस्टेट शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 90.74 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक या 0.58 प्रतिशत बढ़कर 84,065.75 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, बेंचमार्क 734.28 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 84,314.68 के अंतर्देशीय उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक या 0.68 प्रतिशत बढ़कर 25,867.30 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, सूचकांक 228.55 अंक या 0.88 प्रतिशत चढ़कर 25,922.25 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 30 शेयरों वाली कंपनियों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, इटरनल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मास्यूटिकल्स और एशियन पेंट्स लाभ कमाने वाली कंपनियां थीं। दूसरी ओर, पावरग्रिड, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया और एक्सिस बैंक पिछड़ गए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि व्यापार समझौते से मिले सकारात्मक संकेतों और विदेशी निवेश स्रोतों (एफआईआई) की वापसी ने बाजार में जोखिम लेने की भावना को बढ़ावा दिया है। निवेशक आगामी परिणामों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बैंकों के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बैंक सूचकांक को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। उन्होंने आगे कहा कि हालिया गिरावट के बाद उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और रियल एस्टेट शेयरों में संचय रणनीति देखी गई, जो मांग में पुनरुद्धार की उम्मीदों से प्रेरित थी। नायर ने कहा कि आर्थिक सुधार व्यापक आधार पर हुआ, जिसमें सीमेंट, पूंजीगत सामान, कपड़ा और उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुओं जैसे क्षेत्रों ने निवेशकों की रुचि आकर्षित की, जिसे केंद्रीय बजट प्रस्तावों और अनुकूल व्यापार सौदों का समर्थन मिला।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-48
सूर्यास्त. 18-12
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष मंगलवार 10 February 2026
तिथि - अष्टमी 07-27 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - विशाखा 07-55 तक उप अनुराधा
योग - वृद्धि 01-42 रात तक उप. व्याघात
करण - कौलव 07-27 तक तैतिल

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर...	05-08 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	कुंभ....	06-58 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	08-37 बजे
बुध	कुंभ	मे	मेष.....	10-13 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	11-57 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	मिथुन..	13-57 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क....	16-10 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	18-22 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	20-29 बजे
			तुला----	22-34 बजे
			वृश्चिक..	00-44 बजे
			धनु.....	02-57 बजे

श्रीवत्स योग

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-23 से 16-49 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-48 - 08-12	अशुभ	काल	18-12 - 19-49	अशुभ
उत्पात	08-12 - 09-38	अशुभ	लाभ	19-49 - 21-22	शुभ
चंचल	09-38 - 11-04	शुभ	उत्पात	21-22 - 22-56	अशुभ
लाभ	11-04 - 12-30	शुभ	शुभ	22-56 - 00-30	शुभ
अमृत	12-30 - 13-57	शुभ	अमृत	00-30 - 02-04	शुभ
काल	13-57 - 15-23	अशुभ	चंचल	02-04 - 03-38	शुभ
शुभ	15-23 - 16-49	शुभ	रोग	03-38 - 05-12	अशुभ
रोग	16-49 - 18-12	अशुभ	काल	05-12 - 06-48	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका आत्मविश्वास बहुत अधिक है, और आप अपने काम या पढ़ाई में कार्रवाई करने के लिए तैयार महसूस करते हैं। स्पष्ट संचार आपको नए अवसरों को पहचानने और उन्हें प्राप्त करने में मदद करता है। बहुत जल्दी कार्य करने से सावधान रहें, क्योंकि धैर्य आपको चीजों को सुचारू रखने में मदद करेगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
रचनात्मक चिंगारी आपके कार्यों के प्रति दृष्टिकोण को निखारती है, जिससे नियमित कार्य भी प्रेरणादायी लगते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, जिससे आपको उन सूक्ष्म समाधानों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरों से छूट सकते हैं। महत्वाकांक्षा प्रभावशाली सफलताओं का कारण बन सकती है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
रचनात्मक ऊर्जा आज आपके करियर को बढ़ावा देती है, जिससे आपको आत्मविश्वास के साथ खुद को अभिव्यक्त करने में मदद मिलती है। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, खासकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में। आप पहल करने और कार्यों को सीधे करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी रचनात्मकता स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है, जो आपके कार्यों में नई ऊर्जा लाती है। दृढ़ संकल्प बढ़ता है, जिससे आप जटिल जिम्मेदारियों को तीव्रता और उद्देश्य के साथ पूरा कर पाते हैं। यदि आप आशावादी बने रहते हैं तो विकास के अवसर आपकी पहुँच में हैं। सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें, और आपका समर्पण जल्द ही पहचान दिला सकता है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
दिन की संवेदनशील ऊर्जा आपको अपने प्रियजनों के प्रति सुरक्षात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करती है। जल्दी से अनुकूल होने की प्रकृति एक दोहरी प्रकृति का मूड लाती है, जिससे आप असंगत महसूस करते हैं। संबंधों पर ध्यान दें और अतिभोग से बचें। हालाँकि, रोमांटिक हितों में अहंकार का तनाव सामने आ सकता है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपका अंतर्ज्ञान मजबूत है, जो आपको आंतरिक आत्मविश्वास के साथ कार्यों और निर्णयों को नेविगेट करने में मदद करता है। संचार बिखरा हुआ लग सकता है, इसलिए स्पष्ट और केंद्रित होने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। रचनात्मक विचार स्वाभाविक रूप से आते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका आत्मविश्वास आपको काम पर चमकने में मदद करता है, जबकि जिज्ञासा आपको नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। रचनात्मक ऊर्जा प्रवाहित होती है, नए दृष्टिकोणों को प्रेरित करती है। कुछ रिश्ते तनाव सतह पर आ सकते हैं, लेकिन खुला, ईमानदार संचार इसे मजबूत साझेदारी में बदल सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप अपने दिन की शुरुआत सूक्ष्म तीव्रता के साथ करते हैं, जिससे आप संसाधन संपन्न तो महसूस करते हैं, लेकिन साथ ही खुद पर थोड़ा दया भी करते हैं। भावनात्मक जोखिम से बचते हुए, रिटायर होने की इच्छा होगी। आप जल्दी से अनुकूलनशील हो जाएंगे, एक दोहरी प्रकृति वाली मानसिकता के साथ जो दृष्टिकोण को बदलती रहती है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका कार्य जीवन ऊर्जा को पोषित करने, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने और आपके पेशेवर संबंधों में सहानुभूति द्वारा निर्देशित होता है। निर्णय लेने में अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें। प्रमुख मोड़ आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं, लेकिन चोट या तीव्र, कुंद आदान-प्रदान जैसे जोखिमों से सावधान रहें जो उपलब्धि के लिए आपकी इच्छा के साथ उत्पन्न हो सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

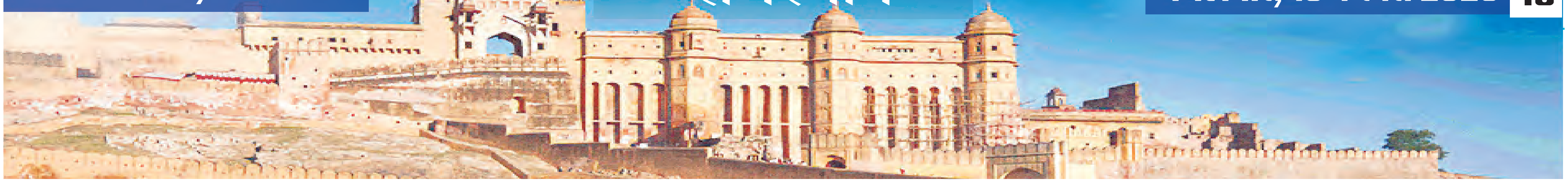

हाईकोर्ट : 2046 तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग होंगे

राजस्थान के सभी वृद्धाश्रमों की ऑडिट होगी, खाने की क्वालिटी से लेकर हर सुविधा जांची जाएगी

जयपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सभी 31 वृद्धाश्रमों (ओल्ड एज होम) की जांच होगी। वहां रहने वाले बुजुर्गों को मिलने वाली सुविधाओं की हकीकत सामने आएगी। बुजुर्गों को मेडिकल की सुविधा मिल रही है कि नहीं, खाने की क्वालिटी, बिल्डिंग की स्थिति, साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा के इंतजाम कैसे हैं, इन सब बिंदुओं पर हाईकोर्ट ने 15 फरवरी तक रिपोर्ट तलब की है। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने यह जिम्मेदारी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को दी है। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि 2046 तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग होंगे। इसके लिए हमारा सिस्टम तैयार नहीं है।

बेंच ने लोक उत्थान संस्थान की जनहित याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने राजस्थान में ओल्ड एज होम्स (वृद्धाश्रमों) की स्थिति को लेकर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने साफ कहा कि ये आश्रम सिर्फ कागजी औपचारिकता नहीं हो सकते, बल्कि यहां रहने वाले बुजुर्गों को सम्मान, बेहतर चिकित्सा, सुरक्षा और मानवीय गरिमा के साथ जीने का हक मिलना चाहिए।

कोर्ट ने भारतीय संस्कृति का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे यहां बुजुर्गों को भगवान का दर्जा दिया जाता है, लेकिन आधुनिक समाज में संयुक्त परिवारों का टूटना, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली ने उन्हें असहाय और उपेक्षित बना दिया है। कोर्ट ने कहा- वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल अब सिर्फ परिवार की नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है। जनहित याचिका में वृद्धाश्रमों की खराब स्थिति को लेकर सवाल उठाए गए थे। बुनियादी सुविधाओं की कमी और लापरवाही का आरोप लगाया गया है। अदालत ने कहा कि देश में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कोर्ट ने इस पर चिंता जताते हुए इसे 'खतरे की घंटी' बताया। विभिन्न रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि 2022 में बुजुर्गों की आबादी कुल जनसंख्या का करीब 10.5% थी, जो 2050 तक 20% से ज्यादा हो सकती है। देश में 2046 तक बुजुर्गों की संख्या बच्चों से भी ज्यादा होगी। ऐसे में अगर अभी से ठोस व्यवस्था नहीं की गई, तो भविष्य में यह स्थिति सामाजिक संकट का रूप ले सकती है।

राजस्थान के गांव भी बदलेंगे, ग्राम उत्थान शिविर में पहुंचे सीएम ने करोड़ों की दी सौगात

अलवर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अलवर के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बड़ी घोषणाएं की। मुख्यमंत्री रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बहाला में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अलवर शहर और आसपास के क्षेत्रों के लिए 152 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, सड़क, जलापूर्ति और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में देश की आत्मा निवास करती है और उन्हें सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। स्वच्छ भारत अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्ति मिली है, वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना से लाखों परिवारों को पक्के मकान

उपलब्ध कराए गए हैं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा रहा है।

शर्मा ने बताया कि वीबी जी राम जी कानून के तहत ग्रामीणों को अब साल में 125 दिन का रोजगार मिलेगा। सभी कार्य आधुनिक तकनीक और पारदर्शी व्यवस्था के साथ किए जाएंगे, जिससे मजदूरी सीधे श्रमिकों के खातों में पहुंचेगी। इस कानून के माध्यम से स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा और नरेगा की पूर्व की कमियों को दूर किया गया है। यह कानून विकसित भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि प्रदेश में अब तक 1800 से अधिक ग्राम उत्थान शिविर लगाए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से 1.34 लाख सॉइल हेल्थ कार्ड, 65 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं और 37 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन प्राप्त हुए हैं। साथ ही लगभग 6.5 लाख पशुओं का उपचार और पीएम सूर्य घर योजना में 36 हजार से अधिक पंजीकरण किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत 9 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। पशुपालकों के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना शुरू की गई है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए गए हैं। अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1.54 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। आने वाले समय में 1 लाख और भर्तियां की जाएंगी।

केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि ग्राम उत्थान शिविरों से ग्रामीण विकास को गति मिली है। डेयरी, सौर ऊर्जा और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में प्रभावी कार्य हो रहे हैं।

उन्होंने अलवर में प्रस्तावित डेयरी परियोजना के लिए स्वीकृति पर मुख्यमंत्री का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, चेक तथा विशेष योग्यजनों को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर प्रदान की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इटली के दूल्हे ने राजस्थान में की शादी

हर मंत्र का किया अंग्रेजी में अनुवाद, 13 देशों के मेहमानों ने खेली फूलों की होली

झुंझुनूं, 9 फरवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं के मंडावा स्थित एक हेरिटेज होटल में 8 फरवरी को इटली के नागरिक मार्को और मुंबई की जुई का विवाह वैदिक रीति से संपन्न हुआ। शादी में 9 ब्राह्मणों ने संस्कृत मंत्रों के साथ फेरे कराए, जिनका अंग्रेजी अनुवाद भी किया गया। इटली सहित 13 देशों से आए करीब 200 मेहमान इस विवाह के साक्षी बने, जहां भारतीय परंपरा और यूरोपीय सहभागिता एक साथ नजर आई। दोपहर करीब 3 बजे तक अग्नि के सात फेरे पूरे हुए, जबकि रात में विवाह की अंतिम रस्म के रूप में फूलों की होली खेली गई।

शादी के बाद पारंपरिक रिसेप्शन नहीं रखा गया। रात में ब्रज परंपरा के अनुसार फूलों की होली खेली गई। राधा कृष्ण के जीवन से जुड़े नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसे विदेशी मेहमानों ने भी नजदीक से देखा और समझा। इसकी जगह रविवार रात को ब्रज परंपरा के अनुसार फूलों की होली की रस्म निभाई गई। इस दौरान गुलाल या रंगों की जगह अलग अलग प्रकार के ताजे फूलों की पंखुड़ियों से होली खेली गई। राधा कृष्ण के जीवन और ब्रज संस्कृति से जुड़े नृत्य प्रस्तुत किए गए, और प्रेम का भाव दिखाया गया। विदेशी मेहमानों को पहले इस परंपरा की जानकारी दी गई, ताकि वे इसके सांस्कृतिक अर्थ को समझ सकें। इसके बाद सभी मेहमानों ने फूलों की होली में भाग लिया और भारतीय परंपराओं को नजदीक से देखा और अनुभव किया। दुल्हन जुई मुंबई निवासी भावना और जतिन अंबानी की बेटी हैं और रोम में कंजर्वेशन आर्किटेक्ट (संरक्षण वास्तुकार) के रूप में आइसीसीआर-ओएम के साथ कार्यरत है। दूल्हे मार्को के पिता का नाम मास्सिमो व माता का नाम फुलविया है। दोनों की मुलाकात और संबंध कला और वास्तुकला से जुड़े काम के दौरान हुआ। इसी जुड़ाव के कारण विवाह के लिए राजस्थान के मंडावा को चुना गया।

बहन ने निभाई धार्मिक रस्म

अंबानी परिवार ने इस दौरान समाज को एक प्रगतिशील संदेश भी दिया। विवाह में 'जव ताल होम अर्पण' की रस्म आमतौर पर भाई द्वारा निभाई जाती है, लेकिन यहां दुल्हन की बहन ऊर्जा अंबानी ने इस जिम्मेदारी को निभाया। इस पहल के माध्यम से परिवार ने यह संदेश दिया कि बेटा और बेटी दोनों समान हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भी दोनों का अधिकार बराबर है। यह विवाह दर्शाता है कि हमारी सनातन संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी और वैश्विक हैं। जब विदेशी मेहमान अग्नि के फेरे लेते हैं।

तीन दिन तक चले विवाह संस्कार

इस हेरिटेज होटल में विवाह से जुड़ी रस्में लगातार तीन दिन तक चलीं। 6 फरवरी को सगाई और हल्दहाथ बान की रस्में संपन्न हुईं। इस दौरान परिवार के करीबी सदस्य और मेहमान मौजूद रहे। पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ दोनों परिवारों ने एक दूसरे से औपचारिक रूप से रिश्ता जोड़ा।

7 फरवरी को महिला संगीत की रस्म हुई। इस कार्यक्रम में परिवार की महिलाओं और मेहमानों ने पारंपरिक गीतों पर प्रस्तुति दी। भारतीय लोक संगीत और पारिवारिक गीतों के माध्यम से विवाह से पहले का माहौल बना। विदेशी मेहमानों ने भी इस रस्म को नजदीक से देखा और समझा।

होटल मालिक अरविंद पारीक और मधुसूदन खेमानी के अनुसार मेहमानों के लिए राजस्थानी और भारतीय भोजन के साथ यूरोपीय व्यंजन भी परोसे गए। करीब 200 मेहमानों के लिए इंडो इटैलियन फ्यूजन भोजन की व्यवस्था की गई थी।

राजस्थान में पारा 5 के नीचे आया, ओस की बूंदें जमीं

जयपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कुछ इलाकों में सर्दी अब भी कम नहीं हो रही। सोमवार की सुबह अलवर में फसलों पर ओस की बूंदे जम गईं। सुबह-सुबह हल्का कोहरा रहा और बादल छाए। यहां का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया गया। सीकर में बादल छाए हैं। आज पारे में 3 डिग्री का उछाल देखने को मिला है। सीकर के फतेहपुर स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र पर आज सुबह न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले यहां पर रविवार को न्यूनतम 4.9 डिग्री और अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री दर्ज किया गया था।

उधर, प्रदेश के मौसम में रविवार को मामूली उतार-चढ़ाव रहा। उत्तरी हवा के असर से शेखावाटी समेत कई शहरों के न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर के एरिया में हल्के बादल छाने से धूप कमजोर रही। यहां भी अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री तक गिरावट हुई। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले एक सप्ताह मौसम ड्राय रहने और तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव होने की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो रविवार को सबसे ठंडा इलाका फतेहपुर (सीकर) और पाली का रहा। इन शहरों का न्यूनतम तापमान 4.9 और 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। दिन में सबसे अधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जालोर में रविवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस, दौसा में 29.5, डूंगरपुर में 29.3, जैसलमेर, जोधपुर, चित्तौड़गढ़ में 29.8-29.8, अजमेर, भीलवाड़ा में 28.2, टोंक में 28.6, उदयपुर में 28.4, पिलानी (झुंझुनूं), बीकानेर में 28, फलोदी में 28.6 और जयपुर में 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

पूर्व विधानसभा-प्रत्याशी ने इनकम-टैक्स अफसर बनकर गुजरात में डाली रेड

सूट-बूट में टेक्सटाइल मार्केट में घुसा, 30 लाख मांगे; फाइल पटकते ही खुला राज

पाली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। सूट-बूट, टाई, ब्रांडेड चश्मा लगाकर और हाथ में आयकर विभाग की फाइलें लेकर एक शख्स सूरत (गुजरात) में टेक्सटाइल व्यापारी के छापा मारने पहुंच गया। टैक्स में अनियमितता का हवाला देकर 30 लाख रुपए की मांग कर डाली। चार लाख में सौदा तय किया। ओवरएक्टिंग ने उसका भंडाफोड़ दिया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मामला सूरत के वराछा थाना इलाके का है। आरोपी राजस्थान के पाली जिले के बीजापुर का रहने वाला है। वह साल 2008 में बाली से राजस्थान विधानसभा का निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ चुका है। इसमें उसे 875 वोट मिले थे। तब बीजेपी के पुष्पेंद्र सिंह चुनाव जीते थे ।

बांसवाड़ा में भाभी को डायन बताकर जानलेवा हमला किया

बचाने आई बहू-बेटी से भी मारपीट की; चीखें सुन पड़ोसी आए तो भागा

बांसवाड़ा, 9 फरवरी (एजेंसियां)। देवर ने अपनी ही भाभी को डायन बता कर उस पर हमला कर दिया। घर में घुसते ही उसने भाभी को डायन कहकर पुकारा और गला पकड़ लिया। जमीन पर पटककर गला घोंटने लगा। ये देख बचाने आई बेटी और बहू पर पर भी उसने हमला कर दिया। दोनों पर लात-घूंसे चलाए। शोर सुनकर पड़ोसी इकट्ठा हुए तो आरोपी वहां से भाग निकला। इसके बाद तीनों को अस्पताल में भर्ती करवाया है। जहां उनका इलाज जारी है। मामला बांसवाड़ा के दानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का रविवार रात का है। परिजनों ने बताया- परिजनों ने बताया कि आरोपी रविवार रात शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा। उसने अचानक अपनी भाभी को डायन कहकर पुकारना शुरू कर दिया और गाली-गलौज करने लगा। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने भाभी का गला दबाकर उन्हें जमीन पर पटक दिया।

परिजनों ने बताया कि महिला की बहू और बेटी ने चीख-पुकार सुनी, तो वे बीच-बचाव करने दौड़ीं। लेकिन आरोपी ने उन पर भी हमला बोल दिया और मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हुए, जिन्हें देखकर आरोपी वहां से भाग निकला। घटना के बाद परिजनों ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को स्थानीय अस्पताल छोटी सरवन पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद देर रात करीब 10 बजे तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

संत तय करेंगे खेजड़ी-बचाओ आंदोलन में आगे क्या होगा

अब भी कट रही खेजड़ी; महिलाएं कलश और पेड़ लेकर इकट्ठा हो रही

बीकानेर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर में चल रहे खेजड़ी बचाओ आंदोलन के में आज सोमवार को कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही जयपुर में मुख्यमंत्री से मिलने के बाद संत भी बीकानेर पहुंच रहे हैं। इसके बाद आंदोलन के आगे की रूपरेखा तय की जाएगी। इस बीच बीकानेर में ही कई गांवों में खेजड़ी काटने के मामले सामने आ रहे हैं। आंदोलन के संयोजक परसराम बिश्नोई ने बताया कि संत समाज मुख्यमंत्री से वार्ता करने के लिए जयपुर गए हैं। वो आज महापड़ाव स्थल पर पहुंचेंगे। इसके बाद ही तय होगा कि आगे क्या करना है। उन्होंने बताया क्रमिक आमरण अनशन लगातार चल रहा है। सोमवार को भी डेढ़ सौ पर्यावरण प्रेमी क्रमिक अनशन पर पहुंच गए हैं। बिश्नोई ने कहा कि लगातार खेजड़ी काटने के मामले सामने आ रहे हैं। प्रशासन कुछ नहीं कर पा रहा है। वहीं कलश यात्रा के लिए महापड़ाव स्थल पर महिलाओं की संख्या अधिक है। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में बिश्नोई धर्मशाला के आगे एकत्र हो रही हैं। महिलाएं अपने साथ एक कलश और एक खेजड़ी का पेड़ लेकर पहुंची हैं।

मंदिर जा रही तीन सहेलियों को कुचला, 2 की मौत

भीलवाड़ा, 9 फरवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में एक्टिवा पर मंदिर जा रही तीन सहेलियों को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दो की मौत हो गई। जबकि एक घायल महिला गंभीर घायल हो गई। हादसा सोमवार सुबह गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के भीलवाड़ा-अजमेर नेशनल हाईवे 48 पर सरेरी कके पास हुआ। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इस एक्क्सीडेंट में रेखा पुत्री गणपत लाल बलाई (28) और सीता पत्नी रामावतार धोबी (36) के रूप में हुई है। जबकि चंचल नायक (25) बुरी तरह घायल हुई है। उसे भीलवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से उदयपुर के महाराणा भूपाल (एमबी) हॉस्पिटल रेफर किया गया। गुलाबपुरा थाने के एएसआई महावीर सिंह ने बताया कि तीनों महिलाएं भीलवाड़ा की रहने वाली है। सोमवार सुबह तीनों एक ही एक्टिवा पर भीलवाड़ा से करीब 48 किलोमीटर दूर कंवलियास के पास त्रिदेव महादेव मंदिर दर्शन के लिए निकली थी।

इसी दौरान सरेरी के पास किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से एक्टिवा को टक्कर मार दी। इस हादसे में सीता और रेखा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मौके पर जमा हुई भीड़ ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद लोगों की मदद से घायल को 108 एम्बुलेंस से भीलवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल में इलाज के लिए लाया गया।

सीता और रेखा के शवों को रायला के सरकारी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। सीता के परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। एएसआई महावीर सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन के बारे में अभी तक जानकारी नहीं मिल पाई है। लेकिन, ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

डिवाइडर से टकराई बाइक मां, बेटे-बहू की मौत

युवक की एक साल पहले हुई थी शादी, 4 महीने की गर्भवती थी पत्नी

जयपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी और मां की मौत हो गई। तीनों बाइक से एक शादी में शामिल होने जा रहे थे। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे जमवारामगढ़ स्टेट हाईवे पर रोड़ा नदी के पास हुआ।

एसएचओ (जमवारामगढ़) भगवान सहाय ने बताया- जमवारामगढ़ के गोपालगढ़ निवासी बंटी (24), उसकी पत्नी भावना (20) और मां बल्लू देवी (45) की मौत हुई है। भावना 4 महीने की प्रेग्नेंट थी। भगवान सहाय ने बताया- बंटी गोपालगढ़ में चाय की एक दुकान पर काम करता था। सालभर पहले ही भावना से उसकी शादी हुई थी। रविवार को नीम्बी गांव में उनके एक परिचित की शादी थी। दोपहर करीब 1 बजे तीनों बाइक से शादी में शामिल होने के लिए घर से निकले थे।

आईपीएस अफसरों का आईजी-डीजी बनने का सपना टूट सकता है

सेंट्रल डेपुटेशन पर जाना जरूरी, नहीं तो महत्वपूर्ण पदों पर नहीं मिलेगी नियुक्ति

जयपुर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कैडर के 100 से ज्यादा आईपीएस अधिकारियों को अब 2 साल के अनिवार्य सेंट्रल डेपुटेशन पर जाना होगा। ऐसा नहीं करने पर इसका सीधा असर केंद्र में वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति पर पड़ सकता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक केंद्र में आईजी या समकक्ष पद पर इम्पैनलमेंट के लिए आईपीएस अफसरों के पास कम से कम दो साल का केंद्रीय अनुभव अनिवार्य होगा। यह नियम 2011 और उसके बाद के सभी आईपीएस अधिकारियों पर लागू होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान कैडर के पात्र आईपीएस अधिकारियों को इन नियमों की जानकारी दी है। आखिर नए नियमों के पीछे केंद्र सरकार का मकसद क्या है? राजस्थान में सेंट्रल डेपुटेशन के लिए पात्र आईपीएस अधिकारी कौन-कौन हैं? वर्तमान में सेट्रल डेपुटनेशन पर कितने आईपीएस तैनात है? केंद्र और राज्य में इसका क्या असर होगा? राजस्थान में कुल आईपीएस कैडर स्ट्रेंथ 222 है। अभी 212 अधिकारी ही पोस्टेड हैं। राज्य कैडर के 8 आईपीएस अभी केंद्र में प्रतिनियुक्ति (सेंट्रल डेपुटेशन) पर काम कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के नए नियम के दायरे में 2011 बैच और उसके बाद के 108 आईपीएस आ रहे हैं। ऐसे में इन सभी अधिकारियों को एक-एक कर नियमानुसार केंद्र में प्रतिनियुक्ति का अनुभव प्राप्त करना होगा। इन सभी अधिकारियों के साथ 3 फरवरी को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने संवाद किया था। उन्हें नए नियमों की जानकारी दी गई है। आईपीएस अधिकारियों के लिए पहले भी केंद्र में प्रतिनियुक्त के लिए दो साल का केंद्रीय अनुभव जरूरी था। लेकिन ऑप्शनल था। कोई अनिवार्य शर्त नहीं थी। इसी कारण से अधिकतर आईपीएस अधिकारी अपने पूरे करियर में केवल राज्य (कैडर) तक सीमित रहते थे।

नरेश मीणा बोले-4 बड़े नेताओं को विधानसभा जाने से रोकूंगा

तब तक जूते नहीं पहनूंगा; टोंक में दंगल कार्यक्रम में पत्नी ने डेढ़ साल बाद पहनी चप्पल

टोंक, 9 फरवरी (एजेंसियां)। देवली- उनियारा विधानसभा उप चुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा की पत्नी सुनीता मीणा ने करीब डेढ़ साल बाद रविवार को हजारों लोगों की मौजूदगी में चप्पल पहन ली। उन्होंने यह चप्पलें आज अलीगढ़ क्षेत्र के उख़लाना में हुए विशाल पद दंगल के दौरान पंचों की मनुहार के बीच पहनी।

समाज के लोगों ने नरेश मीणा से भी जूते पहनने की गुहार लगाई, लेकिन नरेश मीणा ने लोगों के हाथ जोड़कर साफ कहा कि आपकी भावना की कद्र करता हूं, लेकिन मैंने प्रण ले रखे हैं कि जब तक हाड़ौती के चार धन्ना सेठों को विधानसभा से जाने से नहीं रोकूंगा, तब तक चप्पल नहीं पहनूंगा। नरेश मीणा ने कहा- मैंने इसी उखलाना मैं देलवाल जी के स्थान पर 2024 में विधानसभा उप चुनाव के दौरान जूते खोलकर नंगे पैर रहने की सौगंध खाई थी।

पांच साल में शहर के विकास के कई कार्यक्रम : मेयर

स्टैंडिंग कमिटी की स्वीकृत सभी परियोजनाएं पूरी होंगी: कमिश्नर

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने सोमवार को स्टैंडिंग कमिटी बैठक में कहा कि पिछले पांच वर्षों में नगर निगम के कार्पोरेटर्स, जनता प्रतिनिधियों और अधिकारियों की संयुक्त मेहनत से ग्रेटर हैदराबाद में समग्र विकास और कल्याणकारी योजनाओं के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। बैठक की शुरुआत में स्टैंडिंग कमिटी के सदस्यों ने मेयर, कमिश्नर आर.वी. कर्णन और अन्य अधिकारियों का विशेष रूप से धन्यवाद किया। मेयर विजयलक्ष्मी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी नगर निगम जीएचएमसी में मेयर के रूप में काम करना गर्व की बात है और पदावधि में अधिकारियों और कमिश्नर के सहयोग को वह कभी नहीं भूलेंगी।

जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने बताया कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद अधिकारियों और जनता प्रतिनिधियों के समन्वय से जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक निभाया गया। उन्होंने कहा कि वार्ड पुनर्गठन संबंधी विशेष सत्र आयोजित कर सदस्यों की आपत्तियों को सुना गया और कार्पोरेटर्स द्वारा उठाई गई जनता की समस्याओं का भी काफी हद तक समाधान किया गया। कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि स्टैंडिंग कमिटी द्वारा स्वीकृत सभी विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे और सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। हाल ही में मेयर विजयलक्ष्मी के नेतृत्व में कार्पोरेटर्स की टीम ने अहमदाबाद और राजकोट के नगरपालिकाओं का अध्ययन किया था। स्टडी टूर में पहचानी गई सर्वश्रेष्ठ नीतियों का विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर स्टैंडिंग कमिटी की बैठक के बाद कमिश्नर आर.वी. कर्णन को सौंपा गया। मेयर विजयलक्ष्मी अपनी पांच साल की कार्यकाल पूर्ण करने जा रही हैं। कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने उन्हें अपने चैंबर में आमंत्रित कर मेमोरेंडम और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। बैठक में कमिटी सदस्यों ने मेयर और कमिश्नर की सराहना करते हुए शॉल पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जनता की समस्याओं को ध्यान से सुना और उनका समाधान किया। बैठक के समापन पर सभी सदस्य मेयर और कमिश्नर के साथ ग्रुप फोटो में शामिल हुए।

नगर विकास पर जीएचएमसी स्टैंडिंग कमेटी ने लिए अहम निर्णय

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की 12वीं स्टैंडिंग कमिटी बैठक सोमवार को मुख्यालय के कमांड कंट्रोल रूम में आयोजित हुई। बैठक में नगर विकास, खेल-सुविधाओं और सड़क-मरम्मत से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मुख्य निर्णयों में वार्ड 134, लक्ष्मीनगर में बॉक्स ड्रेन निर्माण, केपीएचबी कॉलोनी में क्रिकेट प्रैक्टिस पिच और इंडोर शटल कोर्ट संचालन के लिए ईओआई आधारित टेंडर अनुमति, बालानगर और नेक्सस मॉल फ्लाईओवर के नीचे खेल मैदानों का संचालन, चंदानगर में बॉक्सिंग कोर्ट निर्माण और यूसुफ नगर में वैकुंठधाम श्मशान संचालन शामिल हैं। अतिरिक्त एजेंडा में नडिमी झील विकास, आनंदनगर–मंसूराबाद रोड, प्रियदर्शिनी पार्क–सरोजिनी नगर रोड सहित अन्य मार्गों का सड़क विस्तार, कुशायिगुड़ रोड बाइपास की मरम्मत, कापरा सर्किल में पार्क और वॉकिंग ट्रैक का विकास, एचएमटी नगर में मल्टीपर्पज फंक्शन हॉल और इंदिरानगर में बहुमंजिला भवन निर्माण की अनुमति दी गई।

रोहित-कोहली ए प्लस से डिमोट होकर ग्रेड-बी पर खिसके

गिल, बुमराह और जडेजा को ग्रेड ए में जगह मिली, बीसीसीआई की रिटेंशन लिस्ट जारी

मुंबई, 9 फरवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को ए प्लस ग्रेड से डिमोट करके बी ग्रेड में डाल दिया है। बोर्ड ने सोमवार को 2025-26 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल प्लेयर्स की लिस्ट जारी की। ए प्लस ग्रेड को समाप्त कर दिया गया है।

रोहित और कोहली के साथ बुमराह और जडेजा भी पिछले साल ए प्लस ग्रेड में शामिल थे। ताजा लिस्ट में इन दोनों को ग्रेड ए में शामिल रख गया है। वहीं, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ग्रेड ए में बरकरार रखे गए हैं। ग्रेड बी में टी-20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव सहित 10 अन्य खिलाड़ियों को रखा गया है। ग्रेड सी में तिलक वर्मा और रिंकू सिंह समेत 17 खिलाड़ी हैं।

बोर्ड ने रिटेन खिलाड़ियों को 3 ग्रेड में बांटा है। इनमें A, B और C शामिल हैं। बोर्ड ने अभी तक नए ग्रेड मॉडल की सैलरी स्ट्रक्चर के बारे में कुछ नहीं कहा है। कुछ दिन पहले इसे बदलने की बात कही जा रही थी।

रोहित और कोहली अब केवल वनडे खेल रहे हैं। इस वजह से दोनों को ग्रेड बी में डाला गया है। दोनों दिग्गजों ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। उसके बाद मई 2024 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

मेंस कैटेगरी में 30 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ग्रेड ए में 3, ग्रेड बी में 11 और ग्रेड सी में 17 खिलाड़ी रखे गए हैं। जबकि, विमेंस कैटेगरी में 21 नाम शामिल हैं।

ए प्लस ग्रेड को समाप्त कर दिया है। इसमें शामिल बुमराह-जडेजा ग्रेड ए में रखे गए हैं। जबकि, गिल ग्रेड में बरकरार हैं। वे पिछले साल भी इसी ग्रेड में थे।

पिछले साल ग्रेड ए में शामिल केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत को ग्रेड बी में डिमोट किया गया है। इसमें सूर्यकुमार, कुलदीप, यशस्वी, सुंदर और अय्यर को जगह मिली है। ये सभी पिछले साल ग्रेड बी में रखे गए थे।

ग्रुप सी में तिलक, रिंकू, शिवम, सैमसन, आकाश दीप, अर्शदीप, प्रसिद्ध कृष्णा, जुरेल, हर्षित राणा, चक्रवर्ती, नीतीश रेड्डी, अभिषेक शर्मा, रवि बिश्नोई और गायकवाड़ अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं।

अक्षर पटेल को ग्रुप सी में डिमोट किया गया है। साई सुदर्शन को शामिल किया गया है। जबकि मोहम्मद शमी को बाहर कर दिया गया है।

विमेंस कैटेगरी में चार प्लेयर्स ग्रेड ए में शामिल

विमेंस कैटेगरी में सिलेक्शन कमेटी ने 4-4 प्लेयर्स को ग्रेड ए और ग्रेड बी में जगह दी है। ग्रेड ए में कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रेड्रिग्ज और दीप्ति शर्मा शामिल हैं। जबकि ग्रेड बी में रेणुका ठाकुर, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष और स्नेह राणा के नाम हैं।

महिलाओं के ग्रेड सी में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाली प्लेयर्स को रखा गया है। इनमें क्रांति गौड़ और काश्वी गौतम जैसे नाम हैं।

जीएचएमसी का सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अहम कदम

पांच वर्षीय कार्यकाल में हरित परिवेश पर भी जोर

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 10 फरवरी 2026 को अपने पांच साल के कार्यकाल पूरा करने जा रहे ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) के निर्वाचित परिषद ने शहर में व्यापक विकास की धरोहर छोड़ी है। मेयर गड़वाल विजयलक्ष्मी और डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी के नेतृत्व में जीएचएमसी ने शहरी अवसंरचना, बाढ़ प्रबंधन, सामाजिक सशक्तिकरण और जैव विविधता संवर्धन के क्षेत्रों में अहम कदम उठाए। जीएचएमसी की इंजीनियरिंग मेनटेनेंस विंग ने सड़क निर्माण, नालों की सफाई, सामुदायिक हॉल, फुट ओवर ब्रिज, जंक्शन सुधार और वर्षाजल संचयन जैसी 23,287 परियोजनाएँ पूरी की हैं, जिनमें कुल खर्च 5,117.25 करोड़ करोड़ की लागत से शुरू किए गए, जिनमें से 5,056 कार्य 1,092.56 करोड़ रुपए में पूरे हो चुके हैं। जीएचएमसी ने 10 स्थानों पर 11 वर्षाजल संचयन संरचनाएँ बनाईं, 15.69 करोड़ खर्च कर बाढ़ और जलभराव कम किया। स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज में 1,636 कार्य पूरे किए गए, जबकि अकेले 2025–26 में 971 कार्य 518.59 करोड़ की लागत से शुरू हुए। 2021 से 8,542 सड़क कार्य पूरे किए गए (2,469.78 करोड़) रोड सेफ्टी ड्राइव–2025 में 27,000 से अधिक गड्ढों की मरम्मत की गई। 82 जंक्शन में से 56 का सुधार किया गया (38.15 करोड़), जिससे यातायात सुरक्षा और शहरी सौंदर्य में सुधार हुआ। 23 फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) बनाए गए (76.85 करोड़ में से 15 पूर्ण), मल्टीपरपज़ हॉल और मॉडल कब्रिस्तान विकसित किए गए। जीएचएमसी 1,164 पार्क हैं। 2016–17 से 2024–25 तक 8.21 करोड़ पौधे लगाए गए।

ट्रैक्टर ट्रॉली और स्कूल बस की टक्कर में दो की मौत, कई घायल

वारंगल, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पर्वतागिरी मंडल में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली और एक निजी स्कूल बस की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक और एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए।

यह हादसा पर्वतागिरी मंडल के अन्नाराम गांव स्थित श्रीनगर चौराहे पर हुआ। बताया गया कि एक ही परिवार के 12 सदस्य हजरत सैयद याकूब शावली बाबा दरगाह में धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर ट्रैक्टर ट्रॉली से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही निजी स्कूल बस से ट्रॉली की टक्कर हो गई, जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, टीगाराजुपल्ली स्थित नोट्रे डेम स्कूल की बस में उस समय करीब 40 बच्चे सवार थे। स्कूल की छुट्टी के बाद बस बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। टक्कर के कारण बस की विंडशील्ड और खिड़कियां टूट गईं, जिससे कुछ बच्चों को मामूली चोटें आईं।

सूचना मिलते ही पर्वतागिरी के एसआई बी. प्रवीण मौके पर पहुंचे और घायलों को वारंगल के एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान ट्रैक्टर चालक और नाबालिग लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

आईसीसी ने पाकिस्तान की तीनों शर्तें खारिज कीं

फाइनल अल्टीमेटम दिया, पीसीबी यू-टर्न लेगा; भारत से वर्ल्ड कप मुकाबला खेलना लगभग तय

लाहौर, 9 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत से मैच ना खेलने पर अड़े पाकिस्तान की तीनों मांगे खारिज कर दी हैं। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ हुई मीटिंग के बाद उसे फाइनल अल्टीमेटम दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब पीसीबी यू-टर्न लेगा और उनकी टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत का सामना भी करेगी।

पाकिस्तान ने भारत से प्रस्तावित मैच के बॉयकॉट का ऐलान किया था। इसी सिलसिले में आईसीसी के दो प्रतिनिधि इमरान ख्वाजा और मुबाशिर उस्मानी रविवार सुबह लाहौर पहुंचे, जहां उन्होंने पीसीबी अधिकारियों के साथ चर्चा की।

पाकिस्तानी पीएम को लेना है अंतिम फैसला

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई बैठक में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, ICC के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल रहे। यह बैठक करीब पांच घंटे तक चली।

बैठक के बाद अब अंतिम फैसला पाकिस्तान सरकार के स्तर पर होना है। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी पूरे मामले की जानकारी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को देंगे, जिसके बाद बोर्ड अगले 24 घंटे में अपना फैसला सुना सकता है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई बैठक में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल रहे।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई बैठक में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल रहे।

पाकिस्तान ने आईसीसी के सामने 3 शर्तें रखीं

बैठक में आईसीसी भारत से खेलने के मुद्दे पर पाकिस्तान ने तीन शर्तें रखीं। पहली, आईसीसी की कुल कमाई में पाकिस्तान का हिस्सा बढ़ाया जाए। दूसरी, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज बहाल कराई जाए। तीसरी, मैदान पर हैंडशेक प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू किया जाए।

दरअसल, एशिया कप के दौरान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। फिलहाल आईसीसीरेवेन्यू मॉडल में पाकिस्तान चौथा सबसे बड़ा हिस्सेदार बोर्ड है। उसे कुल कमाई का करीब 5.75 फीसदी हिस्सा मिलता है। इससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत के बोर्ड हैं।

हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा

7 फरवरी को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से इस मैच पर दोबारा विचार करने की अपील की थी। इसके बाद श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को मेल लिखा। इसमें कहा गया है कि भारत-पाक मैच नहीं होने से श्रीलंका क्रिकेट को आर्थिक नुकसान होगा और टूर्नामेंट की इमेज को भी नुकसान होगा।

मेल पर श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पीसीबी से कहा कहा, हम भारत के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट को होस्ट कर रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है तो हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा।

जीएचएमसी 'प्रजावाणी' में 265 शिकायतें प्राप्त

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मुख्यालय में सोमवार को आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में नागरिकों से 48 शिकायतें और अनुरोध मिले। पूरे जीएचएमसी क्षेत्र में कुल 265 शिकायतें/विनती दर्ज की गईं। कार्यक्रम में अतिरिक्त कमिश्नर सुभद्र देवी, वेणुगोपाल सत्यनारायण, मंगतायारू, चीफ इंजीनियर सहदेव रत्नाकर और एसीपी प्रदीप कुमार, वेंकन्ना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भारत रंग महोत्सव का उद्घाटन

तेलुगु नाटक 'श्री राम राज्य' से शुरूआत

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव, भारत रंग महोत्सव का 25वां संस्करण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा आयोजित किया गया, और इसका उद्घाटन हैदराबाद में तेलुगु नाटक श्री राम राज्य के साथ हुआ, जिसने दर्शकों से उत्साही प्रतिक्रिया प्राप्त की। उद्घाटन समारोह में तेलंगाना सरकार के भाषा और संस्कृति निदेशक एंगु नरसिंह राव, संगीता नाट्य अकादमी, तेलंगाना की अध्यक्ष आलेख्य पंजाबला, और वरिष्ठ रंगकर्मियों जैसे प्रो. कोटला हनुमंता राव, प्रो. डी. एस. एन. मूर्ति और प्रो. एन. जे. भिक्षु उपस्थित थे। एनएसडी निदेशक चित्तरंजन त्रिपाठी ने हैदराबाद की जीवंत रंगमंच संस्कृति और विभिन्न रंगमंच परंपराओं को एक साथ लाने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद असाधारण सांस्कृतिक विविधता और मजबूत रंगमंच परंपरा का शहर है। मुझे इस शहर से विशेष लगाव है, क्योंकि यहीं मैंने रंगमंच में अपने शुरुआती वर्षों में प्रशिक्षण लिया। भारत रंग महोत्सव 2025 विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों की रंगमंच प्रथाओं को एक मंच पर लाता है, जिसका उद्देश्य संस्कृति का वास्तविक संगम करना है। हैदराबाद इस दृष्टि को साकार करने में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। फेस्टिवल की प्रस्तुतियों में 'एक खून सौ बातें 2' (हैदराबाद विश्वविद्यालय) और कन्नड़ नाटक 'अंधायुग' (नटाना मैसूर) जैसी चर्चित प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। हैदराबाद चरण का समापन हिंदी नाटक 'हमिदाबाई की कोठी' से होगा। 27 जनवरी से 20 फरवरी तक 25 दिनों में चलने वाले बीआरएम 2026 में 228 भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में 277 से अधिक प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के रंगकर्मी और नौ अंतरराष्ट्रीय देशों से कलाकार इसमें भाग ले रहे हैं। भारत की रंगमंच विविधता का उत्सव मनाते हुए, बीआरएम 2026 में बच्चों के समूह, आदिवासी समुदाय और हाशिए के कलाकारों की प्रस्तुतियाँ शामिल हैं, जो एनएसडी की समावेशिता और रंगमंच लोकतंत्रीकरण की प्रतिबद्धता को दोहराती हैं।

नगर निकाय चुनाव प्रचार थमा, प्रलोभनों पर टिका राजनीतिक जोर

आदिलाबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आदिलाबाद जिले में एक नगर निगम सहित 11 नगरपालिकाओं के चुनाव के लिए सोमवार को प्रचार समाप्त हो गया। शाम 5 बजे के बाद प्रचार पर रोक लगते ही राजनीतिक दलों का ध्यान मतदाताओं को प्रलोभन देकर प्रभावित करने पर केंद्रित हो गया है। प्रचार थमने के बाद पार्टियां और उम्मीदवार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। खबरों के अनुसार कुछ दल चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए पार्टियों का आयोजन कर रहे हैं और मतदाताओं को रिश्वत देने की कोशिश कर रहे हैं। आरोप है कि रात के समय गुपचुप तरीके से बिरयानी और शराब की बोतलें भी बांटी जा रही हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने एजेंट नियुक्त किए हैं और अपने रिश्तेदारों व मित्रों के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंच बना रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार जिले के एक नगर निगम और चार नगरपालिकाओं में पंजीकृत राजनीतिक दलों के कुल 692 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। नवगठित मंचरियाल नगर निगम में पहली बार चुनाव हो रहे हैं, जहां 60 डिवीजनों से 240 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसके अलावा बेल्लमपल्ली में 172, चेन्नूर में 107, क्याथनपल्ली में 113 और लक्सेट्टीपेट नगरपालिका में 60 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इन नगर निकाय चुनावों में लगभग 6.60 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मंचरियाल नगर निगम में 1.81 लाख, आदिलाबाद नगर पालिका में 1.43 लाख और निर्मल नगर निगम में 98,200 मतदाता हैं।

सरकारी पॉलिटेक्निक में 10 नए डिप्लोमा कोर्स शुरू होंगे

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पॉलिटेक्निक में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों के लिए अच्छी खबर है। तेलंगाना राज्य तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड (एसबीटीईटी) शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से राज्य के सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों में 10 नए डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। नए डिप्लोमा कार्यक्रम सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी, विमान रखरखाव इंजीनियरिंग, स्वचालन और रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, सिविल इंजीनियरिंग (भवन सेवा इंजीनियरिंग), सिविल इंजीनियरिंग (रियल एस्टेट और मूल्यांकन), निर्माण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन, इंटीरियर डिजाइन और लैंडस्केप डिजाइन जैसे क्षेत्रों में शुरू किए जाएंगे।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. शेखर को पीएचडी की उपाधि

करीमनगर, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. कलवला शेखर को पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया है।

सोमवार को हैदराबाद के राजेंद्रनगर में आयोजित प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के 56वें दीक्षांत समारोह में उन्हें यह उपाधि प्रदान की गई। उनका शोध उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र की मिट्टी में अतिरिक्त फास्फोरस को कम करने की प्रबंधन पद्धतियों तथा बेड प्लांटर्स के माध्यम से उठी हुई क्यारियों पर मक्का और मूंगफली की खेती पर केंद्रित रहा। शोध के दौरान किए गए प्रायोगिक अध्ययनों से यह सामने आया कि इन पद्धतियों से भारी वर्षा के समय और मिट्टी में नमी की कमी के तनाव की स्थिति में फसलों को होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। डॉ. कलवला शेखर वर्तमान में राजेंद्रनगर स्थित कृषि महाविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

ट्रैफिक मार्शल्स के लिए 1 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिशनरेट ने ट्रैफिक मार्शल्स के लिए एक लाख रुपये दुर्घटना बीमा कवरेज का प्रावधान शुरू किया है, ताकि वे अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान किसी भी आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा पा सकें। यह कदम ट्रैफिक नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा में योगदान देने वाले मार्शल्स की भलाई को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इस बीमा सुविधा की घोषणा साइबराबाद पुलिस कमिशनर डॉ. एम. रमेश ने की है, जिन्होंने कहा कि ट्रैफिक मार्शल पुलिसकर्मियों के समकक्ष जिम्मेदारियाँ निभा रहे हैं तथा सामुदायिक पुलिसिंग के हिस्से के रूप में उन्हें कानूनगत अधिकार और औपचारिक पहचान भी दी जा चुकी है।

राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा यूजी 2026 की अधिसूचना जारी

3 मई को होगी परीक्षा, 8 मार्च तक आवेदन

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यूजी 2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही 3 मई को होने वाली परीक्षा के लिए पात्र विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने की ऑनलाइन प्रक्रिया रविवार से प्रारंभ हो गई है, जो 8 मार्च तक चलेगी। आवेदन पत्र में किसी प्रकार का संशोधन करने के लिए 10 मार्च से 12 मार्च तक का समय निर्धारित किया गया है। भारत में स्थित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 1,700 रुपये, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 1,600 रुपये तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और तृतीय लिंग श्रेणी के लिए 1,000 रुपये रखा गया है। भारत के बाहर स्थित परीक्षा केंद्रों के लिए आवेदन शुल्क 9,500 रुपये निर्धारित किया गया है।

प्रवेश परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा शहर की सूचना और प्रवेश पत्र डाउनलोड से संबंधित जानकारी बाद में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा जारी की जाएगी। सभी चिकित्सा संस्थानों में स्नातक स्तर की चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा अनिवार्य है। इस परीक्षा के अंक और मेरिट सूची के आधार पर दंत चिकित्सा, पशु चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश दिया जाएगा। सैन्य नर्सिंग सेवा में भर्ती के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए भी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

एनएचएम कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन और बकाया भुगतान को लेकर प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने सोमवार को कोटी स्थित स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त कार्यालय के बाहर न्यूनतम मजदूरी लागू करने और नवंबर से लंबित वेतन के तत्काल भुगतान की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। एआईटीयूसी के राज्य उप महासचिव और एनएचएम कर्मचारी संघ के राज्य अध्यक्ष एम. नरसिम्हा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने जीओ एमएस संख्या 60 को तुरंत लागू करने की मांग की।

इस शासनादेश के तहत चौथे दर्जे के कर्मचारियों के लिए 15,600 रुपये न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वर्तमान में तेलंगाना में एनएचएम के तहत कार्यरत करीब 800 संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को मात्र लगभग 10,000 रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा है। एम. नरसिम्हा ने कहा कि यह श्रम शोषण का गंभीर मामला है और राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एनएचएम के प्रत्येक कर्मचारी को तय न्यूनतम वेतन मिले। धरने के दौरान कर्मचारियों ने परिवार कल्याण आयुक्त प्रशासन पर निचले स्तर के कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पाकिस्तान की बेइज्जती ! जिस बांग्लादेश के दम पर अकड़ दिखा रहा था पीसीबी, उसने ही बहिष्कार खत्म करने की मांग की

नई दिल्ली, 9 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच नहीं खेलने के फैसला बदलने के लिए कहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिलकर अपना फैसला वापस लेने की मांग कर सकते हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान ने बांग्लादेश के साथ खड़े रहने के लिए ही यह पूरा ड्रामा रचा था, लेकिन अब वह खुद इस जाल में घिर गया है।

अब तक क्या-क्या हुआ?

आईसीसी ने बांग्लादेश को भारत में नहीं खेलने की मांग पर टी20 विश्व कप से बाहर किया।

बांग्लादेश की जगह ग्रुप सी में स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

पाकिस्तान इस मामले पर बेवजह बीच में आया और उसने बांग्लादेश का खुलकर समर्थन किया।पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान का टी20 विश्व कप में खेलना प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्णय पर तय करेगा।नकवी ने फिर शहबाज शरीफ से मुलाकात की।

पाकिस्तान सरकार ने एलान किया कि उनकी राष्ट्रीय टीम टी20 विश्व कप में खेलेगी, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी।आईसीसी पाकिस्तान के इस फैसले पर काफी नाराज हुआ और उसने संभावित कार्रवाई के बारे में सूचित किया।पीसीबी ने आईसीसी से फोर्स मेज्योर प्रावधान लागू करने की मांग की, लेकिन क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इस बारे में उससे स्पष्टीकरण मांगा। पीसीबी और आईसीसी के बीच वर्चुअल बैठक हुई।समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, नकवी सोमवार को इस मुद्दे पर हालिया घटनाक्रम की जानकारी प्रधानमंत्री शरीफ को देंगे। सूत्र ने कहा, नकवी प्रधानमंत्री को बांग्लादेश, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) क्रिकेट बोर्ड तथा आईसीसी के साथ हुई अपनी बातचीत की जानकारी देंगे और उन्हें इस संकट से अवगत कराएंगे।

बीसीबी अध्यक्ष भी बैठक में रहे मौजूद

सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम आईसीसी के उपाध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक इमरान ख्वाजा की रविवार को लाहौर में नकवी के साथ हुई बातचीत के दौरान मौजूद थे। श्रीलंका और यूएई बोर्ड ने भी पाकिस्तान से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। पीसीबी सूत्र ने कहा कि अमीनुल ने बांग्लादेश क्रिकेट के प्रति पाकिस्तान द्वारा दिखाई गई एकजुटता की सराहना करते हुए नकवी से बहिष्कार खत्म करने का अनुरोध किया।

सूत्र ने कहा कि नकवी संभवतः प्रधानमंत्री से टीम को विश्व कप में भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति देने का अनुरोध करेंगे। वह प्रधानमंत्री को विशेष रूप से श्रीलंका, यूएई और बांग्लादेश बोर्ड के आग्रह और हाल में हुई बातचीत का ब्योरा देंगे। इस मामले में हालांकि अंतिम फैसला शरीफ का होगा और पीसीबी उसका पालन करेगी। सूत्र ने कहा कि ख्वाजा के साथ हुई बातचीत में नकवी ने कई मुद्दे उठाए।

सूत्र के मुताबिक, नकवी ने ख्वाजा से सवाल किया कि अगर पाकिस्तान टीम ने एशिया कप ट्रॉफी किसी भारतीय बोर्ड अधिकारी से स्वीकार करने से इनकार कर दिया होता तो क्या आईसीसी ने चुप्पी साधी होती। यह ट्रॉफी फिलहाल दुबई स्थित एशियाई क्रिकेट परिषद मुख्यालय के एक बंद कमरे में है। नकवी ने स्पष्ट किया था कि वह मीडिया की मौजूदगी में ट्रॉफी सैंपेंगे।

सूर्यकुमार की कप्तानी पर क्या बोले कोच गंभीर

क्यों कहा– उन्होंने मेरी जिंदगी बहुत आसान बना दी?

नई दिल्ली , 9 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव की संयमित नेतृत्व क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि टी20 प्रारूप में कप्तान के तौर पर वह सभी कसौटी पर खरे उतरते हैं और इससे उनका दबाव भरा काम थोड़ा आसान हो जाता है।

स्टार स्पोर्ट्स द्वारा साझा किए गए एक छोटे वीडियो में गंभीर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। इस वीडियो में यह नहीं पता चल रहा है कि गंभीर ने यह बयान कब दिया है।

गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम बहुत आसान कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में कैसे हैं।'

उन्होंने कहा, 'कोच के तौर पर कभी-कभी आपके दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं, लेकिन जब आप जानते हैं कि सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखेंगे, जैसा किसी भी कोच का सपना होता है, तो बहुत कुछ आसान हो जाता है।'

भारत ने सूर्यकुमार की शानदार बल्लेबाजी के बूते शनिवार को विश्व कप के अपने शुरुआती मैच में अमेरिका को हराया। भारतीय कप्तान ने एक छोर से विकेटों के पतझड़ के बीच 49 गेंदों में नाबाद 84 रन के साथ पारी को संभाला था। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को अब दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ खेलेगी।गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर उन्होंने हर कसौटी पर खरा उतरकर मेरी जिंदगी बहुत आसान बना दी है। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।'

उन्होंने कहा, 'यह बहुत अच्छा है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही निर्णय लेते हैं।' 35 साल के सूर्यकुमार यादव दो साल पहले रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। रोहित के इस प्रारूप से संन्यास के बाद उन्हें टीम की कमान सौंपी गयी।

जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से हराया, गेंदबाजों के बाद चमके बेनेट

कोलंबो, 9 फरवरी (एजेंसियां)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट की बेहतरीन बल्लेबाजी से जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से हराया। टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मुकाबले में जिम्बाब्वे ने ओमान की पारी 19.5 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट कर दी और फिर 13.3 ओवर में दो विकेट पर 106 रन बनाकर मैच जीता। जिम्बाब्वे के लिए बेनेट ने शानदार बल्लेबाजी की और वह नाबाद लौटे।

अंत तक टिके रहे बेनेट

कम लक्ष्य का पीछा करते हुए बेनेट और तादिवनाशे मारुमनी ने जिम्बाब्वे को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 30 रनों की साझेदारी हुई। मारुमनी को को सुफ्यान महमूद ने अपना शिकार बनाया जो 11 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद इसी ओवर में सुफ्यान ने डियोन मायर्स को खाता खोले बिना आउट किया। दो झटके लगातार लगने के बाद बेनेट ने ब्रेंडन टेलर के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 68 रन जोड़ लिए थे, लेकिन टेलर रिटायर हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। बेनेट अंत तक टिके रहे, पर अर्धशतक पूरा नहीं कर सके क्योंकि कप्तान सिकंदर रजा ने विजयी चौका लगाकर मैच समाप्त कर दिया।

बेनेट ने 36 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 48 रन बनाए, जबकि रजा दो गेंदों पर एक चौका के सहारे पांच रन बनाकर नाबाद रहे। ओमान के लिए दोनों विकेट सुफ्यान ने लिए।

ओमान की खराब शुरुआत

पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और जिम्बाब्वे ने उसे शुरुआती झटके दिए। मुजरबानी ने सबसे पहले कप्तान जतिंदर सिंह को बोल्ड किया जो पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नगारवा ने हमाद मिर्जा को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। मुजरबानी ने फिर शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए आमिर कलीम को पांच रन और करन को खाता खोले बिना आउट किया। ओमान को पांचवां झटका वसीम अली के रूप में लगा जो तीन रन बनाकर आउट हुए।

सुफ्यान-शुक्ला के बीच साझेदारी

ओमान ने 27 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद सुफ्यान महमूद और विनायक शुक्ला ने साझेदारी जमाई। हालांकि, दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी हुई जिसे नगारवा ने शुक्ला को आउट कर तोड़ा। शुक्ला 21 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नगारवा ने जितेन रमानंदी को आउट किया जिन्होंने एक रन बनाए।

सुफ्यान 21 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। अंत में नदीम खान ने कुछ अच्छे शॉट्स खेले जिससे टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचने में सफल रहा। नदीम ने 18 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, शकील अहमद ने चार बनाए, जबकि शाह फैजल पांच रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे के लिए रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी और ब्रैड इवांस को तीन-तीन विकेट मिले, जबकि सिकंदर रजा ने एक विकेट लिया।

11 वर्ष पुराने जॉन मॉरिस फायर इंजन ने दो ट्रॉफियाँ अपने नाम कीं

स्टेट्समैन विंटेज एवं क्लासिक कार रैली में शानदार उपलब्धि

नई दिल्ली, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के लालागुडा कार्यशाला कर्मचारियों द्वारा अत्यंत सावधानीपूर्वक संधारित ऐतिहासिक जॉन मॉरिस फायर इंजन ने 59वीं स्टेट्समैन विंटेज एवं क्लासिक कार रैली–2026 में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए दो प्रतिष्ठित ट्रॉफियाँ अपने नाम कीं। यह रैली नई दिल्ली में आयोजित की गई। वर्ष 1914 में निर्मित 111 वर्ष पुराना यह दुर्लभ विरासत वाहन, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में प्रदर्शित है। इस ऐतिहासिक फायर इंजन को 'इंडियन ऑयल हेरिटेज प्रिज़र्वेशन ट्रॉफी' तथा 'ऑटोमोटिव ट्रस्ट ब्रिटिश हेरिटेज प्रिज़र्वेशन ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया। स्टेट्समैन विंटेज एवं क्लासिक कार रैली का आयोजन स्टेट्समैन भवन से ग्रेटर नोएडा तक किया गया, जिसके बाद यह रैली जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर संपन्न हुई। कुल लगभग 90

किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस रैली में देश-विदेश के अनेक दुर्लभ एवं ऐतिहासिक वाहन शामिल हुए। जॉन मॉरिस फायर इंजन मूल रूप से हैदराबाद शहर में तत्कालीन एच.ई.एच. निज़ाम स्टेट रेलवे द्वारा उपयोग में लाया जाता था।

वर्तमान में यह राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली की प्रमुख प्रदर्शनी का हिस्सा है। 'इंडियन ऑयल हेरिटेज प्रिज़र्वेशन ट्रॉफी' उस विरासत वाहन को प्रदान की जाती है, जो रैली की ऐतिहासिक भावना और संरक्षण के महत्व को सर्वश्रेष्ठ रूप से दर्शाता है। वहीं, ब्रिटिश निर्मित वाहनों के उत्कृष्ट संरक्षण एवं रखरखाव के लिए 'ऑटोमोटिव ट्रस्ट ब्रिटिश हेरिटेज प्रिज़र्वेशन ट्रॉफी' प्रदान की गई। इस ऐतिहासिक फायर इंजन की विशेषता यह है कि यह विश्व का एकमात्र ऐसा वाहन है, जिसमें आज भी अपने मूल शरूज़बरी एवं चैलेंजर सॉलिड टायर तथा सभी मूल अग्निशमन उपकरण सुरक्षित हैं। इसमें अजैक्स गन-मेटल टरबाइन पंप भी स्थापित है। इसके नियमित रखरखाव का कार्य दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद मंडल की लालागुडा कैरिज कार्यशाला के कुशल तकनीकी कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। इससे पूर्व, 7 फ़रवरी 2026 को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार ने जॉन मॉरिस फायर इंजन का निरीक्षण किया।

उन्होंने उत्कृष्ट रखरखाव मानकों के लिए लालागुडा कार्यशाला के कर्मचारियों की सराहना करते हुए 50 हजार रुपये नकद पुरस्कार की घोषणा की। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने भी लालागुडा कैरिज कार्यशाला टीम को बधाई दी और उनके समर्पित प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जॉन मॉरिस फायर इंजन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान दक्षिण मध्य रेलवे के लिए गर्व का विषय है।

भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंची, बहु-प्रारूप सीरीज में लेगी हिस्सा

सिडनी, 9 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बहु-प्रारूप सीरीज में हिस्सा लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच सीरीज 15 फरवरी से शुरू हो रही है। भारत इस दौरे पर तीन टी20, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच खेलेगा। हरमनप्रीत कौर तीनों ही प्रारूप में भारतीय टीम की कमान संभालेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को वीडियो जारी किया जिसमें दिख रहा है कि भारतीय महिला क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई हैं। इस दौरान मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का खिताब जीतने पर आरसीबी के जश्न के बारे में बात करती दिखीं। अब हालांकि वह राष्ट्रीय टीम के लिए जिम्मेदारी निभाएंगी। उन्होंने कहा, बहुत व्यस्तता भरा समय था, लेकिन इसके लायक था। हमने खूब मज़ा किया, लेकिन अब राष्ट्रीय कर्तव्य पर वापस लौटना है।

टी20 सीरीज से होगी शुरुआत

भारत इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टी20 मैच 15 फरवरी को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेलेगा। इसके बाद दूसरा टी20 19 फरवरी को कैनबरा के मानुका ओवल और तीसरा टी20 मैच 21 फरवरी को एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज जून में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम है।

हीली की होगी आखिरी सीरीज

टी20 सीरीज के बाद वनडे सीरीज होगी जिसकी शुरुआत 24 फरवरी को ब्रिस्बेन में होने वाले पहले मैच से होगी। इसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे होबार्ट में 27 फरवरी को खेला जाएगा, जबकि तीसरा वनडे एक मार्च को होगा। महिला विश्व कप के सेमीफाइनल के बाद यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें वनडे में एक दूसरे के सामने होंगी। यह सीरीज ऑस्ट्रेलिया की महान बल्लेबाज एलिसा हीली की आखिरी सीरीज होगी क्योंकि उन्होंने भारत के खिलाफ सीरीज के बाद सभी प्रारूप से संन्यास लेने का किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच छह से नौ मार्च तक पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। ये चार दिवसीय मुकाबला होगा। इस मैच के साथ ही

भारत के बाद टिकट बिक्री में नेपाल की धूम! बड़े-बड़ों की छुट्टी की, विश्व कप में नई सनसनी बनने को तैयार

टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले और टूर्नामेंट की शुरुआती दो दिनों जिस टीम ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, वह है नेपाल। चर्चा सिर्फ उनकी क्रिकेट नहीं, बल्कि उनके फैन पावर की भी है। टिकट बिक्री के ट्रेंड ने साफ कर दिया है कि मेजबान भारत के बाद अगर किसी टीम को देखने के लिए सबसे ज्यादा उत्साह है, तो वह नेपाल है। यह बदलाव बताता है कि क्रिकेट की नई ताकत तेजी से आकार ले रही है।

टिकट खिड़की पर नेपाल नंबर-दो

नेपाल की न्यूज साइट रातोपति के मुताबिक, भारत के बाद नेपाल के मैचों की टिकट सबसे तेजी से बिक रही हैं। कई पारंपरिक दिग्गज देशों को इस मामले में पीछे छोड़ दिया गया है। फैंस की यह दीवानगी सिर्फ जिज्ञासा नहीं, बल्कि भरोसे की निशानी है कि यह टीम मैदान पर कुछ खास कर सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में टूर्नामेंट प्लानिंग से जुड़े एक सूत्र ने कहा, 'नेपाली समर्थकों का उत्साह असाधारण है। बुकिंग के रुझान बता रहे हैं कि टीम को विदेशी जमीन पर भी घरेलू माहौल मिलेगा।' इतना ही नहीं, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि नेपाल और इंग्लैंड के बीच मुकाबले के लिए नेपाली फैंस ने लगभग सारी टिकटें खरीद रखी थीं और रविवार को वानखेड़े में वाकई स्टैंड्स फुल दिखे।

वानखेड़े में आगे भी दिखेगा फैंस का सैलाब

मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम नेपाल के ग्रुप मुकाबलों का मुख्य केंद्र है। आयोजकों को उम्मीद है कि यहां नेपाली फैंस की भारी मौजूदगी रहेगी। माहौल इतना जबरदस्त हो सकता है कि वह बड़े आईपीएल मुकाबलों की याद दिला दे। जब स्टैंड्स से लगातार समर्थन मिलता है, तो खिलाड़ियों के लिए ऊर्जा दोगुनी हो जाती है। यही चीज टी20 जैसे फॉर्मेट में मैच का पासा पलट सकती है।

विवादों को पीछे छोड़, नया चेहरा आगे

टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेश को आईसीसी द्वारा बाहर किए जाने के फैसले ने काफी बहस छेड़ी थी, लेकिन अब फोकस बदल चुका है। क्रिकेट और टी20 विश्वकप 2026 को नया चेहरा मिल गया है और वह है नेपाल। फैंस को लग रहा है कि जो कमी बनी थी, उसे यह टीम अपने जोश और खेल से भर देगी। टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेशी और पाकिस्तानी दावा कर रहे थे कि आईसीसी को मेजबान को नुकसान होगा, क्योंकि बांग्लादेश के फैंस मैच नहीं देखेंगे, लेकिन नेपाल के फैंस ने टिकट की ज्यादा से ज्यादा खरीदारी कर इन दावों को गलत साबित किया है।

क्यों बढ़ी हैं उम्मीदें?

रोहित पौडेल की कप्तानी में नेपाल अब सिर्फ भाग लेने वाली टीम नहीं रही। दीपेंद्र सिंह ऐरी, संदीप लमिछाने, कुशल भुर्तेल जैसे खिलाड़ी टी20 के मिजाज को अच्छी तरह समझते हैं। हाल के मैचों में टीम ने बड़े प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर देकर बता दिया है कि उन्हें हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है।

इन सभी के नाम टी20 प्रारूप में रिकॉर्ड्स भी हैं। भले ही यह एसोसिएट टीमों के खिलाफ हैं, लेकिन खिलाड़ियों में बड़ी टीमों के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का माद्दा है और यह रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ मैच भी दिखा।

नेपाल के टी20 आंकड़े

नेपाल का टी20 रिकॉर्ड भी इसकी गवाही देता है। उसने अब तक इस प्रारूप में कुल 113 मैच खेले हैं और इसमें से 66 मैचों में जीत हासिल की है। 44 में उसे हार मिली है। तीन मैच बेनतीजा रहे हैं। टी20 में टीम का हाईएस्ट टोटल तीन विकेट पर 314 रन है। वहीं, सर्वश्रेष्ठ चेज उनका कुवैत के खिलाफ चार विकेट पर 186 रन है। इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने लगभग चेज कर ही लिया, लेकिन चूक गए।

टी20 विश्वकप डेब्यू मैच में हारी इटली की टीम स्कॉटलैंड ने 73 रन से हासिल की जीत

कोलकाता, 9 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में ग्रुप-सी के मुकाबले में डेब्यू कर रही इटली ने कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डेन्स में टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 207 रन बनाए। जवाब में इटली की टीम 16.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्कॉटलैंड और इटली की टीमें तीन बार आमने-सामने आई हैं और हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 का है। खास बात यह है कि ये तीनों मुकाबले आईसीसी इवेंट्स में हुए हैं।

इटली की पारी

इटली को पारी की पहली ही गेंद पर झटका लगा। स्पिनर लीस्क की गेंद पर जस्टिन मोस्का कैच आउट हो गए। इसके बाद जेजे स्मट्स और एंथनी मोस्का के बीच दूसरे विकेट के लिए 18 गेंद मं 32 रन की साझेदारी हुई।

एंथनी 12 गेंद में 13 रन और स्मट्स 11 गेंद में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हैरी मेनेंटी और बेन मेनेंटी ने चौथे विकेट के लिए 45 गेंद में 73 रन की साझेदारी निभाई। हालांकि, इस साझेदारी के टूटते ही इटली की पारी लुढ़क गई।

हैरी 25 गेंद में एक चौका और तीन छक्के की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बेन 31 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। ग्रांट स्टीवार्ट दो रन, क्रिशन कलुगमागे तीन रन, थॉमस ड्राका दो रन बनाकर आउट हुए। वहीं, जियान मीड, अली हसन खाता नहीं खोल सके। कप्तान बेन मैडसन बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, क्योंकि फील्डिंग करते वक्त उन्हें चोट लगी थी। ऐसे में इटली की टीम 134 रन पर खत्म हो गई। स्कॉटलैंड की ओर से माइकल लीस्क ने चार विकेट लिए, जबकि मार्क वाट को दो विकेट मिले। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलीवर डेविडसन को एक-एक विकेट मिला।

स्कॉटलैंड की पारी

स्कॉटलैंड की शुरुआत बेहतरीन रही थी। जॉर्ज मुनसे और माइकल जोंस ने पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी की। मुनसे शतक से चूक गए। वह 54 गेंद में 13 चौके और दो छक्कों की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ग्रांट स्टीवार्ट ने हैरी के हाथों कैच कराया। इसके बाद माइकल जोंस को जेजे स्मट्स ने पवेलियन भेजा। वह 30 गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से 37 रन बना सके।

कप्तान रिची बेरिंग्टन 11 गेंद में 15 रन और टॉम ब्रूस एक रन बना सके। आखिर में ब्रैंडन मैकमुलेन ने 18 गेंद में चार छक्कों की मदद से 41 रन और माइकल लीस्क ने पांच गेंद में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 22 रन की नाबाद तूफानी पारी खेली। इटली की ओर से अली हसन, ग्रांट स्टीवार्ट, थॉमस ड्राका और जेजे स्मट्स ने एक-एक विकेट लिया।

एनएच परियोजनाओं को तेज़ गति से पूरे करने के लिए कदम बढ़ाए

उच्च-स्तरीय समीक्षा में प्रमुख कॉरिडोर पर ध्यान केंद्रित

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों पर, रोड्स एंड बिल्डिंग्स विभाग की वरिष्ठ प्रशासनिक टीम ने लगभग 2,400 करोड़ रुपए की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को तेज़ गति से पूरा करने के कदम उठाए हैं। इसका लक्ष्य है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत से पहले सभी मंजूरी और फंड स्वीकृतियाँ सुनिश्चित की जाएँ। इस संबंध में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें एमओआरटीएच के क्षेत्रीय अधिकारी, एनसी, आरएंडबी विभाग के एनएच डिविजन के एसई और ईई शामिल हुए। अधिकारियों ने डीपीआर और अनुमान तैयार करने की स्थिति, तकनीकी मंजूरी और प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं की समीक्षा की ताकि योग्य परियोजनाओं को 31 मार्च तक भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किया जा सके। मुख्य परियोजनाओं में मदनूर से बोधन कॉरिडोर के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य, दुद्दा से सिरसिला तक क्षमता वृद्धि, बाइपास निर्माण और जंक्शन अपग्रेड, औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्लस्टर सेवा मार्गों पर ब्रिज सुधार और सर्विस रोड कार्य, प्रदर्शन-आधारित रखरखाव और तात्कालिक मरम्मत कार्यों को तेज़ी से पूरा करना शामिल है। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि पहले से स्वीकृत परियोजनाओं पर कार्यों को तेजी से लागू किया जाए ताकि ये जनता के लिए लाभकारी हों। अधिकारियों के अनुसार, ये परियोजनाएँ तेलंगाना के प्रमुख कॉरिडोर में ट्रैफिक जाम कम करने, माल ढुलाई में सुधार और सड़क सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से हैं।

संबंधित विभागों को भूमि अधिग्रहण, यूटिलिटी शिफ्टिंग और प्रशासनिक स्वीकृतियों से संबंधित लंबित मुद्दों को प्राथमिकता पर हल करने का निर्देश दिया गया है, ताकि केंद्रीय फंड की रिहाई में देरी न हो। अधिकारियों ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों में तेजी लाना राज्य सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य परिवहन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और राज्य के बीच संपर्क सुधारना है।

कटी पतंग उठाने के दौरान इमारत से गिरकर 10 वर्षीय बच्चे की मौत

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के साई बाबा नगर, मैलार्देवपल्ली में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब बच्चा पतंग वापस लाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान हेमंत के रूप में हुई है, जो मंचेरियल जिले के महेंद्र और सुजाता का पुत्र था। बताया गया है कि हेमंत पास स्थित एक कंपनी के शेड की छत पर उस पतंग को उठाने के लिए चढ़ा था, जो वहां गिर गई थी। इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छत की चादरों से फिसलकर नीचे गिर पड़ा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि चोटें इतनी गंभीर थीं कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

16वीं मंजिल से कूदकर युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के टोलीचौकी थाना क्षेत्र में रविवार को एक 30 वर्षीय युवक ने एक आवासीय टावर की 16वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान एन प्रवीण के रूप में हुई है, जो अत्तापुर का रहने वाला था। वह पिछले तीन वर्षों से गंभीर बीमारी से जूझ रहा था और मानसिक तनाव में भी था। रविवार को प्रवीण शैकपेट नाले के पास स्थित आदित्य एम्प्रेस टावर्स पहुंचा और वहां से 16वीं मंजिल से कूद गया। पुलिस ने बताया कि प्रवीण लगभग दो साल पहले इसी इमारत के पास स्थित पासपोर्ट कार्यालय में काम कर चुका था, इसलिए वह इस इलाके से परिचित था। टोलिचोक पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब पी रहे व्यक्ति से लूट, तीन अज्ञात आरोपी फरार

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके बोडुप्पल में रविवार रात एक सुनसान स्थान पर शराब पी रहे 46 वर्षीय व्यक्ति से तीन अज्ञात व्यक्तियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार पीड़ित की पहचान पीरज़ादिगुडा निवासी अशोक कुमार के रूप में हुई है। वह एक सुनसान जगह पर अकेले बैठकर शराब पी रहे थे, तभी तीन युवक उनके पास पहुंचे। मौके का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने कथित तौर पर उनकी सोने की चेन, अंगूठियां, मोबाइल फोन और बटुआ छीन लिया और फरार हो गए।

पक्ष या विपक्ष में प्रचार करने पर होगा सख्त एक्शन : स्नेहा मेहरा

विकाराबाद नगर पालिका चुनाव प्रचार समाप्त

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद ज़िले की चार नगर पालिकाओं में चल रहे नगर पालिका चुनावों के मद्देनज़र, ज़िला पुलिस अधीक्षक स्नेहा मेहरा ने जानकारी दी है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित चुनाव नियमों एवं आदर्श आचार संहिता के अनुसार आज सायं 5 बजे चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। उन्होंने बताया कि प्रचार समाप्ति के बाद लागू होने वाली प्रचार निषेध अवधि (मौन अवधि) के दौरान किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा, रैली, रोड शो, घर-घर जाकर प्रचार, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग, प्रचार वाहनों का संचालन, पोस्टर, बैनर, फ्लेक्स अथवा किसी भी अन्य माध्यम से चुनाव प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सभी राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के आदेश दिए गए हैं। ज़िला पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि मौन अवधि के दौरान सोशल मीडिया, व्हाट्सएप समूहों तथा अन्य डिजिटल माध्यमों के ज़रिए किसी भी प्रत्याशी के पक्ष या विपक्ष में प्रचार करना भी निषिद्ध रहेगा। इस पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख़्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए ज़िला पुलिस द्वारा व्यापक और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा उड़न दस्तों के साथ-साथ त्वरित प्रतिक्रिया दल भी अलर्ट मोड में रहेंगे। ज़िला पुलिस अधीक्षक ने चेतावनी दी कि चुनाव नियमों के उल्लंघन, अवैध शराब की ढुलाई या वितरण, नकद राशि का प्रलोभन, मतदाताओं को डराने-धमकाने अथवा कानून-व्यवस्था भंग करने की किसी भी कोशिश के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और दोषियों के विरुद्ध बिना किसी अपवाद के कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्नेहा मेहरा ने आम नागरिकों से अपील की कि वे चुनावी नियमों का सम्मान करें, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत निकटतम पुलिस अधिकारी को दें।

मेदक में प्रचार से घबरा रहे हैं मुख्यमंत्री: हरीश राव

सिद्दिपेट, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पूर्ववर्ती मेदक जिले में चुनाव प्रचार करने से डर रहे हैं, क्योंकि उन्हें वहां एक भी नगरपालिका जीतने की उम्मीद नहीं है। दुब्बक नगरपालिका में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री को मेदक में उनसे मुकाबला करने का भी डर है।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने निज़ामाबाद, करीमनगर और वारंगल जैसे पड़ोसी जिलों का दौरा किया, लेकिन कांग्रेस नेताओं के बार-बार आग्रह के बावजूद जानबूझकर मेदक में प्रचार नहीं किया। इसका कारण यह है कि उन्हें मतदाताओं द्वारा अधूरे वादों पर सवाल किए जाने का डर है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान रेवंत रेड्डी ने कोमुरवेल्ली और एडुपयाला मंदिरों में कई वादे किए थे, लेकिन कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के दो साल बाद भी वे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव जनता के लिए अहम हैं और इन चुनावों में हार मुख्यमंत्री को अपने वादे पूरे करने के लिए मजबूर करेगी। हरीश राव ने दुब्बक में बीआरएस सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारी अस्पताल का उन्नयन, स्कूल, मंदिर और अन्य सुविधाओं का निर्माण किया गया था।

खम्मम जिले के युवक ने दुबई में की आत्महत्या

राजन्ना–सिरसिल्ला, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दुबई में कार्यरत 24 वर्षीय युवक वरिकुप्पला राकेश ने आत्महत्या कर ली। शनिवार रात उन्होंने अपने कमरे में फांसी लगाकर यह कदम उठाया। राकेश की मौत के सटीक कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है, हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आर्थिक समस्याओं को इसकी वजह माना जा रहा है। वीरनापल्ली मंडल के कंचेरला गांव निवासी राकेश करीब डेढ़ साल पहले रोजगार की तलाश में दुबई गए थे। बताया गया कि उन्हें अधिक वेतन की उम्मीद थी, लेकिन कम आय मिलने से वे निराश हो गए थे। बढ़ते आर्थिक दबाव के चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्राम सरपंच समरला देवराजू और वड्डेरा संगम के नेताओं ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव के संज्ञान में मामला लाकर राकेश का शव जल्द से जल्द पैतृक गांव लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस की सक्रियता से महिला को मिला सोने का आभूषण

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की सक्रियता से महिला को खोया सोने का आभूषण मिल गया। हैदराबाद स्थित केपीएचबी पुलिस थाना क्षेत्र में खोया हुआ स्वर्ण कंगन पुलिस ने तत्परता से तलाश कर शिकायतकर्ता महिला को सुरक्षित रूप से सौंप दिया।

पीएचबी पुलिस थाना निरीक्षक राजशेखर रेड्डी के अनुसार, केपीएचबी क्षेत्र की एक महिला ने पांच जनवरी को को लगभग 1:30 बजे रोड नंबर–1 पर रूबी स्टोन डिज़ाइन वाला लगभग डेढ़ तोला वज़नी स्वर्ण कंगन खो दिया था। इस संबंध में महिला ने तत्काल केपीएचबी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत प्राप्त होते ही केपीएचबी अपराध शाखा की टीम ने मामले की जाँच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों की सहायता से खोए हुए स्वर्ण कंगन का पता लगाकर उसे सुरक्षित रूप से शिकायतकर्ता को सौंप दिया। अपने खोए हुए स्वर्ण कंगन की सकुशल वापसी पर शिकायतकर्ता महिला ने केपीएचबी पुलिस की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और उनकी तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की।

युवक का इसरो में वैज्ञानिक पद पर चयन

जगतियाल, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोडिमियाल मंडल के मूल निवासी युवा मुम्मदी राजसिम्हा का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक के रूप में चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है। राजसिम्हा ने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा जगतियाल में और माध्यमिक शिक्षा वारंगल में पूरी की। इसके बाद उन्होंने जेईई एडवांस्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष रैंक हासिल की और केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में प्रवेश पाया। इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष की पढ़ाई के दौरान उन्होंने कैंपस इंटरव्यू में भाग लिया, जहां उनका चयन इसरो में वैज्ञानिक पद के लिए किया गया। राजसिम्हा सरकारी शिक्षक राजशेखर और उमरानी के पुत्र हैं। उनकी सफलता पर परिजनों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी है।

सीएम का मंत्रियों को स्थानीय निकाय चुनाव जीत सुनिश्चित करने का निर्देश

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नगर निगम चुनावों की घोषणा के बाद जारी तीव्र चुनाव अभियान सोमवार को समाप्त हुआ। इसी संदर्भ में, सत्ता में कांग्रेस पार्टी ने अपनी रणनीतियों को और सशक्त किया। अभियान के अंतिम दिन, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आठ जिलों में प्रचार समाप्त करने के बाद मंत्रियों के साथ एक तत्काल ज़ूम बैठक की।

इस बैठक में मुख्यमंत्री ने 116 नगर पालिकाओं और 7 निगमों में राजनीतिक स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मंत्रियों से स्थानीय स्तर पर पार्टी की मजबूती, विपक्षी दलों की रणनीतियों और मतदाताओं की मानसिकता के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को चुनाव समाप्त होने के बाद भी हर मिनट चौकस रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी असंतोष या बागी प्रवृत्ति को तुरंत हल किया जाए और पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी देखा कि मंत्रियों ने सरकार की गारंटी और कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में किस तरह की भूमिका निभाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि लक्ष्य अधिकतम नगर पालिकाओं में जीत हासिल करना है, और इन चुनावों के परिणाम सरकार के प्रदर्शन का प्रमाण होंगे। मुख्यमंत्री ने कुछ सुझाव दिए और कांग्रेस नेताओं में नया उत्साह जगाने का प्रयास किया।

खराब रखरखाव से नगर निकायों में एलईडी स्ट्रीटलाइटें हुईं बेकार

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन एवं शहरी विकास (एमएयूडी) विभाग की सुस्ती और खराब रखरखाव के चलते राज्य की कई नगरपालिकाओं और नगर निगमों में एलईडी स्ट्रीटलाइटें खराब पड़ी हुई हैं। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) सहित कई शहरी स्थानीय निकायों से इसको लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। यह समस्या खास तौर पर एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए हुए समझौते की अवधि समाप्त होने के बाद सामने आई है। बुधवार को होने वाले नगरपालिका चुनावों के मद्देनजर कई शहरी स्थानीय निकायों में एलईडी स्ट्रीटलाइटों के कामकाज को लेकर बहस तेज हो गई है।

ईईएसएल के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के 140 शहरी स्थानीय निकायों में लगभग 17 लाख एलईडी स्ट्रीटलाइटें लगाई गई थीं।

इनमें से 73 यूएलबी में ईईएसएल के साथ किया गया समझौता सितंबर 2025 में समाप्त हो चुका है, जबकि जीएचएमसी क्षेत्र में यह अप्रैल 2025 में खत्म हुआ। फिलहाल यह अनुबंध 67 यूएलबी में लागू है। समझौता समाप्त होने के बाद 73 शहरी स्थानीय निकायों में लगी करीब 8.9 लाख स्ट्रीटलाइटों के संचालन और रखरखाव को लेकर जांच शुरू की गई है। शिकायतें मिलने पर एमएयूडी अधिकारियों ने अस्थायी व्यवस्था करने और कुछ एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपने की कोशिश की, लेकिन इससे कोई ठोस परिणाम नहीं निकल सका।

अधिकारियों के अनुसार वित्तीय संसाधनों की कमी, सीमित जनशक्ति और पर्याप्त सरकारी समर्थन का अभाव एलईडी अवसंरचना के खराब रखरखाव के प्रमुख कारण हैं। गौरतलब है कि एलईडी स्ट्रीटलाइट परियोजना से सालाना लगभग 193 मेगावाट बिजली की बचत हुई और कार्बन उत्सर्जन में करीब 0.81 मिलियन टन की कमी आई। अकेले जीएचएमसी को बिजली बिल में प्रतिवर्ष लगभग 80 करोड़ रुपये की बचत हुई।

इसके बावजूद जीएचएमसी में विलय किए गए 27 शहरी स्थानीय निकायों में एलईडी स्ट्रीटलाइटों के रखरखाव को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं, राज्य सरकार पर ईईएसएल का लगभग 350 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान भी लंबित है।

वादों पर खरी नहीं उतरी कांग्रेस सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हालिया आश्वासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि जयशंकर भूपालपल्ली जिले को समाप्त नहीं किए जाने के बयान पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि वादे निभाने के मामले में उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध रही है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेताओं ने छह गारंटी और 420 वादे किए थे, लेकिन एक भी पूरा नहीं किया। सोमवार को भूपालपल्ली में नगर निगम चुनाव अभियान के तहत आयोजित रोड शो को संबोधित करते हुए केटीआर ने मुख्यमंत्री के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भूपालपल्ली जिले को समाप्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि तेलंगाना के विचारक प्रोफेसर के. जयशंकर के नाम पर बने जिले को खत्म करने की बात कहने का अधिकार मुख्यमंत्री को किसने दिया। उन्होंने पूछा कि क्या इस जिले का गठन या नामकरण रेवंत रेड्डी ने किया था और क्या वे यहां मेडिकल कॉलेज लेकर आए। इस दौरान भीड़ ने "केसीआर" के नारे लगाए।

केटीआर ने बीआरएस शासनकाल में किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान 1,000 दो बेडरूम वाले मकान, 19,000 सिंगारेनी आश्रितों को रोजगार और श्रमिकों के लिए आवास की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस सरकार ने पिछले दो वर्षों में ऐसी कौन सी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनके आधार पर उसके आश्वासनों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी का रिकॉर्ड कहता कुछ और है और करता कुछ और। उन्होंने छह गारंटी लागू न कर पाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज जिले को खत्म न करने का वादा किया जा रहा है, लेकिन कल की कोई गारंटी नहीं है। उन्होंने मतदाताओं से नगर निगम चुनावों के जरिए सरकार को स्पष्ट संदेश देने का आह्वान किया। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने जनता से स्वर्ग के वादे किए थे, लेकिन वादे पूरे न कर उन्हें परेशान किया। उन्होंने बताया कि किसान फरवरी में भी रायथु भरोसा योजना की सहायता का इंतजार कर रहे हैं, जबकि बीआरएस शासन में यह सहायता यासांगी फसल के लिए दिसंबर में ही जारी कर दी जाती थी। उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में लंबे समय से सत्ता में रहने के बावजूद वह तेलंगाना के लिए कुछ नहीं कर सकी।

उन्होंने मुख्यमंत्री को बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी और पुलिस अधिकारियों को भी सत्ताधारी दल के दबाव में काम न करने की सलाह दी। केटीआर ने कांग्रेस से उसके चुनावी वादों को लेकर सवाल किए, जिनमें कल्याणा लक्ष्मी और शादी मुबारक योजना के तहत एक तोला सोना, 4,000 रुपये की आसरा पेंशन, महिलाओं को 2,500 रुपये की सहायता, रायथु भरोसा और केसीआर किट शामिल हैं। इस पर भीड़ ने एक स्वर में कहा कि इनमें से कोई भी लाभ उन्हें नहीं मिला है। उन्होंने मतदाताओं से नगर निगम चुनावों में बीआरएस के कार चुनाव चिन्ह के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव सरकार की विश्वसनीयता और अधूरे वादों पर जनमत संग्रह है।

छात्रों के बीमार पड़ने के मामले में वार्डन निलंबित

मंचेरियल, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेलमपल्ली कस्बे के एक सरकारी एकीकृत अनुसूचित जाति छात्रावास में भोजन में लापरवाही के आरोप में वार्डन के. सुजाता को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई छात्रों के अस्पताल में भर्ती होने की घटना के बाद की गई। निलंबन के आदेश रविवार शाम को जारी किए गए।

आदेश के अनुसार, कर्तव्य में लापरवाही बरतने के कारण वार्डन को निलंबित किया गया है। आरोप है कि कीड़े लगे भोजन के सेवन से 13 छात्र बीमार पड़ गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि वार्डन को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। बताया गया कि 6 फरवरी को भोजन करने के बाद छात्र बेहोश हो गए थे। छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें कीड़े युक्त करी खाने के लिए मजबूर किया गया था। सभी छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद शनिवार को उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद विभागीय अधिकारियों ने जांच शुरू की। जांच रिपोर्ट के आधार पर वार्डन के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

सिंचाई पानी की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन

खम्मम, 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के पैतृक जिले खम्मम में किसानों ने सिंचाई के पानी की मांग को लेकर सोमवार को खम्मम–कोत्तागुडेम राजमार्ग पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया। कोनिजेरला मंडल के यास्कुरु–पल्लीपाडु मार्ग पर गुब्बागुर्थी में किसानों के एक समूह ने सड़क जाम कर दी। किसानों ने कहा कि पानी की कमी के कारण उनकी फसलें सूख रही हैं और उन्हें तत्काल सिंचाई जल की आवश्यकता है।

किसानों ने आरोप लगाया कि नागार्जुन सागर से नियमित रूप से पानी न छोड़े जाने के कारण मक्का की फसल प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि स्थानीय नेताओं से गुहार लगाने के बावजूद उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया। किसानों के अनुसार सरकार 'वरबंदी' प्रणाली के तहत पानी छोड़ रही है, लेकिन पिछले एक सप्ताह से जलापूर्ति पूरी तरह बंद है। उन्होंने कहा कि इस समय मक्का की फसल दाने बनने की अवस्था में है और यदि तुरंत पानी नहीं मिला तो पैदावार पर गंभीर असर पड़ेगा। प्रदर्शन के कारण राजमार्ग पर भारी यातायात जाम लग गया और वाहनों की आवाजाही बाधित रही। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सिंचाई विभाग ने शीघ्र पानी नहीं छोड़ा तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence[illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.